3 राजधानी
औद्योगिक एरिया का होगा कायाकल्प

6 अभिमत
उपचुनाव नतीजों के संकेत

11 विदेश
ढाका विवि अनिश्चित काल के लिए बंद

12 स्पोर्ट्स
सूर्य कुमार यादव दूसरे स्थान पर बरकरार

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 249
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं

राष्ट्रीय-10

यूपी उपचुनाव को योगी तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर उपुचनाव के लिए प्रभारी बनाए गए मंत्रियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने इन मंत्रियों को उपचुनाव में सभी सीटों पर जीत के लिए पूरी आक्रमकता के साथ तैयारियों में जुट जाने का पाठ पढ़ाया। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को निर्देशित किया कि जमीनी हकीकत और कार्यकर्ताओं को दुख-दर्द समझने के लिए सप्ताह में दो दिन अपने प्रभार वाले जिलों में रात्रि विश्राम करें। इसके साथ ही एक विधानसभा सीट की जिम्मेदारी संबंधित जिले के प्रभारी मंत्रियों के साथ एक-दो मंत्रियों को सौंपी गई है। इसके लिए मंत्रियों के 10 ग्रुप बनाए गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने प्रभारी मंत्रियों से उनके प्रभार वाले जिलों पर विस्तार से चर्चा की और वहां का हाल जाना। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के सभी 10 ग्रुप को उपचुनाव के मद्देनजर जिले में ही रात्रि विश्राम के लिए कहा है। मुख्यमंत्री की तरफ से सभी प्रभारी मंत्रियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि हर एक ग्रुप को कार्यकर्ताओं के साथ बात करनी है। सबसे ज्यादा फोकस बूथ को मजबूत करने पर होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में यूपी में बड़ी हार के बाद सरकार हो या संगठन सभी फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। सभी के सामने 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की चुनौती है। चाहे जातीय समीकरण की बात हो या प्रत्याशियों के चयन की। योगी नहीं चाहते हैं कि किसी भी मसले को हल्के में लिया जाए। बैठक में जहां योगी तेवर में नजर आए वहीं मंत्रियों में भी ऊर्जा भरने का काम किया। उन्होंने मंत्रियों के सामने अपनी रणनीति स्पष्ट की। उनका फोकस तीन बातों पर था पहला कि कार्यकर्ताओं को मनाएं उन्हें सम्मान दें और उनकी राय पर गौर करें। दूसरा डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को आम जनता के बीच ले जाएं और विपक्ष द्वारा फैलाए गए आरक्षण आदि के भ्रम को दूर करें।

योगी ने मंत्रियों से कहा कि कार्यकर्ताओं से न सिर्फ संवाद करें बल्कि उनकी नाराज़गी को भी दूर करें। बूथों पर स्थिति मजबूत करें। विकास योजनाओं, रोजगार से जुड़े कार्यक्रमों के बारे में युवाओं और आमजनता को जागरूक करें। उनमें राष्ट्रवाद की भावना पैदा करें और विपक्ष के झूठ को बेनकाब करें। मुजफ्फरनगर की मीरापुर, संभल की कुंदरकी, गाजियाबाद सदर, अलीगढ़ की खैर (सुरक्षित), मैनपुरी की करहल, कानपुर की सीसामऊ, प्रयागराज की फुलपुर, अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मिर्जापुर की मझवां विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए 30 मंत्रियों को प्रभारी बनाया गया है। इन सीटों के नौ विधायक अब सांसद बन गए हैं। (शेष पेज 9)

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। फाइल फोटो

अखिलेश के तंज पर मौर्या का जवाब

लखनऊ। उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के एक बयान पर बुधवार को पलटवार करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की देश और प्रदेश दोनों जगह मजबूत संगठन और सरकार है। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए कहा था, भाजपा की कुर्सी की लड़ाई की गर्मी में, सूबे में शासन-प्रशासन ठंडे बस्ते में चला गया है। तोड़फोड़ की राजनीति का जो काम भाजपा दूसरे दलों में करती थी, अब वही काम वह अपने दल के अंदर कर रही है इसलिए भाजपा अंदरूनी झगड़ों के दलदल में धंसती जा रही है। जनता के बारे में सोचनेवाला भाजपा में कोई नहीं है। मौर्य ने यादव के बयान पर पलटवार करते हुए एक्स पर कहा, सपा बहादुर अखिलेश यादव जी, भाजपा की देश और प्रदेश दोनों जगह मजबूत संगठन और सरकार है, सपा का पीडीए धोखा है। उन्होंने कहा, प्रदेश में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है, भाजपा 2027 विधानसभा चुनाव में 2017 दोहराएगी। फिर एकबार डबल इंजन सरकार।

नई दिल्ली के पंडारा मार्केट में आग लगने से खाक हुआ गुलाटी रेस्टोरेंट। फोटो : रंजन डिमरी

दिल्ली का प्रसिद्ध गुलाटी रेस्टोरेंट जलकर खाक

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के केंद्र में स्थित प्रसिद्ध गुलाटी रेस्टोरेंट में बुधवार की सुबह लगी आग ने 1959 से चली आ रही उस ऐतिहासिक विरासत को खाक कर दिया, जिसमें कई गणमान्य लोगों ने लजीज व्यंजनों का कभी लुत्फ उठाया था। रेस्टोरेंट में आग लगने की खबर ने कई दिल्लीवासियों का दिल भर आया जिन्होंने यहां कभी भोजन किया था। उन्हें रेस्टोरेंट में बिताए समय की याद दिला दी है, जो हमेशा के लिए उनकी यादों में बसा है। इस रेस्टोरेंट की शुरुआत एक छोटे से ढाबे से हुई थी, जिसमें साधारण लकड़ी की बेंच और टेबल थीं, जिसे 2013 में एक बढ़िया रेस्टोरेंट में तब्दील किया गया था। हालांकि, यहां बढ़िया भोजन के साथ यह जगह अपने बेहतर माहौल के लिए प्रसिद्ध थी। शाकाहारी गुलाटी रेस्टोरेंट के बैठने की जगह में तड़के 2.48 बजे लगी आग मुख्य रेस्टोरेंट के पास स्थित है जो जल्द ही पहली मंजिल तक फैल गई और सबकुछ राख हो गया।

पायनियर से बात करते हुए, कई लोग इस खबर से दुखी हो गए और याद करके भावुक हो गए कि यह जगह उनके कई पारिवारिक समारोहों का हिस्सा थी। प्रसार भारती में कंटेंट राइटर के रूप में काम करने वाले 26 वर्षीय आदित्य आहूजा ने बताया कि कैसे वह अपने पिता के साथ बचपन में इस जगह पर आया करते थे। दिल्ली अग्निशमन दल के एक अधिकारी के अनुसार, चार दमकल की गाड़ियों को आग बुझाने के काम पर लगाया गया और एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी जिससे कुछ फर्नीचर और अन्य सामान को जल गया। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच चल रही है। यह रेस्तरां शहर के सबसे अच्छे उत्तर भारतीय रेस्तरां में से एक के रूप में उभरा है और इस जगह के बाहर (शेष पेज 9)

अजीत पवार गुट के चार बड़े नेताओं ने छोड़ी पार्टी

टीएन रघुनाथ। मुंबई

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। पिंपरी चिंचवाड़ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित गवाहाने समेत चार शीर्ष नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस सप्ताह के अंत वे सभी नेता शरद पवार की पार्टी में शामिल हो सकते हैं। गवाहाने के अलावा, सत्तारूढ़ एनसीपी (एपी) छोड़ने वाले और प्रतिद्वंद्वी शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल होने की घोषणा करने वाले तीन अन्य नेता हैं एनसीपी के पिंपरी-चिंचवाड़ छात्र विंग के प्रमुख यश साने, पूर्व पार्षद राहुल भोसले और पंकज भालेकर। गवाहाने, राहुल और पंकज ने एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को अपना इस्तीफा सौंप दिया। साने ने इस सप्ताह की शुरुआत में एनसीपी छात्र विंग के अध्यक्ष प्रशांत कदम को अपना इस्तीफा भेज दिया था।

एनसीपी (एपी) के चार नेताओं के इस्तीफे के एक साल बाद अजीत पवार ने शरद पवार के खिलाफ बगावत की, जिससे मूल पार्टी में नाटकीय विभाजन हुआ और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए। अजीत पवार के नेतृत्व वाली पार्टी से अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए, गावहाने ने कहा उन्होंने एनसीपी छोड़ दी है। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्य पार्टी अध्यक्ष सुनील तटकरे को सौंप दिया है। वह किस पार्टी में जा रहे हैं, यह बताने से इनकार करते हुए, गावहाने ने कहा समय आने पर पता चल जाएगा कि वह किस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। आज कुछ भी नहीं बोलंगे। हालांकि, उनके करीबी सहयोगियों ने पुष्टि की कि वह और अन्य (शेष पेज 9)

विवाद के बाद पीछे हटी कर्नाटक सरकार

● सिद्धरमैया सरकार ने निजी कंपनियों में कन्नड़ भाषियों के लिए आरक्षण संबंधी विधेयक को ठंडे बस्ते में डाला

भाषा। बेंगलुरु

कारोबार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लोगों की तीखी आलोचना के बाद कर्नाटक सरकार ने बुधवार को उस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया जिसमें निजी क्षेत्र में कन्नड़ भाषियों के लिए आरक्षण अनिवार्य किया गया था। कर्नाटक राज्य उद्योग, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए रोजगार विधेयक, 2024 को सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। इस विधेयक को बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना थी।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया, निजी क्षेत्र के संस्थानों, उद्योगों और उद्यमों में कन्नड़ भाषियों को आरक्षण देने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत विधेयक को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। इस पर आगामी दिनों में फिर से विचार किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भी एक्स पर पोस्ट किया था, निजी क्षेत्र के संस्थानों, उद्योगों और उद्यमों में कन्नड़ भाषी लोगों के लिए आरक्षण लागू करने का विधेयक अभी तैयारी के चरण में है। मंत्रिमंडल की अगली बैठक में व्यापक चर्चा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

पार्टी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया

विधेयक में कहा गया, किसी भी उद्योग, कारखाने या अन्य प्रतिष्ठानों को प्रबंधन श्रेणियों में 50 प्रतिशत और गैर-प्रबंधन श्रेणियों में 70 प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों की नियुक्ति करनी होगी। कारोबार क्षेत्र की हस्तियों ने प्रस्तावित कोटे पर आपत्ति जताते हुए इसे फासीवादी और अदूरदर्शी बताया। जानेमाने उद्यमी एवं इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी टी.वी. मोहनदास पई ने विधेयक को फासीवादी करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, इस विधेयक को रद्द कर देना चाहिए। यह पक्षपातपूर्ण, प्रतिगामी और संविधान के विरुद्ध है। अविश्वसनीय है कि कांग्रेस इस तरह का विधेयक लेकर आई है-एक सरकारी अधिकारी निजी क्षेत्र की भर्ती समितियों में बैठेगा? लोगों को भाषा की परीक्षा देनी होगी...? फार्मा कंपनी बायोकॉन की प्रबंध निदेशक किरण मजूमदार शॉ ने कहा, एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हमें कुशल प्रतिभा की आवश्यकता है और हमारा उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना है। हमें इस कदम से प्रौद्योगिकी में अपनी अग्रणी स्थिति को प्रभावित नहीं करना चाहिए...। एसोचैम की कर्नाटक इकाई के सह अध्यक्ष आर.के. मिश्रा ने एक्स पर पोस्ट में तंज कसते हुए कहा, कर्नाटक सरकार का एक और प्रतिभावान कदम। स्थानीय स्तर पर आरक्षण और हर कंपनी की निगरानी के लिए सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति को अनिवार्य बनाना। इससे भारतीय आईटी और जीसीसी भयभीत होंगे। अदूरदर्शी। कर्नाटक का यह कदम हरियाणा सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक जैसा ही है, जिसमें राज्य के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया था। हालांकि, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर 2023 को हरियाणा सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था।

विदेशी आतंकी दबोचने को डोडा के जंगलों में सघन तलाशी

डोडा में आतंकवादियों से हालिया मुठभेड़ के बाद भारी सुरक्षा के साथ सैन्यकर्मी।

मोहित कंडारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर में छिपे विदेशी आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों ने डोडा के देसा वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में जवानों को तैनात किया है। इसी क्षेत्र में सोमवार देर रात भीषण गोलीबारी में एक कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी शहीद होने के बाद पहाड़ी इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया। जानकारी के अनुसार सैन्यकर्मियों को निशाना बनाने के बाद आतंकवादी इलाके से भाग गए थे। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, जब संयुक्त टीमें इलाके में तलाशी ले रही थीं, तो मंगलवार देर रात तीन से चार घंटे के अंतराल में दो मौकों पर संक्षिप्त गोलीबारी हुई।

सतर्क ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) ने कथित तौर पर अपने गांव के बाहर संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए गोलीबारी की, जबकि गंडोह क्षेत्र से दो विस्फोटक गोले बरामद किए गए। देसा वन क्षेत्र में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सबसे पहले मंगलवार रात 10.45 बजे कलां भाटा में और फिर सुबह 2 बजे पंचन भाटा के पास गोलीबारी की सूचना मिली। चुनौतीपूर्ण भूभाग और मौसम की स्थिति के बावजूद, प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े आतंकवादियों को पकड़ने और उन्हें बेअसर करने के प्रयास जारी हैं। इस बीच, डोडा जिले के गंडोह के सिनू वन क्षेत्र में एक अलग तलाशी अभियान के दौरान दो विस्फोटक गोले बरामद किए गए। 26 जून को सिनू वन में एक दिन तक चली मुठभेड़ में तीन विदेशी आतंकवादी मारे गए और अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन सहित हथियारों और (शेष पेज 9)

भगदड़ जैसे हालात

मुंबई हवाईअड्डे के पास उस समय भगदड़ जैसे हालात बन गए जब वहां लोडर पद की नौकरी के लिए हजारों की संख्या में उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पहुंचे थे। हालांकि पुलिस ने बुधवार को दावा किया कि उसने पर्याप्त तैयारी की थी ताकि किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो।

हरियाणा में अग्निवीरों को नौकरी में मिलेगा 10 प्रतिशत आरक्षण

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले हरियाणा सरकार ने एक बड़ा फैसला करते हुए अग्निवीरों को चार विभागों में दस प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने तथा प्राथमिकता के आधार पर आर्मस लाइसेंस जारी करने का ऐलान किया है। सरकार के इस फैसले से विपक्ष के हाथ से एक बड़ा मुद्दा निकल गया है। हरियाणा में कांग्रेस लगातार सत्ता में आने के बाद अग्निवीर योजना को समाप्त करने का ऐलान कर रही है।

चंडीगढ़ में बुधवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऐलान करते हुए बताया कि हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल, फोरेस्ट व माइनिंग गार्ड, जेल वार्डन व एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) की भर्ती में सेना से चार वर्ष बाद लौटने वाले अग्निवीरों को दस प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सीधी भर्ती में अग्निवीरों को यह सुविधा मिलेगी। इतना ही नहीं, सरकारी नौकरियों में प्रवेश के लिए तय उम्र सीमा में भी अग्निवीरों को छूट मिलेगी। अग्निवीरों के पहले (शेष पेज 9)

अग्निवीरों को नौकरी देने पर मिलेगी सब्सिडी

मुख्यमंत्री सैनी ने साफ किया कि अगर कोई उद्योगपति अग्निवीरों को सेना से वापस आने पर 30 हजार रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी देता है तो ऐसे उद्योगपतियों को सरकार की ओर से सालाना 60 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इसके लिए विस्तृत योजना का ड्राफ्ट तैयार करके जारी किया जाएगा। अग्निवीरों को सेना से (शेष पेज 9)

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट ने आदेश रखा सुरक्षित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उन याचिकाओं पर बुधवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया, जिनमें आबकारी नीति मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी किए जाने को चुनौती दी गई है और अंतरिम जमानत का अनुरोध किया गया है। केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ने न केवल केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से की गई गिरफ्तारी की आलोचना की बल्कि उन्हें मामले में जमानत पर रिहा करने का भी अनुरोध किया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने मुहर्रम का अवकाश होने के बावजूद सुनवाई की। उन्होंने केजरीवाल और सीबीआई के वकीलों की दलीलें सुनीं और याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। उच्च न्यायालय ने उनकी नियमित जमानत याचिका पर अगली सुनवाई की तिथि 29 जुलाई तय की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल का पक्ष ले रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी, यह दुर्भाग्य से रिहाई रोकने के लिए की गई गिरफ्तारी है। मेरे पास (ईडी के मामलों में) बहुत ही सख्त प्रावधानों में प्रभावी रिहाई के तीन आदेश हैं...ये आदेश दिखाते हैं कि (शेष पेज 9)

विधि मंत्रालय ने अहम बिलों के लिए सनसेट क्लॉज की वकालत की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधि एवं न्याय मंत्रालय ने कानूनी अव्यवस्था को किताब से हटाने के लिए कुछ प्रकार के विधेयकों में 'सनसेट' क्लॉज या स्वत: निरस्तीकरण प्रावधान को शामिल करने की वकालत की है और इसे अपने 100-दिवसीय एजेंडे में शामिल किया है। सनसेट क्लॉज मुख्य रूप से अस्थायी प्रकृति के कानूनों या गतिशील स्थितियों से निपटने वाले कानूनों पर लागू होता है। एक बार जब उनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तो वे कानून की किताबों से हटा दिए जाते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी में 20 से अधिक वर्षों से सनसेट क्लॉज का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। मंत्रालय के विधायी विभाग ने नए विधायी प्रस्ताव में 'सनसेट क्लॉज' को अपने 100-दिवसीय एजेंडे का हिस्सा बनाते हुए कहा है कि संबंधित मंत्रालयों के परामर्श से इस संबंध में कदम उठाए जाएंगे। लोकसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को अगली सरकार के लिए 100-दिवसीय एजेंडा तैयार करने का निर्देश दिया था।

पूर्व केंद्रीय विधि सचिव पीके मल्होत्रा ने बताया कि जब भी विधायिका, संसद या राज्य विधानमंडल अपने द्वारा पारित किसी कानून का समय अवधि सीमित करना चाहती है, तो वह नीतिगत तौर पर एक सनसेट क्लॉज प्रदान कर सकती है, जिसमें यह प्रावधान हो कि एक निश्चित अवधि - आवश्यकता के आधार पर पांच या 10 वर्ष - बीत जाने के बाद कानून समाप्त हो जाएगा। मल्होत्रा ने कहा कि विधानमंडल सनसेट क्लॉज के कारण निष्क्रिय हो चुके कानून को नया जीवन देने के लिए एक नया कानून पारित कर सकता है। विधायी विभाग के अनुसार, वह संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों और विभागों के परामर्श से नए विधायी प्रस्ताव में सनसेट क्लॉज या स्वत: निरस्तीकरण क्लॉज को शामिल करना चाहता है। उसने कहा कि जब भी इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होंगे, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यह लंबे समय से लंबित मांग है। यह प्रथा कुछ अन्य देशों में भी प्रचलित है। मल्होत्रा ??ने कहा, मुझे लगता है कि ऐसे कई कानून हैं जहां इस तरह का प्रस्ताव रखा जा सकता है ताकि संसद या राज्य विधानमंडल भी सतर्क रहें कि समय बीतने के साथ, अगर किसी कानून को जारी रखने की आवश्यकता है, तो वे इसे नए सिरे से देखेंगे। अगर वे जारी नहीं रखना चाहते हैं, तो कानून में दिए गए दिन से यह अपने आप समाप्त हो जाएगा। हाल के दिनों में, कानूनी सुधारों को देखने के लिए गठित कुछ आयोगों ने भी इस तरह के प्रस्ताव पर जोर दिया है। सनसेट क्लॉज एक कानूनी स्थिति है जो किसी कानून या समझौते को समाप्त करने के लिए समाप्ति तिथि या शर्तें स्थापित करता है। यह रेखांकित करता है कि कानून या समझौता एक निश्चित समय के बाद वैध नहीं रहेगा, जब तक कि इसे नवीनीकृत न किया जाए। अनुबंधों में, सनसेट क्लॉज समाप्ति की अनुमति देता है यदि कोई विशेष घटना एक निर्धारित तिथि तक नहीं होती है। यह खंड एक विशिष्ट तिथि पर पहुंचने के बाद विधायी खंडों को स्वचालित रूप से हटा देता है। इसके लिए कुछ प्रावधानों या कानूनों को तब तक काम करना बंद करना पड़ता है (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 18 जुलाई, 2024

आरटीई के तहत दाखिला नहीं देने वाले 12 निजी स्कूलों की हो सकती है मान्यता रद्द

● डिप्टी कलेक्टर की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत छात्रों को दाखिला नहीं देने वाले जनपद गौतम बुद्ध नगर के 12 स्कूलों पर मान्यता रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है। जिलाधिकारी ने डिप्टी कलेक्टर की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की है।

स्कूलों से जवाब तलब कर कमेटी शासन को मान्यता रद्द करने की रिपोर्ट भेजेगी। जनपद गौतम बुद्ध नगर के जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) में दाखिला नहीं देने वाले 12 निजी स्कूलों की मान्यता खत्म हो सकती है। इस मामले में सोमवार को उन्होने डिप्टी कलेक्टर की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की है। जो स्कूलों को नोटिस जारी कर जवाब तलब करेगी। उसके बाद शासन को स्कूलों की मान्यता रद्द करने का पत्र भेजा जाएगा। इन 12 स्कूलों में छह स्कूलों ने आरटीई के तहत एक भी दाखिला नहीं दिया हैं। इन स्कूलों में कुल 228 में से 194 बच्चे चार माह बाद भी पढ़ाई शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। शिक्षा विभाग आरटीई के तहत निजी स्कूलों में गरीब बच्चों दाखिला करा रहा है। लॉटरी के माध्यम से बच्चों को स्कूलों का आवंटन किया जाता है। इसके उलट निजी स्कूल मनमानी कर रहे है। आरटीई के तहत बच्चों का दाखिला नहीं कर रहे है।

बीएसए ने ऐसे ही 12 निजी स्कूलों की जानकारी जिलाधिकारी को सौंपी है। जिलाधिकारी को बताया गया है कि इन स्कूलों को कई बार नोटिस जारी कर चेतावनी दी जा चुकी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि दाखिला नहीं देने वाले 12 स्कूलों की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय कमेटी के अध्यक्ष होंगे। जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी आशीष कुमार और कुमारी मायावती राजकीय कन्या इंटर कालेज की प्राचार्य छवि सिंह सदस्य होंगीं। स्कूलों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब तलब किया जाएगा।

परिवहन विभाग ने चलाया विशेष अभियान, 76 विद्यालयों की बसों के खिलाफ की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

संभागीय परिवहन विभाग खटारा स्कूली बसों और डग्गा मार बसों पर कार्रवाई कर रहा है। एक सप्ताह के अंतर्गत विभाग ने 55 वाहनों का चालान किया, जबकि 21 बसों को सीज किया है। एआरटीओ प्रवर्तन उदित नारायण ने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा के लिए परिवहन विभाग बड़े स्तर पर कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि खटारा स्कूली बच्चों और डग्गा मार बसों पर परिवहन विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह तक चले अभियान के दौरान विभाग ने 76 बसों पर कार्रवाई की है। इसमें इस दौरान 55 बसो का चालान किया गया, जबकि 21 बसों को सीज किया गया। उन्होंने बताया कि वाहनों को सीज करने के बाद इनके संचालकों पर कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने कहा की कार्रवाई के दौरान पाया गया कि कुछ बसो का फिटनेस फेल था, जबकि कुछ बसों के परमिट नहीं था। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि मामले में उत्तर प्रदेश शासन ने परिवहन विभाग को स्पष्ट आदेश दिया है कि सीज किए हुए जिन वाहनों में किसी भी प्रकार की खामी है, उन वाहनों को रिलीज नहीं किया जाना है। जब तक उन वाहनों की सभी खामियां पूरी नहीं हो जाती। उन्होंने बताया कि समय पुरी कर चुकी बसों पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने 265 स्कूली बसों के संचालकों को नोटिस जारी किया है। यह वे बसे हैं जो अपना निर्धारित समय पूरा कर चुकी हैं। और उनके संचालकों की ओर से ना तो इनका स्क्रैप कराया जा रहा है, ना ही इनका ट्रांसफर कराया गया है। ऐसे में इनके संचालकों को विभाग ने नोटिस जारी किया है। विभाग ने कहा है कि जल्द से जल्द बस को स्क्रैप करवाए या फिर ट्रांसफर कराया जाए।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट हैं गाजियाबाद के नए डीसीपी राजेश कुमार

● खुद संभालते हैं मातेहतों के साथ मोर्चा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के नए डीसीपी आईपीएस राजेश कुमार एक ऐसे अधिकारी हैं जो खुद अपने सब ऑडिनेट्स के साथ खुद मोर्चा संभालते हैं। बहुत ही व्यवहारिक होने के साथ एक कड़क और दबंग अधिकारी की छवि है।

अब तक वो सात जिलों में सीओ और आठ जिलों में एडिशनल एसपी की कमान संभाल चुके हैं। वर्तमान में वो पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निवारण लखनऊ में तैनात थे। शासन ने देर रात उन्हें गाजियाबाद जैसे महत्वपूर्ण जिले में डीसीपी बनाया गया है। राजेश कुमार एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहे जाते हैं।

अब तक उन्होंने 82 एनकाउंटर किये हैं और 10 कुख्यात अपराधियों को मौत के घाट उतारा है। जिस जिले में भी वो तैनात रहे उस जिले में एनकाउंटर ना हो या कुख्यात अपराधी मुठभेड़ में ना मारे जाये ऐसा नहीं हुआ। इलाहाबाद में तैनाती के दौरान छह सिपाहियों की हत्या का बदला उन्होंने लिया था। वो 2007 में वहां तैनात थे। फिरोजाबाद में तैनाती के दौरान कुख्यात अपराधी दुर्गेश का बड़ा आतंक था, उसको भी मुठभेड़ में मार गिराया था। मेरठ में भी एसपी देहात के पद पर रहते हुए कुख्यात अपराधी को मुठभेड़ में मार गिराया था। सहारनपुर में भी वो लंबे समय तक एसपी सिटी के पद पर तैनात रहे। गाजियाबाद से भी उनका पुराना अनुभव है। यही कारण है कि उन्हें गाजियाबाद जैसे महत्वपूर्ण जनपद में तैनाती दी है। राजेश कुमार जोनपुर के रहने वाले हैं और उनके भाई भी आईएएस हैं। वहीं हापुड़ के कप्तान बनाये गये आईपीएस कुंवर ज्ञानन्जय सिंह ने सुबह एसपी का चार्ज ग्रहण कर लिया। कप्तान कुंवर ज्ञानन्जय सिंह के हापुड़ पहुंचते ही गारद ने उनका मान-प्रणाम किया।

सुपरटेक बिल्डर पर प्रदूषण विभाग ने लगाया 13.50 लाख रुपए का जुर्माना

नोएडा। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इको विलेज-2 सोसाइटी के जनरेटर की चिमनी नहीं लगाने पर सुपरटेक बिल्डर पर 13.50 लाख का जुर्माना लगाया हैं।

सोसाइटी के पांच जनरेटर में से तीन पर चिमनी नहीं लगी थी। जनरेटर का धुआं आसपास के फ्लैटों के साथ पड़ोस की पंचशील ग्रींस - वन सोसाइटी में जा रहा था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ, जिसका संज्ञान लेकर यूपीपीसीबी ने कार्रवाई की है। ग्रेनो वेस्ट की पंचशील ग्रींस वन सोसाइटी के निवासी इको विलेज-2 सोसाइटी के जनरेटर के धुएं से परेशान होकर यूपीपीसीबी से शिकायत की थी। उनका आरोप था कि जनरेटर पर चिमनी नहीं लगी है। साइलेंसर भी नहीं लगा हुआ है। जब जनरेटर चलता है तो धुआं उनकी सोसाइटी के सी ब्लॉक की तरफ आता है। वहां फ्लैटों में रहने वाले लोग धुएं से परेशान हैं। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी देव कुमार गुप्ता ने बताया कि शिकायत पर पिछले माह सोसाइटी का निरीक्षण किया गया। वहां पर पांच जनरेटर लगे हैं जिनमें तीन पर चिमनी नहीं लगी थी।

कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली, मौत

● मरने से पहले बनाया वीडियो, बोला- गर्लफ्रेंड कर रही थी ब्लैकमेल, मेरे पास सिर्फ मौत का रास्ता

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में ईवीएम की सुरक्षा में तैनात सिपाही पम्मी ने मंगलवार रात सरकारी बंदूक से गोली मारकर जान दे दी। मरने से पहले सिपाही ने 3 मिनट का वीडियो बनाया। कहा- गर्लफ्रेंड ब्लैकमेल कर रही।

मेरे पास सिर्फ मौत का ही रास्ता बचा है। मेरे मरने के बाद गर्लफ्रेंड को ऐसी सजा मिले, ताकि किसी और जिंदगी के साथ खिलवाड़ न कर सके। पुलिस ने गर्लफ्रेंड और उसके 2 दोस्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। 2018 बैच का सिपाही पम्मी मूल रूप से बुलंदशहर के औरंगाबाद अहीर गांव का रहने वाला था। उसकी मूल पोस्टिंग पीएसी में थी। अभी वह गाजियाबाद में मुरादनगर नगर पालिका कार्यालय के ईवीएम स्टोर की सुरक्षा में तैनात था। पम्मी के साथ

एक और सिपाही ध्यान सिंह की भी ड्यूटी थी। मंगलवार रात 8 बजे ध्यान सिंह किसी काम से बाहर चले गए, तभी पम्मी ने सरकारी बंदूक से खुद को गोली मार ली। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सिपाही ने कहा- मैं 2 साल से इतना परेशान हूं कि अपने मन की बात किसी को नहीं बता सकता। मेरे गांव में एक लड़की है। घर के सामने रहती है। उसने पहले मुझे फंसाया। अब 2 साल से मुझे ब्लैकमेल कर रही है। गांव का एक लड़का उसका साथ देता है। इस केस में 3 लोग मिले हैं। तीसरी गर्लफ्रेंड की सहेली है, जो मेरठ में रहती है। बाकी उसके बारे में कुछ नहीं जानता। 2 साल में मुझसे 6 लाख रुपए ऐंठ लिए हैं। अब भी पैसों की डिमांड आ रही है। मैं कुछ कहता हूं तो प्राथमिकी करवाने और जेल भिजवाने की धमकी देते हैं। पम्मी ने कहा- मैं ठीक से खाना भी नहीं खा पा रहा। कोई लड़की पैसों के लिए अपनी इज्जत को दांव पर लगा सकती है, मैंने जिंदगी में पहली बार देखा है। मैंने पत्नी की ज्वेलरी बेचकर इन्हें पैसे दे दिए। फिर भी इन्हें शांति नहीं मिली। अब बताओ, मैं पैसे इन्हें कहां से लाकर दूंगा? इस लड़की के पीछे मैंने एक बार जहर भी खा लिया था।

मैंने उसके सामने हाथ-पैर जो? कि मुझे माफ कर दे, गलती हो गई, लेकिन उसने मेरी एक नहीं सुनी। सबसे आखिर में सिपाही ने कहा- मैं किसी से क्या बताऊं? बस हाथ जोड़कर प्रशासन से एक बात कहना चाहता हूं कि इस लड़की को ऐसी सजा मिले, ताकि किसी के साथ जिंदगी में कुछ नहीं कर पाए। सरकार को ऐसा नियम कानून भी बना देना चाहिए, ताकि लड़कों को कुछ सहूलियत मिले। पम्मी ने कहा- मेरे पास सिर्फ एक ही रास्ता है, वो है सिर्फ मौत। वो मानेगी नहीं, मेरे खिलाफ झूठी प्राथमिकी करेगी। मेरी जिंदगी तो तब भी बेकार है। बस मैं आप लोगों से इतना ही कहना चाहता हूं...। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद यादव ने कहा- पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नामी मोबाइल कंपनी के डिस्पले चोरी करने वाला पुलिस की गिरफ्त में।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने की आत्महत्या

नोएडा। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर-168 स्थित एक सोसायटी में रहने वाले सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता सत्येंद्र पुत्र गंगाधर राय सेक्टर-168 स्थित लोटस सोसायटी में रहते थे। उन्होंने बताया कि बीती रात को उन्होंने सेक्टर-168 स्थित अपने सोसायटी के फ्लैट में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि उनके यहां काम करने वाली नौकरानी ने बताया कि वह दो दिनों से खाना नहीं खा रहे थे। वह मंदिरा का लगातार सेवन कर रहे थे। पुलिस को शक है कि किसी निजी कारण से वह मानसिक तनाव में थे।

कार का शीशा तोड़कर नकदी चोरी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। सेंट्रल नोएडा में एक गाड़ी का शीशा तोड़कर कैश चोरी करने का मामला सामने आया है। जहां पर घर के बाहर खड़ी हुई ग्राम प्रधान की गाड़ी को कार सवार बदमाशों ने निशाना बना लिया। बदमाश कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए, तत्काल प्रभाव से इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जब पुलिस ने घेराबंदी करनी शुरू की तो बदमाश कार को कुछ दूरी पर छोड़कर फरार हो गए। दरअसल, यह पूरा मामला सेंट्रल नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र के छपरौला का है। छपरौला गांव के प्रधान प्रदीप कुमार अपने कार्यालय से वापस अपने घर पर आए और उन्होंने अपनी कार को घर के बाहर ही खड़ा कर दिया।उन्होंने बताया कि जब वह कार को बाहर खड़ी करके अंदर चले गए तो उन्होंने सीसीटीवी कैमरे में देखा की एक संदिग्ध कार उनकी कार के आसपास घूम रही थी। जब उन्हें शक हुआ तो वह बाहर निकाल कर आए, तभी कार सवार बदमाशों ने कार का शीशा तोड़ दिया और अंदर रखा हुआ बैग लेकर फरार हो गए। यह देखते ही ग्राम प्रधान ने शोर मचाना शुरू कर दिया और आसपास के लोगों के साथ बदमाशों को पकडने के पकडने के लिए दौड़ पड़े। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई।

डिलीवरी बॉय ने साथियों के साथ पीजी में की मारपीट

नोएडा। आधी रात को डिलीवरी बॉय को पीजी के अंदर प्रवेश पर रोकने से आक्रोशित डिलीवरी बॉय ने अपने 40-50 साथियों के साथ पीजी पर धावा बोलकर वहां पर तोडफ़ोड़ की तथा मौजूद लोगों के साथ मारपीट की। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि विनय शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सदरपुर स्थित वह एक पीजी में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार देर रात को एक डिलीवरी बॉय उनके यहां डिलीवरी देने के लिए आया। उन्होंने देर होने की वजह से पीजी में एंट्री नहीं दी। इस बात से आक्रोशित होकर वह वापस गया तथा अपने 40-50 साथियों के साथ आकर उनके ऊपर हमला बोल दिया। किसी तरह से पीड़ित और उसके साथी वहां से जान बचाकर भागे। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने पीजी में तोड़फोड़ कर लाखों का नुकसान किया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि वहीं इस मामले में सुनीता सिंह ने थाना सेक्टर-39 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-100 में रहती है। पीड़िता के अनुसार उनका बेटा स्वराज प्रताप सिंह छतरपुर कॉलोनी स्थित एक पीजी में पिज्जा डिलीवरी देने गया था। पीड़िता का आरोप है कि वहां पर मौजूद कमल, विनय शर्मा आदि ने उसके बेटे के साथ मारपीट की।

अंतरराज्यीय तीन वाहन चोरों को पकड़ा, 6 बाइक बरामद

● हरियाणा से आकर ग्रेटर नोएडा देते थे वारदात

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में थाना जेवर पुलिस ने यमुना एक्सप्रेसवे के चौरोली अंडरपास से मंगलवार की रात 3 अंतरराज्यीय वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए आरोपी हरियाणा से ग्रेटर नोएडा आकर वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

आरोपी अब तक करीब तीन दर्जन से अधिक दोपहिया वाहन चोरी कर चुके हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को बुधवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए

आरोपियों की पहचान यशवीर, धर्मेन्द्र उर्फ लाला, टिंकू और राकेश के रूप में हुई है। चारों आरोपी भोल्डा थाना बागपुर जिला पलवल हरियाणा के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से चोरी की 6 बाइक बरामद की गई है। इनमें से दो बाइक थाना जेवर क्षेत्र से चोरी की गई थी। इसके अलावा एक बाइक फरीदाबाद और एक दिल्ली से चोरी की गई थी। शेष 2 बरामद चोरी की बाइक अन्य रा'यों से चोरी की गई है। पकड़े गए आरोपी चोरी के वाहनों को मोडीफाइ कर उन्हें हरियाणा में ही देहात इलाकों में सस्ते रेट बेच देते थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आकर जेवर में भी बाइक चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार रात आरोपियों को घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि बदमाशों के अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।पुलिस को पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह लोगों की डिमांड के मुताबिक भी उनको बाइक चुराकर देते थे। वह पिछले काफी महीनों से चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। इस संबंध में जेवर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि पकड़े गए आरोपी अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग के सदस्य हैं।

ढाबे पर खाना खाने के दौरान मलिक व कर्मचारी को चाकू से मारकर किया लहूलुहान, दो गिरफ्तार

● मामले में तीसरा आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित अच्छेजा गांव के पास एक ढाबे पर खाना खाने के दौरान मालिक व कर्मचारी पर चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया । कर्मचारी व मलिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

शोर मचाने पर आसपास के लोगों के आने पर एक हमलावर को पड़कर पुलिस को सौंप दिया । जबकि दो फरार हो गए । घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया घटना की रिपोर्ट कर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है । पुलिस ने बताया कि जीटी रोड पर गांव अच्छेजा के पास राजपाल का ढाबा है । मंगलवार की देर रात में ढाबे पर गाजियाबाद के बमहेटा गांव निवासी अमित कुमार , दुजाना निवासी अमित नागर व संजय नागर पहुंचे। उस समय ढाबे को बंद कर रहे थे। जबरन खाना खिलाने को कहने पर मालिक राजपाल व कर्मचारी खाना खिलाने लगे । तथा सलाद काटने को लेकर ढाबा मालिक राज्यपाल व कर्मचारियों के साथ गाली गलौज करने लगे । जब गाली गलौज का विरोध किया तो चाकू लेकर अमित नागर व अमित कुमार ने ढाबा कर्मचारी अमित के हाथ पर कई जगह मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया । जब मालिक राजपाल ने रोका तो उसके गर्दन व सिर में चाकू से गोंदकर लहूलुहान कर दिया । ढाबा मालिक और कर्मचारी ने शोर मचाया। शोर की आवाज सुनकर आसपास के लोग आ गए और आसपास के लोगों को आता हुआ देख हमलावर भागने लगे । आसपास के लोगों ने हिम्मत कर एक हमलावर बम्हेटा गांव निवासी अमित कुमार को पकड़ लिया तथा दो मौके से फरार हो गए । घटना की सूचना पाकर पुलिस भी पहुंच गई । घटना की तहरीर पुलिस को दी गई । पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लग गई । पुलिस ने बुधवार को हमलावर संजय को गिरफ्तार कर लिया । अमित कुमार व संजय दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हमले में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है । पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश में लगी है ।

जेबीसी मशीन से दीवार ढहाने के मामले में तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अच्छेजा गांव में करीब दो बीघा जमीन के प्लॉट की चार दीवारी और तीन कमरों को जेबीसी मशीन से ढहाने के मामले में तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है ।

पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है। पुलिस ने बताया कि अच्छेजा गांव निवासी जिले सिंह व सुरेंद्र सिंह का करीब दो बीघा जमीन का प्लॉट की चार दीवारी में तीन कमरे बने हैं । तीन दिन पूर्व चार दीवारी व तीन कमरों को गांव के ही इंद्र राहुल रोहित और मोहित ने जेवीसी मशीन से ढहा दिया गया है। उसे पर जबरन कब्जा करने लगे। तीन कमरे और चारदीवारी को ढहाने की वीडियो आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है । इस घटना की रिपोर्ट चार के खिलाफ कोतवाली में नामजद कराई गई है । पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है ।

दूध टैंकर व बाइक की टक्कर, युवक की मौत

● टैंकर चालक के खिलाफ केस दर्ज, आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित धूम मानिकपुर गांव के पास बाइक व दूध टैंकर की टक्कर हो गई । टक्कर होने पर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया । घायल की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई ।

घटना की रिपोर्ट दूध टैंकर चालक के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराई गई है । पुलिस आरोपी चालक की तलाश में लगी है । पुलिस ने बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुरयाई गांव निवासी दिनेश कुमार 40 सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र स्थित कंपनी में नौकरी करता था ।

वह 9 जुलाई की देर शाम को ड्यूटी कर अपने गांव वापस आ रहा था । जब वह जीटी रोड पर धूम मानिकपुर गांव के पास पहुंचा तो दूध के टैंकर से बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर होने पर बाइक सवार दिनेश कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को आसपास के लोगों ने उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया । सूचना पाकर पुलिस व परिजन भी अस्पताल पहुंच गए ।

अस्पताल में हालत खराब होने के चलते गाजियाबाद के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । एक सप्ताह बाद घटना की रिपोर्ट मृतक के भाई राकेश ने टैंकर चालक के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में लगी है ।

गाजियाबाद बार एसोसिएशन चुनाव प्रचार तेज, 19 को होगा मतदान

● अध्यक्ष पद के लिए योगेन्द, दीपक, एसपी सिसोदिया और बीसी बंसल मैदान में

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

19 जुलाई को होने जा रहे गाजियाबाद बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए अध्यक्ष-सचिव सहित सभी पदों के प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार इन दिनों अपने चरम पर हैं।

मतदान की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे ही कचहरी परिसर में चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज होती जा रही हैं। बार चुनाव के लिए मतदान शुक्रवार को होगा। इसमें महज दो दिन ही शेष रह गये हैं। प्रत्याशी अधिवक्ताओं से व्यक्तिगत भेंट करके अपने पक्ष में वोट मांगने में जुटे हैं। बार चुनाव के चलते सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने प्रचार के लिए अपने बैनर-होर्डिंग लगाये हुए हैं। प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार केवल कचहरी परिसर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आरडीसी में सड़क तक प्रत्याशियों के बैनर लगे हुए हैं, जिससे पूरा क्षेत्र चुनावी रंग में रंगा हुआ नजर आ रहा है। अध्यक्ष पद पर योगेन्द्र कौशिक, दीपक शर्मा, एसपी शिशौदिया और बीसी बंसल चुनाव लड़ रहे हैं। इस पद पर मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। सचिव पद पर वरूण त्यागी, हरेन्द्र गौतम, अमित नेहरा मैदान में हैं। वरूण मजबूत बताए जा रहे हैं।

फायरिंग करने वाला मुठभेड़ में हुआ घायल

गाजियाबाद । 12 जुलाई को सर्वोदय अस्पताल के सामने फायरिंग करने वाले अभियुक्त से बीती रात हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से तोपेश उर्फ विनय तोमर निवासी गीतांजलि विहार घायल हो गया। जबकि उसका साथी योगी उर्फ यश शर्मा निवासी बंथला फरार हो गया। घायल बदमाश के पास से 32 बोर की देसी पिस्टल, कारतूस व स्कूटी बरामद हुई।

पूछताछ के दौरान घायल बदमाश तोपेश ने बताया कि 12 जुलाई की रात्रि उसने अपने साथी योगी उर्फ यश शर्मा के साथ मिलकर सर्वोदय नर्सिंग होम पर फायरिंग की थी। यह कहना है एसीपी लोनी सूर्यबलि मौर्य का। श्री मौर्य ने बताया कि एसएचओ लोनी प्रवीण कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ निठोरा अंडरपास के पास चेकिंग कर रहे थे।

चोरी की शिकायत देने वाला ही निकला चोर

● गाड़ी का जीपीएस निकालकर फेंक दिया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की थाना सेक्टर-126 पुलिस ने कार को छिपाकर व कार के जीपीएस. सिस्टम को निकाल फेंकने के बाद कार चोरी की झूठी सूचना देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कार भी बरामद कर ली है।

दरअसल, 15 जुलाई को जितेंद्र नाम के कैब चालक ने पुलिस को सूचना दी की। सेक्टर 108 के पास जब वह अपनी स्विफ्ट गाड़ी को खड़ी करके बाथरूम गया तो अज्ञात चोरों द्वारा कार को चोरी कर लिया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और टीम बनाकर तलाश में जुट गई। थाना सेक्टर-126 पुलिस द्वारा इस घटना के शीघ्र अनावरण के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था, जिसमें गठित टीम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से डाटा एकत्र किया गया एवं बीट पुलिसिंग के माध्यम से लोकल इंटेलिजेंस से जानकारी लेते हुए तथा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस टीम व मैनुअल इंटेलीजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर घटना का खुलासा कर दिया।

इस दौरान पुलिस ने जितेन्द्र को यमुना डूब क्षेत्र सैक्टर 128 नोएडा से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह कार को कहीं और ले जाने की फिराक में था। आरोपी जितेन्द्र की निशानदेही पर मारूति स्विफ्ट कार में लगे जी.पी.एस को भी झाड़ियों से बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा इस मामले में बताया गया पूछताछ में आरोपी जितेंद्र ने बताया कि उसने लालच में आकर थाना पर कार चोरी का झूठा मुकदमा लिखाया था।

उसकी टैक्सी को किसी चोर ने चोरी नहीं किया था बल्कि उसके द्वारा ही टैक्सी के दोनों जीपीएस निकालकर रोड पर जा रही लोडर गाडी में फेंक दिये थे, जबकि गाडी को उसने यमुना डूब क्षेत्र में छिपाकर खडा कर दिया था और कार मालिक को भी झूठी सूचना दी थी और तहरीर देकर थाना पर झूठा मुकदमा दर्ज कराया था।

चोरी के बाद आरोपी गाड़ी को स्वयं चलाकर मुनाफा कमाना चाहता था। इससे पहले आरोपी गाड़ी को कहीं और ले जाता पुलिस द्वारा उसे पकड़ लिया गया । फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए डीएमआरसी की पहल

दो मेट्रो स्टेशनों पर चेक-इन व बैगेज-ड्रॉप सेवा शुरू

- घरेलू यात्रियों के लिए यह सेवा, एयर इंडिया और विस्तार एयरलाइंस के साथ उड़ान भरने वाले यात्रियों को मिलेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के नई दिल्ली और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए चेक-इन सुविधा का विस्तार किया है। एक बयान में बुधववार को यह जानकारी दी गई। डीएमआरसी ने कहा कि पहले केवल घरेलू यात्रियों के लिए उपलब्ध चेक-इन और बैगेज-ड्रॉप सेवा अब एअर इंडिया और विस्तार एयरलाइंस के साथ उड़ान भरने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए भी उपलब्ध है।

डीएमआरसी यात्रियों को और अधिक लाभ पहुंचाने के लिए इस सुविधा को स्थापित करने के संबंध में और ज्यादा से ज्यादा एयरलाइन को आमंत्रित करती है।

डीएमआरसी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाना तथा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रस्थान करने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए यात्रा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अनुसार, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल), एअर इंडिया और विस्तार एयरलाइंस के सहयोग से डीएमआरसी दिल्ली के इन प्रमुख मेट्रो स्टेशन पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आसान चेक-इन की सुविधा को लेकर इस सेवा का विस्तार कर रही है।

चेक-इन काउंटर जून के पहले सप्ताह में चालू हो गए। यात्री इन मेट्रो स्टेशन पर अपना सामान चेक-इन करा सकते हैं और उनके सामान को उन्नत स्वचालित प्रणालियों का उपयोग करके विमान तक सुरक्षित रूप से पहुंचाया जाएगा। यात्री अपनी घरेलू उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से बारह घंटे से लेकर दो घंटे पहले तक चेक-इन करा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए यह सुविधा उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से चार घंटे से लेकर तीन घंटे पहले तक उपलब्ध है। नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर एयरलाइन चेक-इन काउंटर कॉन्कोर्स लेवल पर स्थित हैं। शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर एयरलाइन चेक-इन काउंटर कॉन्कोर्स लेवल पर स्थित हैं। डीएमआरसी की इस सुविधा से यात्रियों के समय की भारी बचत होगी।

'मेट्रो में शराब ले जाने वाले रहें सावधान'

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने कहा है कि दिल्ली मेट्रो में यात्रियों को शराब की दो सीलबंद बोतलें ले जाने की अनुमति दिए जाने के मामले में संबंधित राज्य के आबकारी नियम लागू होंगे। डीएमआरसी ने पिछले साल जून में मेट्रो ट्रेनों में प्रति व्यक्ति शराब की दो सीलबंद बोतलें ले जाने की अनुमति दी थी, जिस पर दिल्ली सरकार ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह आबकारी नियमों के खिलाफ है। मेट्रो ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में चलती हैं, जो दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा में फरीदाबाद, गुरुग्राम और उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) जैसे शहरों को भी जोड़ती हैं। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने से कहा, दिल्ली सरकार ने हमें जो भी अधिकृत किया है, उसकी अनुमति है। उस राज्य के आबकारी नियम लागू होते हैं।

यात्रियों के लिए 1,100 अतिरिक्त ई-ऑटो संचालित करेगा डीएमआरसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) लंबी दूरी तक कनेक्टिविटी को और अधिक बढ़ावा देने के लिए अपने मौजूदा इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के बेड़े में 1,100 से अधिक ई-ऑटो को शामिल करेगा। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा डीएमआरसी को आवंटित 2,299 ई-ऑटो परमिट में से ।,636 सामान्य वर्ग के लिए और 663 महिलाओं के लिए हैं जिनमें से ।,183 ई-ऑटो पंजीकृत किए गए हैं। इन पंजीकृत ई-ऑटो में से 857 सामान्य वर्ग के लिए और 326 महिलाओं के लिए हैं। उन्होंने बताया कि ये ई-ऑटो डीएमआरसी के लगभग 40 स्टेशनों से संचालित होते हैं और इन सभी स्टेशनों पर चार्जिंग प्वॉइंट और पार्किंग की सुविधा है। अधिकारी ने बताया अन्य 1,116 ई-ऑटो में से 779 सामान्य वर्ग के लिए और 337 महिलाओं के लिए होंगे जिनके अगस्त के अंत तक पंजीकृत होने की उम्मीद है।

ये ई-ऑटो परमिट डीएमआरसी ने छतरपुर, द्वारका, रोहिणी और उत्तर-पश्चिम दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर अधिकृत परिचालकों को आवंटित किए हैं।

डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने बताया कि यात्रियों के लिए आखिरी-गंतव्य तक कनेक्टिविटी की सुविधा सुनिश्चित करना दिल्ली मेट्रो का एक प्रमुख मुद्दा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों की अंतिम-गंतव्य तक कनेक्टिविटी की सुविधा को बढ़ावा देने के लिए हाल में एक बस सेवा शुरू की है जो सराहनीय कदम है।

ई-ऑटो सेवा के बारे में कुमार ने कहा कि बसें आकार में बड़ी हैं और ए शायद सभी मेट्रो स्टेशनों के लिए उपयुक्त न हों, जबकि ई-ऑटो आसानी से उपयोग में लाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा हम, हमारी जरूरत के अनुसार ई-ऑटो उपलब्ध कराने और संचालित करने वाली कंपनियों के साथ साझेदारी कर रहे हैं। ये ई-ऑटो आखिरी-गंतव्य तक कनेक्टिविटी की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए हमारे परिपथ पर चलेंगे।

मुहर्रम: हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में ताजिया निकालने के दौरान गमगीन मुस्लिम समुदाय। फोटो: रंजन डिमरी

पेड़ों के काटने पर डीडीए को लगी फटकार

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दिल्ली सरकार ने पर्यावरण की रक्षा के प्रति संवेदनहीनता दिखाई है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दक्षिणी रिज के आरक्षित वन क्षेत्र में सड़क बनाने के लिए 422 पेड़ों को काटने की अनुमति देने की खातिर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को फटकार लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने पर्यावरण की रक्षा के प्रति संवेदनहीनता दिखाई है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि यह एक स्वीकार्य स्थिति है जैसा कि पेड़ अधिकारी द्वारा दिए गए बयान से पता चलता है कि 422 पेड़ों को काटने के लिए अधिकारी ने कोई अनुमति नहीं दी थी।

न्यायालय सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए रिज वन क्षेत्र में 1,100 पेड़ों को कथित रूप से काटने के मामले में डीडीए के उपाध्यक्ष के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए शुरू की गई अवमानना कार्यवाही की सुनवाई कर रहा था। पीठ ने 12 जुलाई को दिए आदेश में कहा, दिल्ली सरकार को 422 पेड़ों को काटने की अनुमति देने का दोष स्वीकार करना चाहिए, हालांकि दिल्ली सरकार को ऐसी अनुमति देने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है।

उसने कहा, इस प्रकार, रिज क्षेत्र के पेड़ों के अलावा, सरकार ने दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 के तहत अनुमति के बिना रिज क्षेत्र के बाहर के पेड़ों को काटने में मदद की। उसने कहा कि डीडीए की तरह ही दिल्ली सरकार ने पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर संवेदनहीनता दिखाई है। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पेड़ अधिकारी और वृक्ष प्राधिकरण को कार्यालय या बुनियादी ढांचा भी उपलब्ध नहीं कराया है।

उसने कहा कि दिल्ली सरकार को अदालत के सामने आकर बताना चाहिए कि वह अपने अवैध कृत्यों के कारण पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई कैसे करेगी।उसने कहा कि दिल्ली सरकार के हलफनामे से पता चलता है कि यह एकमात्र मामला नहीं है, जहां दिल्ली सरकार के वन विभाग ने पेड़ों की कटाई की अनुमति दी है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार को उन अधिकारियों के खिलाफ कार्वाई रिपोर्ट भी पेश करनी चाहिए, जिन पर पेड़ों की कटाई की अनुमति देने का आरोप है।

औद्योगिक एरिया का होगा कायाकल्प

- विकास पर आने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा देने पर दिल्ली सरकार कर रही विचार
- उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने 27 फैक्ट्री मालिकों से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प होगा। दिल्ली सरकार इसके विकास और रखरखाव की तैयारी कर रही है।

उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उनकी सरकार 27 अनियोजित अद्योगिक क्षेत्रों के विकास और रखरखाव को लेकर बेहद गंभीर है, और पिछले लंबे समय से व्यापारिक संगठनों के साथ मिलकर इन क्षेत्रों के विकास के लिए काम कर रही है। इन क्षेत्र के कायाकल्प को लेकर एक स्कीम लेकर आई है। इस स्कीम के तहत औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए जो भी लेआउट प्लान में खर्च होगा, उस खर्च का 90 फीसदी हिस्सा दिल्ली सरकार खर्च कर रही है और 10 फीसदी हिस्सा फैक्ट्री मालिक वहन कर रहे हैं , ताकि विकास कार्य में सरकार के साथ साथ औद्योगिक क्षेत्र के व्यापारिक संगठनों की भी जिम्मेदारी तय हो सके। उद्योग मंत्री

अधिकारियों संग बैठक में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज।

सौरभ भारद्वाज बुधवार को दिल्ली के 27 अलग अलग औद्योगिक क्षेत्रों के फैक्ट्री मालिकों की एसोसिएशन के साथ मुलाकात की।

व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बैठक के दौरान उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज से कहा, कि दिल्ली 29 अनधिकृत औद्योगिक क्षेत्र हैं जबकि 27 अनियोजित औद्योगिक क्षेत्र हैं, बृजेश गोयल ने मीटिंग के दौरान उद्योग मंत्री भारद्वाज से सभी व्यापारिक संगठनों की ओर से अनुरोध करते हुए कहा, कि 27 अनियोजित औद्योगिक क्षेत्र हैं।

यहां के सभी फैक्ट्री मालिकों की सरकार से अनुरोध है कि एमसीडी में जो नक्शे पास कराए जाएंगे, उसकी फीस काफी ज्यादा है, तो सभी व्यापरियों का अनुरोध है, कि एमसीडी नक्शे पास कराने का खर्च भी स्कीम के अनुसार ही होना चाहिए।

व्यापारियों की इस मांग पर मंत्री ने सहमति जताई और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की योजना के अनुसार ही नक्शे पास करने की फीस को लेकर पालिसी पर विचार हो । मैन्युफैक्चरिंग फेडरेशन के अध्यक्ष विजय विरमानी ने स्कीम का स्वागत करते हुए कहा, कि पिछले 30 सालों में पहली बार किसी सरकार ने व्यापरियों की सुध ली है। उन्होंने कहा कि डाबड़ी, ख्याला, हस्तसाल, नंगली सकरावती, नवादा, पीरागढ़ी, रिठाला, मंडोली, हैदरपुर, करावल नगर, शालामार गांव, समयपुर बादली, लिबासपुर, टीकरी कलां आदि औद्योगिक क्षेत्रों में छोटी छोटी फैक्ट्रियां हैं और इन क्षेत्रों में मध्यम वर्गीय व्यापारी अपना व्यापार चलाते हैं। इन औद्योगिक क्षेत्र में लाखों की संख्या में लोग काम करते हैं।

इन छोटे-छोटे औद्योगिक क्षेत्र से लाखों लोगों का परिवार चलता है और इन लाखों लोगों की जिंदगी को सरल और सुगम बनाने की दिशा में सरकार कि यह पहल सराहनीय है। इन औद्योगिक क्षेत्र के कायाकल्प होने से न केवल व्यापारी वर्ग को ही लाभ होगा, बल्कि इन क्षेत्रों में उद्योगों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

डूसू की समिति ने उपाध्यक्ष को पद से हटाने का किया प्रस्ताव पारित

तोड़फोड़ मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की कार्यकारी समिति ने दूसरे पदाधिकारियों के कार्यालयों में तोड़फोड़ के आरोप में उपाध्यक्ष अभि दहिया को पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है।

डूसू ने एक बयान में कहा कि प्रस्ताव अंतिम निर्णय के लिए केंद्रीय परिषद के साथ-साथ विभिन्न छात्र संघों के अध्यक्षों के समक्ष रखा जाएगा। दहिया की ओर से इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।मंगलवार को हुई 11 निर्वाचित सदस्यों की बैठक में रविवार को छात्र संघ कार्यालय में तोड़फोड़ में शामिल होने के आरोप में दहिया को सर्वसम्मति से पद से हटाने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े डूसू के उपाध्यक्ष तुषार डेढ़ा ने प्रस्ताव पेश किया था। एबीवीपी ने रविवार को आरोप लगाया था कि दहिया समेत कांग्रेस से जुड़े नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया के सदस्यों ने नॉर्थ कैंपस में डूसू कार्यालय में तोड़फोड़ की थी।

एनएसयूआई ने आरोपों से इनकार किया और एबीवीपी पर दहिया के कार्यालय में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सोमवार को आरोपों की जांच के लिए प्रॉक्टर रजनी अब्बी की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय समिति गठित की। समिति को सात दिन में रिपोर्ट देने के लिए कहा गया।

आभूषण विक्रेता को लूटने वाला धरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना में साथियों के साथ मिलकर एक आभूषण विक्रेता से चार किलोग्राम सोना लूटने और लूट के दौरान दो लोगों को गोली मारने के लिए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने कहा कि 30 मार्च 2022 को अदालत में आत्मसमर्पण नहीं करने के बाद सुमित डागर नामक आरोपी को भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया था। डागर और उसके चार साथियों ने पुरानी रंजिश के चलते एक मार्च 2019 को दिल्ली में इमरान नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमित गोयल ने कहा, इमरान की हत्या के बाद उसे गिरफ्तार किया गया और फिर पैरोल दे दी गई। पैरोल मिलने के बाद वह तेलंगाना गया जहां वह अपने रिश्तेदारों के साथ रहता था और लूटमार के एक मामले में शामिल हो गया। डीसीपी ने कहा, एक दिसंबर 2023 को आरोपी डागर ने अपने साथियों के साथ तेलंगाना में बंदूक दिखाकर आभूषण की एक दुकान से चार किलोग्राम सोना और नकदी लूट ली। उन्होंने कहा कि डागर ने दुकान के कर्मचारियों पर गोली चलाई, जिसमें दो अन्य जौहरी भी घायल हो गए।

निजी कंपनियां संचालित करेंगी लग्जरी बसें

- दिल्ली सरकार की महत्वकांक्षी योजना को अगस्त से लागू करने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार एक महत्वाकांक्षी योजना को लागू करने की तैयारी कर रही है जिसके तहत अगस्त से दिल्लीवासी निजी कंपनियों द्वारा संचालित वातानुकूलित बसों में सीटें बुक करा सकेंगे।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लग्जरी बस सेवा दिल्ली मोटर वाहन लाइसेंसिंग एग्रीगेटर (प्रीमियम बसें) योजना के तहत शुरू की जाएगी, जिसे दिल्ली सरकार ने पिछले साल अधिसूचित किया था।

इस योजना का उद्देश्य शहर के अंदर निजी वाहनों के उपयोग को कम करना तथा प्रदूषण पर अंकुश लगाना है। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस योजना के तहत दो व्यवस्थापकों (एग्रीगेटर) उबर और एवेग को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बसें चलाने के लिए लाइसेंस दिए गए हैं और वे उन मार्गों को अंतिम रूप दे रहे हैं जिन पर सेवाएं शुरू की जाएंगी। अधिकारी ने कहा, ये दोनों एग्रीगेटर इस काम में जुट गए हैं और उनके साथ औपचारिकताओं पर बातचीत अंतिम चरण में है। हमारा लक्ष्य इस महीने के अंत तक या अगस्त के पहले सप्ताह तक बसों को हरी झंडी दिखाना है।

योजना के अनुसार, प्रीमियम बस कोई भी पूर्ण वातानुकूलित लक्जरी बस होगी, जिसमें कम से कम नौ यात्रियों के बैठने की क्षमता हो, पहले से आरक्षित सीटें हों, तथा जो वाईफाई, जीपीएस और सीसीटीवी से सुसज्जित हो।

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक के थैले बनाने वाली इकाई में लगी आग

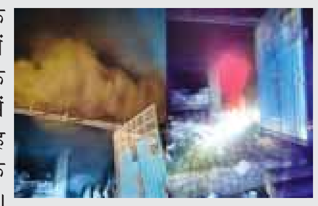

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक इलाके में मंगलवार को देर रात प्लास्टिक के थैले बनाने वाली एक इकाई में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि रात एक बजकर 42 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद दमकल की 16 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

जीटीबी में गोलीबारी के मामले में तीसरा आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जीटीबी अस्पताल में हुई गोलीबारी के मामले में बुधवार को एक और आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के एक वार्ड में किसी व्यक्ति को मारने आए नाबालिग ने 32 वर्षीय रियाजुद्दीन को गोली मार दी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के लोनी के निवासी फैज (20) और दिल्ली के चौहान बांगर के रहने वाले फरहान को गिरफ्तार किया था। हालांकि पुलिस ने कहा कि उन्होंने रविवार की शाम गोली नहीं चलाई थी बल्कि मुख्य आरोपी की मदद की थी।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा, हमने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

मादक पदार्थ के साथ नाइजीरियाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके से पुलिस ने मादक पदार्थ एम्फेटामाइन के साथ नाइजीरिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाइजीरिया के रहने वाले आर्थर इफियानी मदुग्वाना (40) के पास से बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि आर्थर इफियानी मदुग्वाना नामक व्यक्ति मादक पदार्थ (एम्फेटामाइन) के साथ द्वारका क्षेत्र में आएगा, जिसके बाद एक टीम गठित की गई और आरोपी को डाबरी क्षेत्र के पास पकड़ लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मदुग्वाना 2015 से दिल्ली में रह रहा है और इससे पहले वह मुंबई में एनडीपीएस (स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम) के मामले में संलिप्त था और वह गिरफ्तार भी हुआ था। पुलिस उपायुक्त ने कहा, आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यह मादक पदार्थ पालम फ्लाईओवर के पास एक अफ्रीकी नागरिक से खरीदा था, और वह इसे द्वारका के पास डाबरी इलाके में नाइजीरिया के एक अन्य नागरिक को देने जा रहा था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने पर दिल्ली ट्रस्ट अडिग

- कहा-इस कार्य के लिए कानूनी लड़ाई के लिए तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र रौतेला ने बुधवार को जोर दिया कि वह यहां केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने से पीछे नहीं हटेंगे और जरूरत पड़ी तो कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हैं।

उत्तराखंड में तीर्थस्थलों और मंदिरों की देखरेख करने वाली शीर्ष संस्था बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी)ने राजधानी के बुराड़ी में मूल केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने की योजना के लिए दिल्ली ट्रस्ट के खिलाफ कानूनी

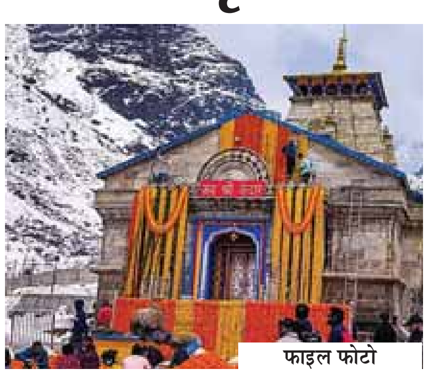

फाइल फोटो

कार्रवाई की धमकी दी है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे चार धामों में से एक की प्रतिकृति बनाने की योजना पर उत्तराखंड के पुजारियों ने भी आपत्ति जताई है। रौतेला ने कहा कि उन्होंने भ्रम से बचने के लिए अपने ट्रस्ट के नाम से धाम शब्द हटाने का फैसला किया है, लेकिन वह यहां भक्तों के लिए मंदिर बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। रौतेला ने कहा, हम केदारनाथ के मॉडल पर मंदिर बनाने वाले पहले लोग नहीं हैं। इंदौर और मुंबई में भी ऐसा मंदिर बनाया गया है। अगर वे (बीकेटीसी) कानूनी कार्रवाई करना चाहते हैं तो उन्हें सबके खिलाफ ऐसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने कुछ भी गलत नहीं किया है, हम हिंदुओं और सनातन धर्म के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। हम कानूनी चुनौती के बावजूद मंदिर का निर्माण जारी रखेंगे।

रौतेला ने बताया कि दिल्ली में केदारनाथ मंदिर उनके ट्रस्ट द्वारा एकत्र दान से बनाया जाएगा और अगले दो से तीन साल में यह बनकर तैयार हो जाएगा। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कथित तौर पर ऑनलाइन एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर भक्तों को दिल्ली में केदारनाथ धाम के ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था करने का वादा किया गया है।

उन्होंने कहा, हमने कानूनी सलाह ली है और दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण को रोकने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट से हमारी आपत्ति यह है कि वे मंदिर निर्माण के लिए लोगों से चंदा एकत्र करने के लिए हमारे नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां मंदिर के भूमिपूजन समारोह में भाग लिया था।

कपिल देव ने की टीजीसीएल के दूसरे संस्करण की घोषणा

- बैंगलोर करेगा लीग की मेजबानी, 8 टीमों में एक टीम श्रीलंका की भी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियंस लीग (टीजीसीएल) के दूसरे संस्करण के साथ एक बार फिर तैयार है।

दूसरे संस्करण की घोषणा महान क्रिकेटर कपिल देव ने करते हुए कहा कि सितंबर माह में होने वाले इस लीग में खिलाड़ियों की प्रतिभा और रणनीतिक टीमवर्क का मिश्रण देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में वेव सिटी इस प्रतियोगिता में सहभागिता के साथ उसकी टीम वेव राइडर्स पहली बार भाग ले रही है। कपिल देव ने कहा कि हम पेशेवरों, एमेच्योर और सेलिब्रिटी गोल्फरों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया हैं।

वेव ग्रुप के प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने कहा, हम टीजीसीएल 2024 का हिस्सा बनने पर बेहद खुश हैं। टीजीसीएल के जरिए पेशेवर खेलों में हमारी इंट्री हो रही है और यह पहल वेव सिटी की अचल प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

डॉग पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी न करने पर सीएमओ पर लगा जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने लगाया पांच हजार रुपये का आर्थिक दंड

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने नगर निगम में कार्यरत मुख्य चिकित्सा अधिकारी पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने यह जुर्माना आवेदक को अधिसूचित सेवा निर्धारित समय सीमा में न देने व आवेदन को गलत तरीके से खारिज करने के कारण लगाया है।

जानकारी के अनुसार आवेदक देवेन्द्र सिंह भाटी ने 10 अप्रैल 2024 को डॉग के पंजीकरण का प्रमाण पत्र जारी करने से सम्बंधित शहरी स्थानीय विभाग की सेवा का लाभ लेने के लिए अंत्योदय सरल पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया था। इसके बाद 12 अप्रैल 2024 को उनका आवेदन खारिज कर दिया गया। जब उन्होंने निगम अधिकारियों से संपर्क किया तो उन्हें गुरुग्राम का स्थानीय पता प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। जिसके लिए उन्होंने एक किराया समझौता प्रस्तुत किया। उसके बाद उन्हें बताया गया कि उनका आवेदन पूरा हो गया है और प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा। उन्हें ईमेल के माध्यम से आवेदन अस्वीकार करने की सूचना प्राप्त हुई, जिसके कारण उन्हें आयोग के समक्ष अपील दायर करनी पड़ी।

आयोग नगर निगम की इस प्रतिक्रिया से संतुष्ट नहीं था, इसलिए आगे की जांच के लिए आयोग के मुख्य आयुक्त टी.सी. गुप्ता के समक्ष सुनवाई निर्धारित की गई। आयोग ने पाया कि दोनों दस्तावेज आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए गए थे। फिर भी डीओ द्वारा आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया।

आवेदन प्राप्त होने के दो दिनों के भीतर इसे सीधे खारिज करने के बजाय डीओ द्वारा आवेदन वापस कर देना चाहिए था। इसके अलावा एफजीआरए ने पहली अपील पर विचार नहीं किया। एसजीआरए द्वारा की गई कार्रवाई भी अविश्वसनीय थी। क्योंकि उन्होंने यह सत्यापित किए बिना दूसरी अपील को भी खारिज कर दिया कि प्रमाण पत्र जारी किया गया था या नहीं।

आयोग ने इस मामले में नगर निगम गुरुग्राम में कार्यरत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष सिंगला को अधिसूचित अवधि के भीतर सेवा प्रदान न करने का दोषी पाते हुए आयोग ने 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

आयोग ने आयुक्त नगर निगम को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि नगर निगम में कार्यरत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष सिंगला के जुलाई, 2024 के वेतन से 5 हजार रुपये की राशि काट कर राज्य खजाने में जमा करवाकर रसीद सहित आयोग को सूचित किया जाए।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी, 3 गिरफ्तार

पुलिस द्वारा साइबर ठगी की वारदात में काबू किए गए आरोपी।

- आरोपियों के खिलाफ विभिन्न जिलों में दर्ज है 8 मामले

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

थाना साइबर अपराध पश्चिम की टीम ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर एक व्यक्ति से करीब सवा लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ठगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू की। पुलिस ने तीन साइबर ठगों को काबू किया है।

पुलिस के अनुसार 24 अप्रैल को एक व्यक्ति ने थाना साइबर अपराध पश्चिम में शिकायत देकर कहा कि क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उससे 1 लाख 23 हजार रुपये की ठगी कर ली गई है। इस शिकायत पर केस दर्ज किया गया। साइबर अपराध सहायक पुलिस आयुक्त प्रियांशु दीवान के दिशा-निर्देशों में थाना साइबर अपराध पश्चिम प्रबंधक निरीक्षक नवीन ने तकनीक की सहायता से ठगी करने वाले 3 आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों की पहचान भारद्वाज व आस मोहम्मद उर्फ आशु निवासी सेक्टर-91 फरीदाबाद तथा लखन निवासी संगम विहार दिल्ली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि वे लोगों के पास कॉल करके उनसे क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने व उस पर लोन देने के नाम पर उनकी क्रेडिट कार्ड की डिटेल लेते थे। इसके बाद ठगी करके पैसे बैंक खातों में ट्रांसफर कर लेते थे। आरोपियों के अपराधिक रिकॉर्ड से पता चला है कि उनके खिलाफ कई जिलों में 8 केस दर्ज हैं।

विदेश में नौकरी दिलाने का देता था झांसा, पुलिस ने धरा

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

- आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन व लैपटॉप बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के एक आरोपी को गुरुग्राम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है, ताकि ऐसी और भी वारदातों का खुलासा हो सके।

पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उपरोक्त आरोपी नोबाफी कंपनी में नौकरी करता है। आरोपी एक वेबसाइट के माध्यम से नौकरी करने के इच्छुक लोगों का डाटा लेकर उनसे संपर्क करके उनको विदेश में नौकरी दिलाने के लिए इंटरव्यू लेकर उनको शॉर्ट लिस्ट करके अपने अन्य साथियों को भेजता था। वह उन लोगों से जरूरी कागजात बनवाने के नाम पर पैसे लेकर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जा से 1 मोबाईल फोन व 1 लैपटॉप बरामद किया गया है। आरोपी की पहचान जतिन जोशी निवासी जिला छिंदवाड़ा (मध्य-प्रदेश) हाल निवासी आरडी सिटी सेक्टर-52 गुरुग्राम के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के खिलाफ आगामी कार्यवाही करते हुए थाना साइबर अपराध पूर्व गुरुग्राम में केस दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान के निर्देश पर थाना साइबर अपराध पूर्व संवित कुमार की टीम ने इस अपराधी को पकड़ने में सफलता मिली।

'कांवड़ मार्ग साफ व गड्ढा मुक्त कराएं अधिकारी'

- कांवड़ यात्रा को लेकर उपायुक्त ने की बैठक
- सुगम व सुरक्षित आवागमन के लिए दिए दिशा-निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहाकि कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु करने के लिए, राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-2 दिल्ली मथुरा रोड और बाईपास रोड पर उचित व्यवस्था करें। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सुविधा के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि जिले में 22 जुलाई से 02 अगस्त तक होने वाली कांवड़ यात्रा के सकुशल संपन्न होने के लिए कांवड़ शिविर में उचित लाइट का प्रबंध, साफ-सफाई, शिवरों को सेनेटाइज्ड तथा सीसीटीवी का भी प्रबंध हो। रोड पर खम्भों पर रिफ्लेक्टर लगाए जाए। कांवड़ियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए चिन्हित स्थानों पर एम्बुलेंस की भी व्यवस्था हो। चिन्हित जगहों पर जहां सड़क में जलभराव होते हो वहां जलभराव को रोकने के उचित प्रबंध किये जाए। उपायुक्त ने कहा कि आगरा कैनाल और बाईपास रोड से कांवड़ियों का आवागमन ज्यादा होता है, इसलिए संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में उस सड़क की मरम्मत कराना सुनिश्चित करें, जिससे कांवड़ियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। कांवड़ियों के निकलने वाले रास्ते पर कोई डंपिंग यार्ड होतो उसकी साफ सफाई कराई जाए। रास्ते में जहां भी बिजली की तारे नीचे लटक रही हो उनकी ठीक व्यवस्था करें। जिन रास्तों पर बिजली की तारे ज्यादा नीचे हो उन रूटों को बंद किया जाए। कांवड़ियों के निर्धारित रास्ते में कोई मीट की दुकान होतो उसको तुरंत बंद करवाया जाए।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहाकि कांवड़ियों के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पर असर पड़ता है।

28वें महावीर अवार्ड के लिए 30 तक करें आवेदन

गुरुग्राम। भगवान महावीर फाउंडेशन द्वारा 28वें महावीर अवार्ड के लिए चार क्षेत्रों अहिंसा और शाकाहार, शिक्षा, दवा व समुदाय और सामाजिक सेवा में आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके लिए अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गई है। फाउंडेशन द्वारा चार क्षेत्रों अहिंसा और शाकाहार, शिक्षा, दवा व समुदाय और सामाजिक सेवा में पुरस्कार महावीर दिए जाने हैं। जिनमें प्रत्येक क्षेत्र में विजेता को 10 लाख रुपए, एक प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि इस अवार्ड के लिए, गरीब तबके व समाज के लिए सेवाएं देने वाले संस्थान और लोग आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत अहिंसा और शाकाहार, शिक्षा, दवा व समुदाय और सामाजिक सेवा के अवार्ड दिए जाएंगे। इन पुरस्कारों के लिए विजेताओं का चयन भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एमएन वेंकटा चालिहा की अध्यक्षता में न्यायपीठ द्वारा किया जाता है।

+92 कोड लगे नंबर से कॉल या मैसेज आए तो न दें जवाब

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

- साइबर ठग विभागों के अधिकारी या इन्वेस्टमेंट कंपनियों के कर्मचारी बनकर देते हैं वारदातों को अंजाम

साइबर अपराधी लोगों से ठगी करने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। साइबर ठग लोगों के पास किसी विभाग का अधिकारी बनकर या कंपनी का कर्मचारी बताकर कॉल करके धोखाधड़ी से साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अगर आपके पास +92 कोड लगे विदेशी नंबर से कॉल या मैसेज आए तो कोई जवाब न दें।

साइबर ठग लोगों के पास कॉल करके यह दावा करते हैं कि उनको कम इन्वेस्टमेंट करके अधिक मुनाफा या उनके परिवार का कोई सदस्य अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। उसको गिरफ्तारी से बचाने के लिए पैसों की मांग करते हैं। लोग भी डरकर या लालच में आकर बिना पुष्टि किए ही साइबर ठगों की बातों में आ जाते हैं। उनको रुपये ट्रांसफर करके साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

गुरुग्राम पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी तरह के व किसी भी माध्यम से किसी भी विभाग के अधिकारी के नाम पर गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल होने की बात कहकर गिरफ्तारी का डर दिखाकर या अन्य किसी प्रकार का भय दिखाकर पैसों की मांग करने तो इसकी शिकायत अपने नजदीकी थाना में करें। साइबर ठग अलग-अलग विभाग के अधिकारी बनकर लोगों से अलग-अलग माध्यमों से सम्पर्क करते है और उन्हें डर दिखाकर या गिफ्ट पार्सल, लॉटरी लगने इत्यादि का झांसा देकर रूपए की मांग करने वाली कॉल साईबर ठगों द्वारा की जा रही है। इस तरह की कॉल आने पर घबराएं नहीं तथा अपने नजदीकी पुलिस थाना में संपर्क करें और साईबर ठगों को किसी भी प्रकार के रुपए ना भेजें।

जागरूक रहे, सावधान रहें। किसी भी तरह से साइबर ठगी होने बिना किसी देरी के तुरंत साईबर अपराध के हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें, ताकि साइबर ठगी को निरस्त किया जा सके।

खनन माफिया पर नकेल कसने के लिए समय-समय पर हो जांचः आनंद

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ संबंधित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारीगण सख्ती से पेश आएं और इस कार्य की नियमित तौर टीमें निगरानी के लिए गस्त करें। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने आज लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में अवैध खनन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की।

अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अपने जिलों में खनन गतिविधियों को लेकर पूर्णतः सतर्कता बरते। जहां भी अवैध खनन करने वालों की शिकायतों और सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही अमल में लाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अवैध रूप से ओवरलोडिंग को लेकर भी सख्ती से पेश आकर चालान करना सुनिश्चित करें।

नवनियुक्त एसीपी सुखबीर सिंह का स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एसीपी सुखबीर सिंह का स्वागत करते हिंदू वाहिनी संगठन के सदस्य।

धार्मिक व सामाजिक संगठन हिन्दू वाहिनी ने संगठन के राष्ट्रीय महासचिव मास्टर सुरेन्द्र चौहान के नेतृत्व में पटौदी में नवनियुक्त एसीपी सुखबीर सिंह का स्वागत किया।

मास्टर सुरेन्द्र चौहान ने कहा कि देश व समाज मे अच्छा कार्य करने वाले समाजसेवी व सरकारी कर्मचारी व अधिकारी को संस्था समय-समय पर सम्मानित भी करती है। इस अवसर पर एसीपी सुखबीर सिंह ने कहा कि पुलिस आमजन की सुरक्षा व हित के लिए है। सामाजिक संगठनों का समाज मे अच्छा माहौल बनाने में अहम भूमिका होती है। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र मे शांति का माहौल बनाना है। अपराध पर अंकुश लगाना है। इस मौके पर उनके साथ हिन्दू वाहिनी के योगिन्द्र चौहान, जायभगवान स्वामी व पंडित अक्षय शर्मा आदि पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

उमेश मलिक भाजपा युवा मोर्चा में शामिल

गुरुग्राम। युवा कार्यकर्ता के रूप में भाजपा में काम करने वाले उमेश मलिक को भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी में आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इसके लिए उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उस पर वे खरे उतरेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोहलाल बडौली, प्रदेश भाजपा एससी मोर्चा अध्यक्ष एवं पटौदी से भाजपा विधायक सत्य प्रकाश जरावता व रेवाड़ी जिला भाजपा के अध्यक्ष प्रीतम चौहान युवा मोर्चा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष संदीप यादव, जिला उपाध्यक्ष अजय कांटीवाल, सचिव एडवोकेट कमल निमल तथा प्रदेश भाजपा का आभार जताया है। उमेश ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए कार्य किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला कारागार में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

डीएलएसए ने जिला जेल में लगाई लोक अदालत

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने न्यायाधीश पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय और कार्यकारी अध्यक्ष हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अरुण पल्ली की अध्यक्षता व चेयरमैन डीएलएसए तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष महला के दिशा-निर्देशों में जिला जेल भोंडसी में बुधवार को जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण रमेश चंद्र ने बताया कि जेल लोक अदालत महीने में दो बार लगाई जाती है, जिसमें पैट्टी अपराध संबंधित मामले लिए जाते हैं। जेल में बुधवार को आयोजित हुई जेल लोक अदालत में ऐसे 28 मामले लिए गए, जिनमें से 15 का निबटारा किया गया। साथ ही 16 हवालातियों को रिहा किया गया।

सराय ख्वाजा विद्यालय ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

फरीदाबाद। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद के जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड सदस्य विद्यार्थियों ने ब्लॉक लेवल लीगल लिटरेसी कंपटीशन में प्रशंसनीय प्रदर्शन रहा। उल्लेखनीय है कि डिबेट, पावर प्लांट प्रेजेंटेशन, डॉक्यूमेंट्री फिल्म, क्विज, पोस्टर मेकिंग, स्किट, भाषण, कविता गायन, पेटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। गत वर्ष भी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के पूर्व विद्यालय के विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में प्रशंसनीय और उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने दस में से आठ इवेंट्स में प्रथम और दो इवेंट्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। प्राचार्य और अध्यापकों ने छात्रा मोनिका, शिवांगी, प्रीति, छात्र बजरंगी, प्रेम, अभय, रजनीश, मंदिप मिश्र, श्याम बाबू, प्रियांशु, एकता, डिंपल और राम बहादुर सहित सभी को सम्मानित किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने प्राध्यापिका सुशीला बेनीवाल, बबीता, गीता, पायल, नम्रता अरोड़ा सहित प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा सभी का सहयोग देने और विद्यालय के लिए सम्मान प्राप्त करने के लिए स्वागत किया।

सीकरी में हाईवे टीम ने दो दुकानों को तोड़ा

फरीदाबाद। हाईवे पर गांव सीकरी में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निर्देश पर अवैध रूप से बनी दुकानों को तोड़ गिराया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस और ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अवैध दुकानों को तोड़ने के लिए दस्ता सुबह होते ही सीकरी गॉव पहुंच गया। जहां हाईवे की घटना प्रबंधक राजकुमार के नेतृत्व में टीम ने जेसीबी की मदद से दुकानों को तोड़ गिराया।

धनवापुर में लगाए 1000 से अधिक पौधे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्वच्छ व हरित गुरुग्राम अभियान के तहत धनवापुर में पौधे लगाते लोग।

स्वच्छ व हरित गुरुग्राम अभियान के तहत नगर निगम द्वारा हरियाली बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग-अलग स्थानों पर पौधे लगाए जा रहे हैं। अभियान के तहत इस मानसून 5.5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। बुधवार को धनवापुर गांव में पौधारोपण किया गया।

नगर निगम की बागवानी शाखा द्वारा जोन-1 क्षेत्र के गांव धनवापुर व आसपास के क्षेत्र में निवर्तमान निगम पार्षद, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों की भागीदारी के साथ 1000 से अधिक पौधे लगाए गए। अभियान के तहत अब तक निगम क्षेत्र में लगभग 35 हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इस मौके पर निगम के सहायक अभियंता यतेन्द्र कुमार, कनिष्ठ अभियंता सुनील कुमार, निवर्तमान निगम पार्षद नवीन दहिया, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि बालकिशन, सुखबीर, कृष्ण, बबली, विक्रांत, प्रीति, नरेश, आजाद, युजवेन्द्र, उद्यम सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

तीसरी बार जीत पक्की करने के लिए जुट जाएं कार्यकर्ताः नागर

- विधायक ने जिला किसान मोर्चा कार्यकर्ताओं को किया संबोधित
- बोले, मोर्चा का जनता से सीधा संबंध जीत में निभाता है प्रमुख भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा विधायक राजेश नागर ने बुधवार को अपने तिगांव कार्यालय पर आयोजित जिला किसान मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह एक पल भी न रुकें और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को तीसरी बार सत्ता में लाने के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं का सीधे सीधे जनता से संबंध है जो पार्टी की नीतियों को उन तक पहुंचाने में मदद करता है। भाजपा में किसान मोर्चा को प्रमुख स्थान दिया गया है। यही कारण है कि भाजपा के प्रमुख पांच मोर्चों के अंदर इसको भी स्थान प्राप्त है। भाजपा नेतृत्व किसानों को बहुत ऊंचा स्थान देता है। हमारा मानना है कि किसान देश का अन्नदाता है। यही कारण है कि विपक्ष ने कितना भी झूठ फैलाया, लेकिन किसान ने भाजपा को अपना समर्थन जारी रखा और नरेन्द्र मोदी को देश का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया है।

विधायक राजेश नागर ने सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि वह अपनी कमर को कस कर रखें और किसी भी प्रकार से लोकसभा की जीत में आगामी विधानसभा की चुनौती को न भूलें। हमें हरियाणा में भी तीसरी बार लगातार भाजपा की सरकार बनाकर इतिहास बनाना है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज वोहरा, किसान मोर्चा अध्यक्ष जैजू ठाकुर, तिगांव सरपंच विक्रम प्रताप नागर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुखबीर मलेरना, महासचिव सुरेन्द्र जांगड़ा, प्रभारी ललित नागर, सचिव कृष्णपाल अधाना, तिगांव मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र वर्मा, दयानन्द नागर, राजेन्द्र नागर, विजय नागर, हरीचंद नागर, वीरू अधाना, विनोद अधाना, सतपाल नागर, नितिन नागर आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सीवर लाइन की सफाई कार्य का मंत्री के भाई ने लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ में मोहना रोड और मलेरना रोड के नाले और सीवर लाइन की सफाई के कार्य का केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिपरचंद शर्मा ने निरीक्षण किया।

इस मौके पर एफएमडीए और निगम अधिकारी मौजूद थे। शर्मा ने बताया कि अधिकारियों द्वारा मोहना रोड, तिगांव रोड के साथ साथ मलेरना रोड के नाले और सीवर लाइन की सफाई का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से बात करते हुए कहा कि यह कार्य तेजी के साथ किया जाए ताकि लोगों को कोई परेशानी ना उठानी पड़े। भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा ने कहा कि पूरी रात विभाग द्वारा सफाई के कार्य जारी रखे जाएंगे।

फल-सब्जी पर एचआरडीएफ समाप्तः नायब सैनी

पंचकूला में एशिया की सबसे बड़ी सेब मंडी का पहला फेज शुरू, सौ मंडियों में खोली जाएंगी कैंटीन

● मुख्यमंत्री ने मार्केट फीस एक प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने की घोषणा की

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को जिला पंचकूला के पिंजौर में एशिया की सबसे बड़ी आधुनिक सेब, फल एवं सब्जी मंडी पिंजौर के प्रथम चरण का उद्घाटन किया और किसानों व व्यापारियों के कल्याण के लिए अनेक सौगात दीं।

मुख्यमंत्री ने आधुनिक सेब, फल एवं सब्जी मंडी, पिंजौर में व्यापार को बढ़ाने के लिए इस मंडी में मार्केट फीस एक प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना, 2013 के तहत प्रार्थी की आयु को वर्तमान 10 से 65 वर्ष से बढ़ाकर अब 10 से 75 वर्ष तक करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस योजना में किसान एवं खेतीहर मजदूर पर आसमानी बिजली गिरने से हुई दुर्घटना पर कोई राशि नहीं दी जाती थी। अब सरकार द्वारा आसमानी बिजली गिरने से होने वाली दुर्घटना को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल किसान मजदूर कैंटीन योजना के अंतर्गत प्रदेश के किसानों व मजदूरों को 10 रुपये प्रति थाली की रियायती दर से वर्षभर भोजन उपलब्ध करवाने के लिए 100 मंडियों में कैंटीन खोलने का निर्णय लिया गया है। अब तक 48 मंडियों में कैंटीन शुरू की जा चुकी है। उन्होंने घोषणा की कि अन्य मंडियों में भी अटल किसान मजदूर कैंटीन जल्द खोली जाएगी। उन्होंने विवादों के समाधान नीति के संबंध में घोषणा करते हुए कहा कि मंडी प्रांगण में सभी प्लॉट धारकों से चक्रवृद्धि ब्याज की वसूली नहीं की जायेगी और सभी बकाया राशि की गणना केवल साधारण ब्याज से ही की जायेगी। इसके अतिरिक्त यह भी घोषणा की कि यदि किस्त का भुगतान देय तिथि के बाद 20 दिनों के अन्दर किया जाता है तो कोई दंडात्मक ब्याज नहीं लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने सभी फल एवं सब्जी पर एचआरडीएफ समाप्त करने और विवादों का समाधान योजना को 30 सितंबर 2024 तक बढ़ाने की घोषणा भी की। इससे पूर्व उन्होंने हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड पंचकूला द्वारा जिला करनाल के गांव सग्गा में 8.99 करोड़ की लागत से बनने वाली नई अनाज मंडी के निर्माण कार्य व जिला कुरुक्षेत्र की बाबैन अनाज मंडी की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए 6.69 करोड़ रुपये से विशेष मरम्मत के कार्य का शिलान्यास किया। साथ ही कालका विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सेब, फल व सब्जी मंडी पिंजौर एशिया की सबसे बड़ी आधुनिक मंडी होगी। 78 एकड़ क्षेत्र में फैली इस मंडी के निर्माण पर 220 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके प्रथम चरण का निर्माण 14 करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से 10 एकड़ क्षेत्र में किया गया है। इसके दूसरे चरण का कार्य प्रगति पर है, जो 31 दिसंबर, 2024 तक पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की विभिन्न मंडियों में सालभर में औसतन 210 लाख क्विंटल फल व सब्जियों की आवक होती है। इस समय पंचकूला के सेक्टर-20 में सबसे बड़ी सेब मंडी है। वर्ष 2016 में इस मंडी में सेब का व्यापार शुरू हुआ था। इसमें हर वर्ष लगभग 35 लाख सेब के डिब्बों का व्यापार होता है। यहां पर वर्ष में चार महीने अगस्त से नवम्बर के दौरान सेब की आवक होती है।

सीएम ने एचसीएस-2023 के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

● अधिकारी का पहला कर्तव्य जनता की सेवा और उनका जीवन सरल बनाना

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सेवा-2023 उत्तीर्ण करने वाले 113 अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक अधिकारी का प्रथम कर्तव्य जनता की सेवा करना और उनके जीवन को सरल बनाना है। इसलिए, आप सभी पूरी मेहनत और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि आज ही सभी चयनित अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग करवाई जाए।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित हरियाणा सिविल सेवा-2023 के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में देश में नौकरियों में जिस प्रकार से पारदर्शिता देखने को मिली है, उसी सोच के अनुसार हरियाणा सरकार ने भी पिछले 10 वर्षों में लगातार बिना पर्ची-बिना खर्ची के केवल मेरिट पर सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि प्रदेश में पारदर्शी सिस्टम बनाना है तो स्टैंड लेना पड़ेगा। हमने मजबूती से स्टैंड लिया और व्यवस्था परिवर्तन करके सिस्टम में पारदर्शिता लेकर आए हैं, जिसका लाभ आज प्रदेश के युवाओं को मिल रहा है।

हिट-एंड-रन पीड़ितों को मिलेगा कैशलेस उपचार

चंडीगढ़। हरियाणा में सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित व्यक्ति को सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से अब राज्य में केंद्र सरकार की तर्ज पर नई योजना शुरू की गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस योजना के तहत हिट-एंड-रन के दुर्घटना के मामलों में पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा के साथ-साथ मुआवजा प्रदान किया जाएगा। साथ ही, मुआवजे के आवेदन और पीड़ितों को भुगतान की प्रक्रिया की समय-सीमा भी तय कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इस स्कीम के तहत बीमाकृत तथा बीमा रहित वाहनों और हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री सैनी ने शुरू किया मिट्टी के प्रयोग के लिए पोर्टल

● किसान व छोटे व्यापारी मिट्टी के प्रयोग को ऑनलाइन ले सकेंगे परमिट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों व छोटे व्यापारियों की मिट्टी निपटान से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एक अहम निर्णय लेते हुए आज खनन एवं भूविज्ञान विभाग का पोर्टल लॉन्च किया है। अब किसान व छोटे व्यापारी अपने घर बैठे ही मिट्टी के प्रयोग से संबंधित परमिट ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों को ही नहीं, बल्कि गांव के रेहड़ा व बुग्गी वाले किसानों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे किसान भाई व छोटे व्यापारी लंबे समय से मिट्टी से संबंधित विभागीय अनुमति व अन्य प्रक्रिया के जटिल होने के कारण कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके समाधान के लिए ही पोर्टल लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान व छोटे व्यापारी अगले 2 महीने तक ऑनलाइन प्रक्रिया के साथ-साथ ऑफलाइन भी संबंधित माइनिंग ऑफिसर के पास जाकर एनओसी प्राप्त कर सकेंगे।

पंचकूला में स्कूल वैन पलटी, आठ बच्चे घायल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंचकूला में स्कूल वैन पलटने से आठ स्कूली छात्र घायल हो गए। घायलों को सेक्टर-छह तथा एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन छात्रों की हालत नाजुक बनी हुई है। जिस स्कूल की वैन हादसे का शिकार हुई है वह स्कूल पंचकूला के मेयर का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार पंचकूला के भवन विद्यालय की वैन दोपहर में छुट्टी के बाद बच्चों को स्कूल से लेकर घर जा रही थी कि सेक्टर-25 के पास वैन अचानक बेकाबू हो गई। ड्राइवर ने वैन को कंट्रोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन वह आगे डिवाइडर से टकराकर पलट गई। वैन पलटते ही छोटे बच्चों में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल बच्चों को शीशे तोड़कर वैन से बाहर निकाला गया। सभी को तुरंत सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल ले जाया गया।

सूचना पाकर डीएसपी हिमाद्री कौशिक भी अस्पताल पहुंचीं। घायल छात्रों के पेरेंट्स और स्कूल स्टाफ को हादसे की सूचना दी गई है। घटना के बाद से वैन का ड्राइवर फरार है। सिविल अस्पताल पहुंचे बच्चों के माता-पिता के अनुसार ड्राइवर फोन पर बात करता हुआ वैन चला रहा था। स्पीड ज्यादा होने की वजह से वैन अनियंत्रित हो गई। उसकी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

डीएसपी के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद पांच बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि नित्यम सिंह(4),परीक्षित गंभीर (4) और हेजल मदान (5) का उपचार चल रहा है। इस बीच जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक ने कहा कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। उनकी माता-पिता के साथ बात हो गई है। कुछ परिवारों ने मिलकर अपने बच्चों को आसानी से स्कूल लाने और ले जाने के लिए यह प्राइवेट वैन लगाई हुई थी। इस बारे में स्कूल प्रबंधकों के साथ भी बात की जाएगी।

विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी घोषणाएं करेगी आप

● भगवंत मान, संजय सिंह, डॉ. संदीप पाठक, डॉ. सुशील गुप्ता और अनुराग ढांडा रहेंगे मौजूद

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता संजय सिंह, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान वीरवार को हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता करेंगे। इसमें प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता और वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा भी मौजूद रहेंगे। हरियाणा में विधानसभा चुनावों में प्रचार और आगामी रणनीति को लेकर घोषणाएं की जाएगी। आम आदमी पार्टी हरियाणा में विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्ण रूप से तैयार है। सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर तैयारी की जा रही है। लोकसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिले वोटों के आधार पर सभी नेताओं के हौंसले बुलंद हैं।

प्रदेश के हर गांव और वार्ड में बदलाव जनसंवाद कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

22 को तिरंगे को सेल्यूट करें हरियाणावासी: मधुर

● पूर्व डीजीपी ने उठाई तिरंगा दिवस घोषित करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पूर्व पुलिस महानिदेशक शील मधुर ने कहा कि आगामी 22 जुलाई को हर देशवासी अपने घर, दफ्तर, पार्क व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अपने प्यारे तिरंगे को सेल्यूट करें। 22 जुलाई 1947 के दिन ही पहली बार तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था। उनकी केंद्र सरकार से मांग है कि इस दिन को तिरंगा दिवस के रूप में घोषित करके तिरंगे का सम्मान बढ़ाए। पूर्व डीजीपी शील मधुर बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार 22 जुलाई के लिए उन्होंने प्रणाम तिरंगा थीम लांच किया है। इस दिन से पहले और बाद तक हम सब तिरंगे को सैल्यूट करेंगे। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 2021 से उन्होंने तिरंगा दिवस घोषित करने के लिए अभियान की शुरुआत की थी।

आंध्र प्रदेश से हुई थी तिरंगा बनाने की शुरुआत

पूर्व डीजीपी ने बताया कि वर्ष 1916 में आंध्र प्रदेश के पिंगली वेंकैया ने ऐसे झंडे के बारे में सोचा, जो भारतवासियों को एक सूत्र में पिरोकर रखे। उनकी इस पहल को एसबी बोमन व उमर सोमानी ने सराहा। तीनों ने मिलकर नेशनल फ्लैग मिशन की स्थापना की। हैदराबाद की एक प्रतिष्ठित कलाकार सुरैया तैय्यबजी व उनके पति विदेशी राजनयिक बदरुद्दीन तैय्यबजी ने संविधान समिति को सलाह दी कि देश के राष्ट्रीय ध्वज में अशोक चक्र भी शामिल किया जाए।

कर्मचारियों की लंबित मांगों को मानने की घोषणा करें वित्त मंत्री: लांबा

● राज्य कर्मचारी संगठन ने निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेंगी। जिसको लेकर राज्य कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन ने केन्द्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखकर बजट में कर्मचारियों की लंबित मांगों को मानने का ऐलान करने की मांग की है। फेडरेशन का कहना है कि अगर वर्ष 2024-25 केन्द्रीय बजट में कर्मचारियों की लंबित मांगों की अनदेखी की तो 13-14 अगस्त को हैदराबाद में राष्ट्रीय कार्यसमिति की मीटिंग बुलाई गई है। जिसमें आम बजट में कर्मचारियों की मांगों बारे सरकार के रवैए को देखकर आगामी आंदोलन की कार्यनीति तैयार की जाएगी।

ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कई सालों से केन्द्र एवं राज्य कर्मचारी तथा शिक्षक अपनी अत्यंत जायज़ मांगों को लेकर देश भर में आंदोलन चलाए हुए थे। लेकिन सरकार ने कोई सुनवाई नहीं की। जिसका खामियाजा भाजपा को लोकसभा चुनाव में भी भुगतना पड़ा और भाजपा को साधारण बहुमत भी हासिल नहीं हो सका। जिसमें अन्य कारणों के साथ एक प्रमुख कारण कर्मचारियों एवं पेंशनर्स और उनके परिजनों की भारी नाराजगी भी थी। क्योंकि पिछले साल हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन राज्यों में मिली जीत से उत्साहित सरकार ने आठवें पे कमीशन के गठन, पुरानी पेंशन बहाली,18 महीने के बकाया डीए/डीआर का भुगतान व आउटसोर्स संविदा कर्मियों की रेगुलराइजेशन आदि मांगों के मानने से बिल्कुल स्पष्ट मना कर दिया था। जिससे देश भर के कर्मचारी एवं उनके परिजन भाजपा से आक्रोशित हो गए थे।

लांबा ने बताया कि केंद्र सरकार पीएफआरडीए एक्ट रद्द कर पुरानी पेंशन बहाली की बजाय जिन राज्यों ने पुरानी पेंशन बहाली की है, उनके जमा अंशदान को भी वापस करने से इंकार कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य कर्मियों को पुरानी पेंशन बहाली की मांग में कोई बीच का रास्ता मंजूर नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता ओलंपियाड में भागीदारी करेंगे छात्र

● कुवि तथा इस्कॉन के मध्य होगा एमओयू

सौरभ चौधरी। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आने वाले समय में इस्कॉन के साथ एमओयू किया जाएगा। बुधवार को इस्कॉन के उपाध्यक्ष मोहन गौरचन्द्र दास और उनके सहयोगी प्रेम सिंधू दास ने प्रो. सोमनाथ सचदेवा से शिष्टाचार भेंट की और अंतर्राष्ट्रीय गीता ओलंपियाड में छात्रों को भागीदारी करने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा मौजूद थे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस्कॉन का उद्देश्य गीता के मूल्यों, शिक्षाओं और आधुनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता को बढ़ावा देना और युवाओं को एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में इसके ज्ञान को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। गीता से प्राप्त ज्ञान हमारे संदेहों को दूर करता है और हमारे आत्मविश्वास का निर्माण करता है। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि आने वाले समय में कुवि के विद्यार्थियों को गीता की शिक्षाओं के बारे में पता लगे और उनका सर्वांगीण विकास हो इस उद्देश्य के लिए इस्कॉन के साथ एमओयू किया जाएगा।

मोहन गौरचन्द्र दास ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय गीता ओलंपियाड एक शैक्षिक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को गीता की गहन शिक्षाओं का पता लगाने और इसके सिद्धांतों की अपनी समझ को गहरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह 17 से 25 आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए एक प्रतियोगी परीक्षा या प्रतियोगिता है जो भगवद गीता में प्रस्तुत शिक्षाओं, दर्शन और ज्ञान पर केंद्रित है। इस्कॉन की गतिविधियों में शिक्षा, नशा मुक्ति और चरित्र निर्माण, वैदिक संस्कृति को कायम रखना शामिल है।

थानेसर के सामुदायिक केंद्रों को होटल की तर्ज पर किया जाएगा विकसित: सुधा

कुरुक्षेत्र। स्थानीय शहरी निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर शहर के सामुदायिक केंद्रों को होटल की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इन सामुदायिक केंद्रों को नवीनीकरण करने का प्रोजेक्ट सरकार के पास भेजा गया है। इनको पूर्णत: सेंट्रल वातानुकूलित बनाया जाएगा। इन केंद्रों को अप टू डेट करने की परियोजना पर करीब 11 करोड़ का बजट खर्च किया जाएगा। राज्यमंत्री ने कहा कि थानेसर शहर के साथ-साथ गांवों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए जोर-शोर से कार्य किया जा रहा है।

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I,BALRAM PALIWAL S/D/W/O RAM NARAYAN LAL PALIWAL,1772 ,SECTOR - 7, AWAS VIKAS COLONY SIKANDRA AGRA, UP. am the legal owner of LIG FLAT NO 235 A,GROUND FLOOR,TYPE - C, MOTIA KHAN PAHAR GANJ NEW DELHI VIDE FILE NO.L051(92)91/MK/NP ORIGINAL POSSESSION LETTER, ALLOTMENT LETTER DEMAND LETTER, WATER & ELECTRICITY AND NOC, SITE POSSESSION SLIP & of the above Flat has been lost. An FIR/ NCR to this effect has been lodged in P. S. Crime Branch,Delhi vide LR No:,1939036/2024 Dated 15-07-2024. Any person(s)claiming any right,interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/ contact with above named person at above address/phone No.9354984566 within 15days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest, or having any objections with respect to this property can also personally inform/contact me.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I,BALRAM PALIWAL S/O RAM NARAYAN LAL PALIWAL,1772,SECTOR-7, AWAS VIKAS COLONY SIKANDRA AGRA, UP. Am the legal owner of MIG FLAT NO 455,THIRD FLOOR,SECTOR-19,POCKET-2,DWARKA,NEW DELHI NEW DELHI VIDE FILE NO M41 (1979) 99/ DW/NP ORIGINAL POSSESSION LETTER, ALLOTMENT LETTER DEMAND LETTER, WATER & ELECTRICITY AND NOC, SITE POSSESSION SLIP & of the above Flat has been lost. An FIR/ NCR to this effect has been lodged in P. S.Crime Branch ,Delhi vide LR No:1939053/2024 Dated 15-07-2024.Any person(s)claiming any right,interest having any objection or found in possession of original documents,may write/contact with above named person at above address/phone No.9354984566 within 15days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right,interest,or having any objections with respect to this property can also personally inform/ contact me.

LOST & FOUND

LAXMI INFIN PRIVATE LIMITED
1689/121, 3rd Floor, Shanti Nagar, Tri Nagar, North Delhi-110035
E-mail: laxmiinfin01@gmail.com
CIN: U65990DL1995PTC067014

I, Sanjeev Kumar Pandey, formally report the loss of our License bearing no. 14.01027 dated 10-08-1998 issued by the Reserve Bank of India in favour of our Non-Banking Financial Company (NBFC) namely LAXMI INFIN PRIVATE LIMITED.

It came to our knowledge that the license issued to our NBFC was missing. Despite thorough searches and investigations within our office premises and all possible locations, we have been unable to locate the said license. We have conducted a comprehensive search within our premises and all places where the license was likely to be found but we could not find the said license. Further, all our employees have been informed and inquiries have been made with everyone who might have had access to the license.

Given the importance and sensitive nature of the license, FIR has been lodged in Police Station, Crime Branch, Delhi Vide LR No. 1759728/2024 dated 24.05.2024.

If anyone found the said certificate kindly contact us at 1689/121, 3rd Floor, Shanti Nagar, Tri Nagar, New Delhi-110035, Mobile No. 9999 227 544.

For Laxmi Infin Private Limited
Sd/-
Sanjeev Kumar Pandey
Director

PUBLIC NOTICE

To be known to all that my client, INDERJEET SINGH KALA S/O LATE SH. KUNWAR SINGH KALA & RADHA KALA W/O LATE SH. KUNWAR SINGH KALA R/O 150-B, D.D.A. FLATS SUNLIGHT COLONY-2, ASHRAM, NEW DELHI 110014, Allottee/Purchaser/Owner of DDA LIG FLAT NO.150-B, FIRST FLOOR, SUNLIGHT COLONY-2,ASHRAM, NEW DELHI-110014. The original documents i.e. DDA ORIGINAL POSSESSION LETTER, SITE POSSESSION LETTER, NOC WATER AND ELECTRICITY & DEMAND LETTER of the above said flat has been lost. An F.I.R./NCR/LR NO.1941936/2024 dated 16/07/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi.Any person (s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents,may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 9811799255 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Astt.Director (LSB)(R) DDA, Vikas Sadan, INA, New Delhi-110023

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है की मेरी मुवकिल्ला श्री मति वीना अरोरा पत्नी स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश पता F-29, Ground Floor, लाजपत नगर -2, न्यू दिल्ली, आधार कार्ड नंबर 435246015766 यह की उनका पुत्र Dhruv अरोरा @ राजेश अरोरा उनकी पतनी पूजा अरोरा पुत्र Dhanur अरोरा जो उनसे अलग रहते हैं पर उनकी मान मर्यादा की इज्ज़त का ख्याल नहीं रखते है व् अपनी मन मर्जी से चलते है व् बदचलनी पर उतर आये है व् मेरी मुवकिल्ल को तरह तरह की धमकी देते हैं इसलिए मेरे मुवकिल्ला श्रीमति वीना अरोरा इन की आदतों से तंग आकर अपनी चल व् अचल सम्पत्ति से बेदबल करती है व् उनसे अपने सारे सम्बन्ध तोडती है, अगर उनसे से कोई लेनदेन य संबंध रखता है तो मेरे मुव्किला की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदार नहीं होगी.

दिनेश कुमार चावला अधिवक्ता
Ch.No.C-123/124, Opp. Post Office, C.L. Joseph Block, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है की नव संसद विहार सहकारी समूह हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड प्लाट न. 4 सेक्टर 22 द्वारका नई दिल्ली 110077 से डीसीएस नियम 2007 के नियम (19)2 के अनुसरण मे निम्नलिखित 3 ददस्यो की सदस्यता समाप्त की गई है. (क) श्री नंदी येलाहिया (सदस्यता संख्या-02). उन्हे सोसाइटी की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था, जिसे माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने डब्लूपीसी 523/2011 के आदेश दिनांक 28.11.2011 द्वारा बरकरार रखा था. (ख) श्री राज कुमार गुप्ता (सदस्यता संख्या-267). उन्हे सोसाइटी की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था, जिसे माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने डब्लूपीसी 523/2011 के आदेश दिनांक 28.11.2011 द्वारा बरकरार रखा था. (ग) श्रीमती रितु साहू जैन (सदस्यता संख्या-449). उन्हे सोसाइटी की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था, जिसे माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने डब्लूपीसी 8435/2005 के आदेश दिनांक 14.07.2016 द्वारा बरकरार रखा था. उपरोक्त सदस्यो की जमा राशि सोसाइटी द्वारा पहले ही वापस कर दी गई है! अगर किसी को कोई भी आपत्ति है वह अपनी आपत्ति इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीयक (सहकारी समिति) पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली या नव संसद विहार सहकारी समूह हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड प्लाट न. 4 सेक्टर 22 द्वारका नई दिल्ली 110077 मे लिखित रूप मे दर्ज कर सकते है.

हस्ता/-
सचिव नव संसद विहार सहकारी समूह हाउसिंग सोसाइटी

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Manju Sharma D/o Mr. Babu Ram Sharma R/o Flat No-0005 Tower-2 Jaypee Greens Wish Town Sector 128 Noida declare that my name mentioned in my Driving License is Manju Prasad instead of Manju Sharma. Hence Manju Sharma and Manju Prasad both are same and one person.
PD(597)C

I, Mr Babu Ram Sharma F/o Manju Sharma R/o Flat No-0005 Tower-2 Jaypee Greens Wish Town Sector 128 Noida declare that my name is mentioned in Driving Licence as Arun Prasad instead of Babu Ram Sharma. Hence it should now be Babu Ram Sharma.
PD(598)C

I, Jyoti Mitra S/o Prof. Raghuvansh, R/o 49-B, Pocket-C, Gangotri Enclave, Alaknanda, Delhi-110019, have changed my name from Jyoti Mitra to Jyoti Mitra Raghuvansh for all future purposes.
PD(600)A

I, Shazida Khatun, W/o. Mohammad Hasnain Ali, R/o. G4-802, 8th Floor, Neotown, Sector-Techzon-IV, Greater Noida, have Changed my name from Sajida Begum to Shazida Khatun for all future purposes.
PD(607)C

पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

Piramal Capital & Housing Finance

पंजीकृत कार्यालय पताः यूनिट नं. 601, 6वीं मंजिल पीरामल अमिटी बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई-400070
सीआईएनः L65910MH1984PLC032639, वेबसाइट : www.piramalfinance.com
शाखा का पताः धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भूतल और प्रथम तल, एक्सिस बैंक के साथ में, मोनालिसा बिल्डिंग के समाने, आगरा रोड, हरि निवास सर्कल, नौपाड़ा, ठाणे (पश्चिम)-400602

मांग सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के साथ पठित। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के प्रवर्तन के तहत पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी कर आह्वान किया है निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ("उक्त उधारकर्ता") को जारी किए गए संबंधित मांग नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने के लिए नीचे दिया गया है। उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता को इस नोटिस के प्रकाशन से 60 दिनों के भीतर पीसीएफएल को भुगतान करने का नोटिस दिया जाता है। नीचे दी गई तारीखों से भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, अन्य दस्तावेजों/लेखों के साथ पठित ऋण समझौते के तहत देय, उक्त मांग नोटिस में बताए गए अतिरिक्त ब्याज के साथ, नीचे दर्शाई गई राशियाँ, यदि कोई हो, उक्त उधारकर्ता(ओं) द्वारा निष्पादित। ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित परिसंपत्तियों को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा पीसीएफएल को गिरवी रखा गया है।

उधारकर्ता/गारंटर्स का नाम	मांग सूचना की तिथि और राशि साथ में एन पी ए की तिथि	सम्पत्ति का पता
(रोहिणी शाखा का एलसी नं. 09200000167) माया देवी (उधारकर्ता) शरवन कुमार (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु. 5,84,416/- (रु. पांच लाख चौरासी हजार चार सौ सोलह मात्र) एनपीए (09-06-2024)	संपत्ति सं. 23, भूतल, ब्लॉक-ए, पॉकेट-2, सेक्टर-4, रोहिणी नई दिल्ली दिल्ली - 110085
(फरीदाबाद शाखा का एलसी नं. 12900000272) प्रिया पालीवाल (उधारकर्ता) सरोज पालीवाल (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु. 9,60,861/- (रु. नौ लाख साठ हजार आठ सौ इकसठ मात्र) एनपीए (09-06-2024)	फ्लैट सं. सी-1205, 12वीं मंजिल, टावर-सी कासा ग्रांडे, प्लॉट सं.-7ए सेक्टर-सीएचआई-वी, ग्रे. नोएडा ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश-201308
(दिल्ली-सफदरजंग शाखा का एलसी नं. 19600042832) चंद्र प्रकाश (उधारकर्ता) गीता रानी (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु. 43,59,083/- (रु. तैंतालीस लाख उनसठ हजार तिरासी मात्र) एनपीए (09-12-2022)	प्लॉट सं. डी-1/521, ऊपरी भूतल व प्रथम तल, पुराना नं. 6487 (भाग) खं.नं. 752 गली नं. 13, गांव-गोकल पुर अशोक नगर शाहदरा दिल्ली नई दिल्ली दिल्ली-110093
(दिल्ली-पीतमपुरा शाखा का एलसी नं. 19800041435) सुगंध सौरभ श्रीवास्तव (उधारकर्ता) कृतिका (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु. 21,68,382/- (रु. इक्कीस लाख अड़सठ हजार तीन सौ ब्यासी मात्र) एनपीए (09-06-2024)	प्लॉट सं. बीई-251, तीसरी मंजिल (एलएचएस) छत सहित पीछे का हिस्सा, गली नं. 3, खं. 1913, 1917, गांव तिहाड़, हरि नगर नई दिल्ली नई दिल्ली दिल्ली - 110064
(ग्रेटर नोएडा शाखा का एलसी नं. 27900001275) निर्मल पाल (उधारकर्ता) इंद्र पाल (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु. 4,97,167/- (रु. चार लाख सत्तानवे हजार एक सौ सड़सठ मात्र) एनपीए (09-06-2024)	जीएफ-3, भूतल, पीछे का हिस्सा एलएचएस एमआईजी प्लॉट नं. सी-9/4, डिफ अंकुर विहार गाजियाबाद गाजियाबाद उत्तर प्रदेश-201001
द्वारका शाखा का एलसी नं. 27300000422) संतोष कुमार झा (उधारकर्ता) अनीता झा (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/ रु. 45,80,443.59 (रु. पैंतालीस लाख अस्सी हजार चार सौ तैंतालीस और उनसठ मात्र) एनपीए (30-09-2020)	फ्लैट नं. ई 10/जी-1 और जी-2 भूतल (बिना छत के अधिकार के) एचआईजी, खं. नं. 362 भूतल, वेद विहार, गांव-सादुलाबाद लोनी, गाजियाबाद गाजियाबाद उत्तर प्रदेश- 201102
(रोहिणी शाखा का एलसी नं. 09200001836) नितिन कुमार सिंह (उधारकर्ता) किरण सेंगर चौहान (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु. 27,47,199/- (रु. सत्ताईस लाख सैंतालीस हजार एक सौ निन्यानवे मात्र) एनपीए (10-05-2024)	संपत्ति नं. ई-177, तीसरी मंजिल छत के अधिकार सहित, खसरा नं. 109/2, गली नं. 13, गांव पालम, राजापुरी उत्तम नगर दिल्ली नई दिल्ली दिल्ली - 110059
(कड़कड़डूमा नोएडा शाखा का एलसी नं. 25600001153) अनिल अरोड़ा (उधारकर्ता) रेणु अरोड़ा (सह-उधारकर्ता 1) कुणाल अरोड़ा (सह-उधारकर्ता 2) करण अरोड़ा (सह-उधारकर्ता 3)	25-06-2024/रु. 3,25,99,835.79 (रु. तीन करोड़ पच्चीस लाख निन्यानवे हजार आठ सौ पैंतीस और उनासी मात्र) एनपीए (01-08-2021)	संपत्ति नं. सी-487, तीसरी मंजिल, छत के अधिकार सहित, योजना विहार, दिल्ली, नई दिल्ली - 110092
(दिल्ली - कालकाजी शाखा का एलसी नं. HLSA000498C6) अजय सिंह (उधारकर्ता) प्रियंका (सह-उधारकर्ता 1)	25-06-2024/रु.26,69,858/-(रु. छब्बीस लाख उनहत्तर हजार आठ सौ अट्ठावन मात्र) एनपीए (04-06-2024)	निर्मित प्लॉट नं. 130-ए, खसरा नं. 11/19 में से, गाँव मटियाला, जिसे कॉलोनी मनसा राम पार्क कहते है, ब्लॉक - डी-1, उत्तम नगर, नई दिल्ली - 110059
(नोएडा-सेक्टर 2 शाखा का एलसी नं. 11900001609) एस एंड जे बेवरेजेज प्रा. लि. इसके निदेशक द्वारा संदीप मणि त्रिपाठी, संदीप मणि त्रिपाठी (सह-उधारकर्ता) और (सविता त्रिपाठी के कानूनी उत्तराधिकारी), भास्कर मणि त्रिपाठी के माध्यम से (सह-उधारकर्ता) एवं (सविता त्रिपाठी के कानूनी उत्तराधिकारी), राकेश मणि त्रिपाठी (सह-उधारकर्ता) एवं (सविता त्रिपाठी के कानूनी उत्तराधिकारी), रीता मिश्रा (सविता त्रिपाठी की कानूनी उत्तराधिकारी), गीता मिश्रा (सविता त्रिपाठी की कानूनी उत्तराधिकारी), उमा शुक्ला (सविता त्रिपाठी की कानूनी उत्तराधिकारी)	25-06-2024/रु.3,23,09,544.76 (रु. तीन करोड़ तेईस लाख नौ हजार पांच सौ चौवालीस और पैसे छिहत्तर मात्र) एनपीए (01-08-2018)	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि मकान नं. 62, ब्लॉक बी, सेक्टर अल्फा-1, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, क्षेत्रफल 350 वर्ग मीटर, 217.740 वर्ग मीटर में निर्मित प्लॉट, चौहद्दीः उत्तर-पूरब में - प्लॉट नं. बी-55, दक्षिण-पूरब में - प्लॉट नं. बी61, उत्तर-पश्चिम में - प्लॉट नं. बी-63, दक्षिण-पश्चिम में - 12 मीटर चौड़ी सड़क, उत्तर-पश्चिम में - प्लॉट नं. बी-63, दक्षिण-पश्चिम में - 12 मीटर चौड़ी रोड़
(नोएडा-सेक्टर 2 शाखा का एलसी नं. 11900001610) एस एंड जे बेवरेजेज प्रा. लि. इसके निदेशक द्वारा संदीप मणि त्रिपाठी, संदीप मणि त्रिपाठी (सह-उधारकर्ता) एवं (सविता त्रिपाठी के कानूनी उत्तराधिकारी), भास्कर मणि त्रिपाठी (सह-उधारकर्ता) एवं (सविता त्रिपाठी के कानूनी उत्तराधिकारी), राकेश मणि त्रिपाठी (सह-उधारकर्ता) एवं (सविता त्रिपाठी के कानूनी उत्तराधिकारी), रीता मिश्रा (सविता त्रिपाठी की कानूनी उत्तराधिकारी), गीता मिश्रा (सविता त्रिपाठी की कानूनी उत्तराधिकारी), उमा शुक्ला (सविता त्रिपाठी की कानूनी उत्तराधिकारी)	25-06-2024/रु. 4,11,65,929.76 (रु. चार करोड़ ग्यारह लाख पैंसठ हजार नौ सौ उनतीस और पैसे छिहत्तर मात्र) एनपीए (04-10-2018)	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट नं. 82, सेक्टर-अल्फा-1, क्षेत्रफल 518.96 वर्ग मीटर, ग्रेटर नोएडा, यू.पी.

यदि उक्त उधारकर्ता उपरोक्तानुसार पीसीएचएफएल को भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो पीसीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, लागत और परिणामों के संबंध में पूरी तरह से उक्त उधारकर्ताओं के जोखिम पर होगा। अधिनियम के तहत उक्त उधारकर्ताओं को पीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा उपरोक्त संपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी)
पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

दिनांकः 18.07.2024, स्थानः दिल्ली

जम्मू कश्मीर

आतंकी हमले

जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले जारी हैं जिनमें लोगों की जानें गई हैं। जम्मू कश्मीर में हुई एक और त्रासद घटना में सुरक्षा बलों के चार जवान शहीद हुए हैं। एक मेजर समेत भारतीय सेना के चार सैनिक डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ करते समय शहीद हुए। इस घटना से सुरक्षा बलों के समक्ष उपस्थित चुनौतियां उजागर होती हैं तथा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के बारे में सरोकार गहरे होते हैं। व्यवस्था में सुधार के दावों के बावजूद आतंकी हमलों की बारंबारता और तीव्रता बढ़ रही है। सुरक्षा बलों में हताहतों की संख्या अलग-थलग घटनाओं के परिणामस्वरूप न होकर हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का संकेत है। आतंकी घटनाओं व लक्षित हत्याओं का जम्मू में केन्द्रित होना एक महत्वपूर्ण व चिन्ताजनक बदलाव है, जबकि यह दो दशकों से शांत था। 2021 में अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद जम्मू में आतंकी हमलों और लक्षित हत्याओं में चिन्ताजनक उभार आया है। इसके कारण हिंसा खतरनाक स्तर तक बढ़ी है जिससे क्षेत्र में अस्थिरता की आशंका है। संभवत: कश्मीर में प्रभावी 'आतंकवाद-विरोधी रणनीतियां' जम्मू के विशिष्ट और सामाजिक परिदृश्य के अनुकूल न हों। हालांकि, अतीत की रणनीतियों से प्राप्त सबकों से कुछ दिशा मिल सकती है, पर जम्मू में आतंक की नई लहर से निपटने के लिए नए आतंकवाद-विरोधी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय रूप से कश्मीर में पत्थरबाजी और सामाजिक अशांति में परिवर्तन आया है, पर उग्रवाद बना हुआ है और सक्रिय उग्रवादी समूहों ने अब जम्मू क्षेत्र को निशाना बनाना शुरू किया है। इन समूहों को

अक्सर सीमापार से समर्थन मिलता है जिससे सुरक्षा परिदृश्य जटिल होता है। उग्रवाद को कुचलने के लिए अनेक सैनिक कार्रवाइयों के बावजूद इन समूहों की मजबूती एक बड़ी बाधा है। जम्मू कश्मीर में सामाजिक-राजनीतिक परिवेश भी हिंसा भड़काने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। ऐतिहासिक कठिनाइयों, राजनीतिक हाशियाकरण तथा सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां उग्रवाद के लिए उपजाऊ जमीन उपलब्ध कराती हैं। हाशियाकृत अनुभव होने के बाद अनेक स्थानीय नौजवान हिंसा के दुष्चक्र में फंस जाते हैं जिससे सुरक्षा बलों के लिए स्थिति और जटिल हो जाती है। इन महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करना टकराव के किसी दीर्घकालीन समाधान के लिए जरूरी है। सुरक्षा बलों में हताहतों की संख्या बढ़ने से वर्तमान रणनीतियों की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं और आतंकवाद-विरोधी तथा आंतरिक सुरक्षा दृष्टिकोण के पुन: मूल्यांकन की आवश्यकता उजागर होती है। हालांकि, अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद की गई उम्मीद पूरी तरह सफल नहीं हुई है। इसे देखते हुए जम्मू कश्मीर में आतंकवादी समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है। इसमें जीवन्त सुरक्षा उपायों के साथ ही राजनीतिक संवाद तथा समुदाय की सहभागिता के प्रयास भी शामिल होने चाहिए। यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए कि हालिया लोकसभा चुनाव में तीन-चार दशक बाद जनता की भारी सहभागिता देख कर आतंकियों, चरमपंथियों व उनके समर्थकों के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है। जम्मू कश्मीर में निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले ऐसे तत्व जनता को डरा कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को संकट में डालना चाहते हैं। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने ऐसे 'स्थानीय तत्वों' की ओर संकेत किया है जो आतंकी तत्वों को बढ़ावा देते हैं। राजनीतिक रूप से ऐसे तत्वों पर लगाम लगाना भी जम्मू कश्मीर में शांति के लिए जरूरी हो गया है।

उपचुनाव नतीजों के संकेत

उपचुनाव नतीजों के अनेक संकेत हैं। विपक्ष के अनुसार इनसे सरकार के स्थायित्व पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि भाजपा आंतरिक व बाहरी दबावों का सामना कर रही है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

उपचुनाव नतीजों के अनेक संकेत हैं। विपक्ष के अनुसार इनसे सरकार के स्थायित्व पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि गठबंधन बनाए रखने के लिए भाजपा को आंतरिक व बाहरी दबावों का सामना करना पड़ रहा है। कई राज्यों में हुई 13 सीटों के उप-चुनाव परिणामों से प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के बारे में मतदाताओं की राय समझने में सहायता मिल सकती है। हालांकि, 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरा कार्यकाल मिल गया। लेकिन आम चुनाव के एक महीने बाद हुए 13 सीटों के उपचुनाव में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को 10 सीटों पर विजय मिली। इससे देश में राजनीतिक उथलपुथल पैदा हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 'इंडिया' समूह को मिले इन सकारात्मक परिणामों से सत्तारूढ़ गठबंधन की सत्ता पर पकड़ प्रभावित हो सकती है। भाजपा को लोकसभा चुनाव में 240 सीटों पर सफलता मिली, पर वह बहुमत के 272 के आंकड़े से पीछे रह गई।

इसके परिणामस्वरूप उसे 'राजग' सहयोगियों के समर्थन पर निर्भर होना पड़ा। आशंका है कि इन स्थितियों में गठबंधन सहयोगी सरकार के नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करेंगे तथा इसके कारण गठबंधन बनाए रखने के लिए भाजपा को समझौते करने पड़ सकते हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ गठबंधन में किसी अनिश्चितता की स्थिति या उसकी संभावना में विपक्षी दलों की हिम्मत बढ़ सकती है। पिछले महीने हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटें ही प्राप्त कर सकी और इस प्रकार वह अपने दम पर 272 के बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई। ऐसे में भाजपा को अपने 'राजग' सहयोगियों के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस निर्भरता के कारण भाजपा के उन नीतिगत निर्णयों पर प्रभाव पड़ सकता है जिनकी रूपरेखा उसने चुनाव के पहले ही तैयार कर ली थी। गठबंधन सहयोगियों पर निर्भरता के कारण भाजपा को उन खास मुद्दों को ठंडे बस्ते में डालना पड़ सकता है जो उसकी पहचान माने जाते थे। इसके साथ ही विपक्षी नेताओं तथा कुछ राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में सरकार के स्थायित्व पर भी संदेह के बादल मंडरा सकते हैं। संख्याबल के इस नाजुक संतुलन में विपक्ष संतुलन बिगाड़ने के प्रयास कर सकता है। उसका इरादा सत्तारूढ़ गठबंधन में असहज स्थितियां पैदा करने का है ताकि इसकी स्थिरता पर संदेह पैदा हो जाए। विधायिका में सीट खाली होने पर भारत का निर्वाचन आयोग स्वत: उप-चुनाव की घोषणा कर देता है। विधायिका में सीट खाली होने के अनेक कारण हो सकते हैं जिनमें निर्वाचित विधि-निर्माता की मृत्यु, इस्तीफा, अयोग्यता या उसकी सदस्यता समाप्त होना शामिल हैं।

संसद के किसी सदस्य की मृत्यु या उसके इस्तीफे की स्थिति में भी उपचुनाव होते हैं। इस स्थिति में केवल उस खाली सीट के मतदाता ही वोट दे सकते हैं। पिछले बुधवार को सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव हुए थे। इनमें पंजाब की एक, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो, पश्चिम बंगाल की चार तथा मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक विधानसभा सीटें शामिल थीं। इन उपचुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस-टीएमस, आम आदमी पार्टी-आप तथा द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम-द्रमुक, आदि ने अपने उम्मीदवार उतारे थे ताकि वे इन क्षेत्रों में अपनी शक्ति का परीक्षण कर सकें। इन उपचुनावों में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को मिली व्यापक सफलता से विपक्ष के हौसले में काफी वृद्धि हुई है। ये उपचुनाव 'इंडिया' समूह के लिए काफी महत्वपूर्ण और इसका एक प्रकार से परीक्षण थे क्योंकि लोकसभा चुनाव, 2024 के बाद वह पहली बार भारतीय जनता पार्टी-भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग का चुनाव मैदान में सामना करने जा रहा था। इन उपचुनावों में विपक्ष के क्षेत्रीय कद्दावर नेताओं का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। 'इंडिया' समूह की एक प्रमुख पार्टी तृणमूल कांग्रेस-टीएमसी ने बंगाल की सभी चारों सीटों पर विजय प्राप्त की। उसकी यह विजय महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही उत्साह से भरी कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में दो-दो सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की। इससे कांग्रेस की शक्ति इन राज्यों में और बढ़ गई है।

द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम-द्रमुक ने तमिलनाडु में एक सीट जीती। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी-आप को जालंधर पश्चिम की सीट पर विजय मिली। इन विविधतापूर्ण नतीजों से वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अनिश्चितता की भावना बढ़ सकती है। इसके साथ ही भाजपा द्वारा केवल दो सीटें जीतने तथा बिहार में एक निर्दलीय के चुनाव जीतने से उपचुनाव परिणामों की जटिलता और बढ़ जाती है। यह आमतौर से माना जाता है कि उपचुनावों में राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी को सफलता मिलती है। इसे देखते हुए टीएमसी, द्रमुक, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी-आप की अपने सत्तारूढ़ राज्यों में विजय इनका उन राज्यों पर लगातार जारी नियंत्रण समझा जा सकता है।

टीएमसी के लिए ये उपचुनाव परिणाम बहुत उत्साहवर्धक थे क्योंकि केवल एक महीने पहले उसने पश्चिम बंगाल में 29 संसदीय सीटों पर विजय पाई थी, जबकि 2029 में इनकी संख्या 22 थी। लेकिन उत्तराखंड और बिहार में चीजें अलग थीं। यहां सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू के उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में हुए तीन उप-चुनावों में से दो पर विजय मिली है। परिणामों के बाद 68 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में कांग्रेस की संख्या फिर बढ़ कर 40 हो गई है। इससे हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू क नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार स्थिर हो गई है। उपचुनाव राजनीतिक पार्टियों और उनकी लोकप्रियता का महत्वपूर्ण परीक्षण होते हैं। इनके माध्यम से पार्टियां अपने समर्थन आधार तथा जनता की भावनाओं का पता लगाती है। अक्सर वे अपनी अभियान रणनीतियों की प्रभावशीलता का आंकलन करने के लिए उपचुनावों का प्रयोग करती हैं। इसका प्रभाव भावी चुनावों पर पड़ता है। यदि सत्तारूढ़ पार्टी उपचुनाव में कोई सीट जीतती है तो इससे उसकी सीटों की कुल संख्या बढ़ सकती है जिसका प्रभाव सरकार के स्थायित्व तथा उसकी निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ सकता है। इस दृष्टिकोण से देखें तो भाजपा को अपने प्रदर्शन में सुधार करने की आवश्यकता है, हालांकि वह लोकसभा चुनाव में कम सीटें मिलने के कारणों की लगातार जांच भी कर रही है। हार के उभरते कारणों और मीडिया में आने वाली खबरों से लगता है कि भाजपा के भीतर वर्तमान रणनीतियों पर सवाल उठ रहे हैं तथा संभवत: कुछ नेताओं के बीच इसके कारण तनाव है।

मीडिया में आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं और अनुमान लगाए जा रहे हैं कि संभवत: आरएसएस और भाजपा के बीच तनाव है। इससे पार्टी को आरएसएस का समर्थन नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है। इसके साथ ही भाजपा के भीतर और बाहर से पैदा दबावों के कारण सत्तारूढ़ गठबंधन में भी तनाव व अनिश्चितता का माहौल पैदा हो सकता है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार 'इंडिया' समूह के मजबूत प्रदर्शन से लगता है कि देश में राजनीतिक गत्यात्मकता बदल रही है। उल्लेखनीय है कि मतभेदों के बावजूद विपक्षी दलों के एकजुट होकर काम करने से उनको सफलता मिली है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि दोनों तत्वों के कारण वे सफल हुए हैं।

विपक्ष के राजनीतिक रूप से मजबूत होने के कारण सत्तारूढ़ गठबंधन कमजोर हो सकता है जिससे विपक्ष की स्थिति और मजबूत होगी। हालांकि, वर्तमान समय में भविष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, पर जीतना और हारना लोकतंत्र का अंग हैं। उपचुनावों के परिणामों का प्रभाव इस वर्ष के अंत में होने वाले महाराष्ट्र और हरियाणा के आगामी विधानसभा चुनावों में खासतौर से दिख सकता है। 'इंडिया' समूह द्वारा उपचुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन से आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष की स्थिति और मजबूत हो सकती है। इन विधानसभा चुनावों से तय होगा कि विपक्ष को शक्ति मिलती है, अथवा वह कमजोर होता है।र बन जाता।

पर्यटन उद्योग के समक्ष चुनौतियां और भविष्य

> जैसे-जैसे केंद्रीय बजट 2024 नजदीक आ रहा है, भारतीय पर्यटन उद्योग को समर्थन और रणनीतिक पहलों में वृद्धि की बड़ी उम्मीदें हैं।

दिव्या भाटिया
(लेखक, स्तम्भकार हैं)

पर्यटन हमेशा से दुनिया भर के देशों की आर्थिक वृद्धि और जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है, और भारत इसका अपवाद नहीं है। भारतीय पर्यटन ने लगातार उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है, भले ही यह सरकारी नीतियों का प्राथमिक फोकस नहीं रहा हो। बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार हुए हैं, लेकिन ये प्रयास सीमित रहे हैं। भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को कोविड-19 महामारी के दौरान अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करना पड़ा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की यात्राओं में तेज गिरावट के कारण महत्वपूर्ण गिरावट आई। इन चुनौतियों के बावजूद, उद्योग ने 2023 में सुधार के संकेत दिखाने शुरू कर दिए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अनुसार, 2023 में 152 मिलियन घरेलू यात्री आए, जो 2022 के 123 मिलियन से लगभग 24त्न अधिक और 2019 के 144 मिलियन से लगभग 6त्न अधिक है। अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में भी पुनरुद्धार के संकेत मिले, 2023 में भारत से और भारत के लिए 63.9 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय यात्री आए, जो 2019 में देखे गए 64.2 मिलियन के करीब है और 2022 के 47 मिलियन से 35 प्रतिशत अधिक है। कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से एंड कंपनी का अनुमान है कि भारत 2030 तक खर्च के मामले में चौथा सबसे बड़ा घरेलू यात्रा बाजार बन जाएगा।

इसके अतिरिक्त, विमानन विश्लेषण फर्म संकेत देती है कि भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। डब्ल्यूटीटीसी ने बताया कि इस क्षेत्र ने 2023 में भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में 19.13 ट्रिलियन (. 230 बिलियन) का योगदान दिया, जो 2019 के स्तर से लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। उद्योग में रोजगार में भी 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 43 मिलियन नौकरियों तक पहुंच गई। यह क्षेत्र के लचीलेपन और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। वे अनुमान लगाते हैं कि भारतीय पर्यटन उद्योग में वृद्धि जारी रहेगी, और 2024 में सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 21.15 ट्रिलियन (. 253 बिलियन) तक पहुंचने की उम्मीद है। उद्योग में नौकरियों में भी 2.45 मिलियन की वृद्धि होने का अनुमान है, जो भारत में हर 11 नौकरियों में से एक है। सकारात्मक संकेतकों के बावजूद, हाल के सरकारी बजटों में पर्यटन उद्योग को काफी हद तक नजरअंदाज किया गया है जैसे-जैसे केंद्रीय बजट 2024 नजदीक आ रहा है, पर्यटन उद्योग सरकार से अधिक समर्थन और निवेश की उम्मीद कर रहा है।

द ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष ज्योति मयाल को लगता है कि विदेशी प्रचार और प्रचार के लिए आवंटन में भारी कटौती करके उसे मात्र 3 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछले साल के 100 करोड़ रुपये से कम है। वे कहती हैं, उद्योग बुनियादी ढांचे, विपणन और कौशल विकास को बढ़ाने के लिए बजट आवंटन में वृद्धि का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। कनेक्टिविटी, विरासत स्थलों और इको-टूरिज्म में निवेश से विकास को बढ़ावा मिल सकता है। संधारणीय प्रथाओं, अपशिष्ट प्रबंधन और संरक्षण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना जिम्मेदार पर्यटन के साथ संरेखित होता है। वीजा आवश्यकताओं को सरल बनाना और भारत आने वाले पर्यटकों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश को प्रोत्साहित करना विदेशी पर्यटकों के आगमन को काफी हद तक बढ़ा सकता है।

होटल और रेस्तरां एसोसिएशन वेस्टर्न इंडिया के अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी का कहना है कि पर्यटन और आतिथ्य, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा है और इसे प्राथमिकता क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक की परियोजना लागत वाले होटलों और सम्मेलन केंद्रों को बुनियादी ढांचे का दर्जा देना निवेश आकर्षित करने और आतिथ्य क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए आवश्यक है। 7500 रुपये से अधिक के कमरे के किराए वाले होटलों के लिए 18 प्रतिशत जीएसटी श्रेणी को समाप्त करके, इसे 12 प्रतिशत जीएसटी श्रेणी में विलय करने से घरेलू और इनबाउंड पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा। आउटबाउंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीओएआई) के अध्यक्ष रियाज मुंशी का कहना है कि आउटबाउंड पर्यटन क्षेत्र सकारात्मक नीतिगत बदलावों की उम्मीद कर रहा है।

उन्होंने कहा, एक प्रमुख उम्मीद आउटबाउंड टूर पैकेजों पर जीएसटी दरों में कमी की है, जिससे अंतरराष्ट्रीय यात्रा अधिक किफायती हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, मौजूदा टीसीएस दरों की तुलना में बेहतर कर संग्रह (टीसीएस) नीतियों की उम्मीद है, जो वित्तीय और प्रशासनिक समस्याओं का कारण बन रही हैं।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के अध्यक्ष श्री राजीव मेहरा का मानना है कि वैश्विक मानचित्र पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता है। उनका कहना है, पर्यटन मंत्रालय को उद्योग के हितधारकों के साथ विदेशी यात्रा मार्ट में भागीदारी के लिए विपणन और प्रचार के लिए अलग से पर्याप्त धनराशि दी जानी चाहिए, रोड शो आयोजित करने और टूर ऑपरेटरों को एमडीए सहायता के लिए। ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री अजय प्रकाश का मानना है कि पर्यटन के आर्थिक और सामाजिक लाभों के बारे में सभी दिखावटी बातों के बावजूद, उद्योग दुखद रूप से उपेक्षित है। केवल बुनियादी ढांचे का विकास पर्याप्त नहीं है - यदि इस क्षेत्र को अपनी क्षमता का एहसास करना है तो इसे विशिष्ट प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

यात्रा और पर्यटन उद्योग हर साल बजट से पहले अपनी इच्छा सूची रखता है और, उस दिन हमेशा निराश होता है। उच्चतम जीएसटी स्लैब 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए और ट्रैवल एजेंट/टूर ऑपरेटर सेटऑफ का दावा करने के पात्र होने चाहिए। हवाई किराए को और अधिक किफायती बनाने के लिए विमानन ईंधन को जीएसटी के अंतर्गत लाया जाना चाहिए, वे कहते हैं।

आप की बात

आतंक से मुकाबला

हाल ही में हमारे पांच जवान आतंकी मुठभेड़ में शहीद हो गए, हालांकि वीर जवानों ने आतंकी ठिकानों और आतंकियों को भी ढेर कर दिया। इससे पहले भी आतंकियों ने श्रद्धालुओं की बस को निशाना बनाया जिसमें 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हालांकि, हमारे सुरक्षाबल मुस्तैदी से आतंकियों का मुकाबला कर रहे हैं और उन्हें तथा उनके अड्डों का सफाया कर रहे हैं किन्तु आखिर कब तक ये खूनी खेल जम्मू-कश्मीर में चलता रहेगा। इसका अंत होना चाहिए ताकि वहां शान्ति स्थापित हो सके। सरकार को आतंकी तैयार करने और उनको शरण व सहायता देने वालों तक पहुँचने के लिए विशेष कार्य योजना बनानी होगी। सरकार को अपनी खुफिया एजेंसियों के जरिये आतंक के स्त्रोतों तक पहुंच कर त्वरित और गंभीर प्रयास कर आतंक का समूल नाश करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर को आतंक से मुक्ति दिलाने के प्रयास तेज करने होंगे। आतंक से मुकाबले के लिए जनता को भी प्रशिक्षित व सैनिक रूप से तैयार करने की जरूरत है। यदि बहुसंख्य जनता अपने बीच छिपे आतंकियों तथा उनके समर्थकों के खिलाफ स्वत: कार्रवाई करने में सक्षम हो जाए तो सुरक्षा बलों से बोझ कम होगा तथा आतंकवादियों और उनके समर्थकों को पूरे देश में पैर टिकाने का स्थान भी नहीं मिलेगा।

– **महेश नेनावा,** इंदौर

शिक्षा में नवाचार

शिक्षा प्रणाली को नवाचार के माध्यम से सुधारना अब बेहद जरूरी हो गया है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं होना चाहिए, बल्कि इससे छात्रों में रचनात्मकता, समस्या समाधान की क्षमता और स्वतंत्र सोच को विकसित करना भी शामिल होना चाहिए। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि शिक्षा का असली उद्देश्य मस्तिष्क को सोचने के लिए प्रशिक्षित करना है न कि केवल तथ्यों को याद रखना। शिक्षा प्रणाली में नवीनतम तकनीकों और पद्धतियों को शामिल कर शिक्षकों को भी नियमित रूप से अद्यतित और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे छात्रों को सबसे बेहतर तरीके से शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षकों का ज्ञान और प्रशिक्षण ही छात्रों को श्रेष्ठ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षा में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल शिक्षा, प्रायोगिक शिक्षा, शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण और अनुसंधान व विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। शिक्षा में नवाचार केवल छात्रों के भविष्य के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली में सुधार और नवाचार से ही हम एक प्रगतिशील और सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

– **अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

ट्रंप पर हमला

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर हुआ जानलेवा हमला हर लिहाज से दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। गनीमत है कि हमले में ट्रंप को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और वह सुरक्षित हैं। बैलेट से होने वाले चुनावों को बुलेट द्वारा बाधित करने के प्रयास विश्व के हर कोने में होने लगे हैं। अभी कुछ समय पहले ही जापान के भूतपूर्व प्रधानमंत्री की चुनावी भाषण के दौरान हत्या कर दी गई थी। उससे पूर्व भी इंदिरा गांधी व राजीव गांधी सहित विश्व के कई नेताओं पर जानलेवा हमले हुए हैं। अब समूचे विश्व के सभी राष्ट्रीय अध्यक्षों को मिलकर आतंकवाद को जड़ मूल से खत्म करना होगा। ट्रंप तो बच गए मगर फिर भी आतंकवादी मौके की तलाश में हर जगह मौजूद हैं। इस प्रकार बंदूक के जोर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को तहस-नहस करने के प्रयास अक्षम्य हैं। सुरक्षा व्यवस्थायें मजबूत करने तथा सुरक्षा बलों को आधुनिकतम तकनीकों से लैस करने के साथ लोकतांत्रिक समाजों में हिंसा और आतंकवाद पैदा होने के कारणों पर गंभीर विचार कर ऐसी परिस्थितियां बनानी होंगी जिनमें ऐसे तत्वों को विकास का अवसर ही न मिले। अब देखना होगा कि ट्रंप अपने देश में, खासकर नौजवानों में बंदूकों के आकर्षण से निपटने के बारे में क्या दृष्टिकोण अपनाते हैं।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

इमरान की मुश्किलें

इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उन पर सरकार विदेशी चंदा स्वीकार करने, गोपनीय दस्तावेज लीक करने, अमेरिका में गुप्त प्रस्ताव करने और 9 मई को पाकिस्तान में हुए दंगे कराने के मामले में केस शुरू करने की दिशा में आवश्यक कदम उठा रही है। इसके चलते इमरान खान पर देशद्रोह का आरोप और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीके इंसाफ - पीटीआई पर प्रतिबंध भी लग सकता है। इसका अर्थ है कि पाकिस्तान में राजनीतिक संघर्ष अपने चरम पर पहुंच गया है और एक भयावह स्थिति पैदा हो गई है। मौजूदा सरकार का मानना है कि पीटीआई और पाकिस्तान सरकार एक साथ काम नहीं कर सकती हैं। लेकिन विडंबना है कि पाकिस्तान सरकार तथा सेना के तमाम प्रयासों के बावजूद आम जनता में इमरान खान की लोकप्रियता बनी हुई है। इसके साथ ही पाकिस्तान में बढ़ती अराजकता, आतंकवाद व आर्थिक बदहाली न केवल उस देश, बल्कि भारत समेत सारी दुनिया के लिए खतरा पैदा कर रही हैं। विफल राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है जहां वह लगातार आतंकी भेज रहा है।

– **दत्तप्रसाद शिरोड़कर,** मुंबई

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

अगले 72 घंटे में पूरा कराएं कांवड़ यात्रा मार्गों की मरम्मत का शेष कामः मुख्यमंत्री

● सीएम योगी ने की कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 22 जुलाई से प्रारंभ हो रही पावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों की बुधवार को समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जलशक्ति, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री एवं राज्य मन्त्रिगणों की उपस्थिति भी रही।

पीडब्ल्यूडी, सिंचाई और नगर विकास विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि कावंड़ यात्रा से संबंधित हर जिले की हर सड़क की मरम्मत का शेष काम अगले 72 घंटे में पूरा कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे कांवड़ यात्रा रूट की साफ- सफाई कराई जाए। यह क्रम पूरे माह जारी रहना चाहिए। कहीं भी गंदगी अथवा जलभराव नहीं होनी चाहिए। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट हो, साथ ही पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर अच्छी प्रकाश व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगवाई जाएं, ट्रांसफार्मर की व्यवस्था भी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए यह उचित होगा कि यात्रा मार्ग पर आमजन के सहायतार्थ शिविर लगाएं। यहां शीतल पेय जल, शिकंजी वितरण आदि का भी प्रबंध हो। शिविर लगाने में सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए, यद्यपि शिविर संचालकों का सत्यापन जरूर करा लें। यात्रा मार्ग की ड्रोन से निगरानी कराई जाए और प्रमुख अवसरों पर पुष्पवर्षा भी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ियों द्वारा तय मानकों के साथ डीजे बजाया जाना चाहिए, लेकिन डीजे की ऊंचाई एक तय सीमा से अधिक न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, बस्ती, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी आदि के नगरीय क्षेत्रों में आस्था के केंद्र शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा मंदिर प्रबंधन से संपर्क-संवाद कर शिवालयों में भीड़ प्रबंधन कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगनहर में मृत जानवरों के प्रवाह की सूचना मिली है, इसे तत्काल रोका जाए।

कयासबाजी के बीच राज्यपाल से मिलने पहुंचे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा के अंदर चल रही बयानबाजी और अटकलों के बीच बुधवार शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से राजभवन में मुलाकात की। बताया जा रहा है कि सीएम योगी राज्यपाल से आगामी मानसून सत्र को लेकर चर्चा करने पहुंचे हैं। सरकार 29 जुलाई से विधानसभा का सत्र बुला सकती है। इसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दिलाने की तैयारी है। हालांकि राजभवन ने भेंट को शिष्टाचार करार दिया है।

राज्यपाल से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित छह स्वर्णिम पृष्ठ पुस्तक भेंट की। बता दें कि कार्यसमिति की बैठक के बाद भाजपा में कयासबाजी और अटकलों का दौर शुरू हुआ है। इस बैठक में डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने संगठन को सरकार से बड़ा बताया तो कई अटकलें लगाई जा रही थी। इसी बीच केशव भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने दिल्ली पहुंचे। इस मुलाकात को लेकर अटकलें चल रही थी कि केशव को संगठन में जगह दी जा रही है। जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। यह मुलाकात कई तरह की चर्चा को जन्म दे गई। इस बीच भूपेंद्र चौधरी ने आज पीएम मोदी से भी मुलाकात की है।

सोनभद्र के खंता पिकनिक स्पॉट के मेकओवर की तैयारियां शुरू

● उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन को सौंपी गई जिम्मेदारी, नए टूरिस्ट अट्रैक्शन के तौर पर किया जाएगा विकास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ सोनभद्र

उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश में पर्यटन विकास पर विशेष तौर पर फोकस कर रही है। एक ओर, प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों में पर्यटन विकास की तमाम सुविधाओं को विकसित करने के कारण यहां फुटफॉट बढ़ा है, दूसरी ओर प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य युक्त टूरिस्ट डेस्टिनेशंस को भी विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में, सोनभद्र जिले के म्योरपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खंता पिकनिक स्पॉट भी शामिल है। कुछ महीने पहले ही इस क्षेत्र को पिकनिक स्पॉट के तौर पर डेवलप करने के लिए मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिग (एमओयू) साइन हुआ था। ऐसे में, इस क्षेत्र के विकास के लिए सीएम योगी के विजन अनुसार एक विस्तृत कार्य योजना को क्रियान्वित तैयार की गई थी जिस पर अब कार्रवाई शुरू कर दी गई है। योगी सरकार द्वारा खंता पिकनिक स्पॉट क्षेत्र के विकास तथा मुख्य भवन समेत अन्य विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के निर्माण व विकास का जिम्मा उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन को सौंपा है। यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए शॉर्ट टर्म टेंडर के जरिए आवेदन मांगे गए हैं। इस प्रक्रिया से निर्माण व विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी का निर्धारण होगा जो कार्यावंटन के बाद वर्षा अवधि के अतिरिक्त 27 महीने में 3.65 करोड़ रुपए के व्यय से सभी कार्यों को पूर्ण करेगी। वह चिह्नित क्षेत्र में टूरिस्ट अट्रैक्शन सेंटर के तौर पर विकास के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करेगी। इस दौरान भवन निर्माण समेत कुल 283 प्रकार के कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना के अनुरूप, खंता पिकनिक स्पॉट क्षेत्र को टूरिस्ट अट्रैक्शन के तौर पर विकसित करने के लिए तमाम प्रक्रार की सुविधाओं से क्षेत्र को युक्त किया जाएगा। इसमें मॉडर्न जिम और चिल्ड्रेन प्लेइंग एरिया जैसी सिविक एमिनिटीज भी

श्रावण मास के दौरान शिवालयों में रहेगी पुख्ता सुरक्षा व्यवस्थाः डीजीपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बुधवार को कहा कि श्रावण मास में भक्तों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए सारे इंतजाम कर लिए गए हैं। शिवालयों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी।

डीजीपी ने बताया कि राज्य सरकार और पुलिस विभाग का सभी प्रमुख त्योहारों के बारे में पहले से ही एक बेसिक चीजें तय कर दी गई हैं कि सभी परम्परागत तरीके से की जाएगी। कोई भी नई परम्परा नहीं शुरू की जाएगी। इन्हीं मूल सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ते है और हम सभी धर्म गुरुओं और शांति कमेटियों के साथ बैठक करते रहते हैं। यही एक वजह है कि 2017 के बाद से समारोहों के दौरान शांति में किसी तरह की खलल नहीं पड़ी है। इस बार भी, राज्य सरकार के निर्देश पर, मैंने मुख्य सचिव के साथ तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए विभिन्न स्थानों का दौरा किया। उन्होनें कहा कि हमने राज्य सरकार के निर्देश पर जगह-जगह जाकर समीक्षा की है। हम मेरठ, अयोध्या और मथुरा भी गये है। कांवड़ यात्रा के दौरान जो डीजे चलते हैं और मोहर्रम के दौरान जो ताजिया बनते हैं, उनकी लंबाई को निर्धारित किया जाए। जिससे धार्मिक चीजों से किसी को असुविधा न हो और श्रद्धालुओं के किसी भी भावनाओं को ठेस न पहुंचे। यूपी में आज 15 हजार जुलूस हैं, सभी चीज़ें शांतिपूर्ण तरीके से हो रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था की बात की जाए तो 65 कंपनी पीएसी, आठ कंपनी सीरपीएफ के अलावा पुलिस फोर्स लगी हुई है। मोहर्रम के बाद श्रावण का एक महीने का त्यौहार चलेगा। पश्चिमी यूपी, रुहेलखंड, बरेली, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या और अन्य क्षेत्रों में जहां सोमवार को बड़ी भीड़ होती है, वहां सावन माह में पड़ने वाले 5 सोमवारों को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्था की गई है। इसको देखते हुए सारी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी। डीजीपी ने कहा कि बुलडोजर को लेकर कुछ लोगों ने भ्रांतियां फैला रखी हैं। पहली चीज यह कि बुलडोजर का इस्तेमाल किसी गरीब व्यक्ति के खिलाफ नहीं किया जाता। अगर कोई भी व्यक्ति गरीब के खिलाफ बुलडोजर का उपयोग करता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य के अनुकूल होगी धान और गेहूं की खेती, घटेगी लागत, बढ़ेगी उत्पादकता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (इरी) के सहयोग से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान और गेहूं की खेती भविष्य के अनुकूल होगी। इससे खेती की लागत घटेगी और उत्पादकता बढ़ेगी। इरी ने इस दिशा में महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) चौक माफी पीपीगंज और गोरखनाथ मंदिर के चौक बाजार (महराजगंज) स्थित 500 एकड़ के फार्म के साथ अनुसंधान परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। इस परियोजना के सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। इरी ने महायोगी केवीके चौक माफी और चौक बाजार, महराजगंज स्थित फार्म के एक हिस्से पर इस सीजन में धान की सीधी बुआई कराई। इससे खर पतवार से मुक्ति तो मिली ही है, रोपाई का खर्च भी बच गया है।

इरी के साउथ एशिया रीजनल सेंटर (वाराणसी) के डायरेक्टर डॉ. सुधांशु सिंह के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की एक टीम ने बुधवार को चौक बाजार स्थित फार्म पर धान की खेती का निरीक्षण किया और अब तक किए गए प्रयोग/अनुसंधान के परिणाम का मूल्यांकन किया। निरीक्षण और मूल्यांकन के बाद डॉ. सुधांशु सिंह ने बताया कि फार्म के एक हिस्से पर समय रहते मशीन से धान की सीधी बुआई कराई गई थी। इसके कारण फसल में खर पतवार नहीं लगे हैं। सीधी बुआई से रोपाई की लागत बच गई है। रोपाई में खर पतवार का पनपना आम समस्या भी है। उन्होंने बताया कि समय पर धान की सीधी बुआई करा दी जाए तो प्रति एकड़ 10 से 15 हजार रुपये की लागत कम हो जाएगी। साथ ही खर पतवार की समस्या से भी निजात मिल जाएगी। इरी के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, महायोगी गोरखनाथ केवीके के साथ मिलकर धान की ऐसी खेती की प्रविधि पर काम कर रहा है जिससे मीथेन का उत्सर्जन कम हो, खाद और सिंचाई की लागत घटे और उत्पादकता में गुणात्मक और मात्रात्मक वृद्धि हो। इसके लिए धान की कई किस्मों को लेकर अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अनुसंधान में यह बात सामने आई है कि गेहूं की बुआई समय पर होनी चाहिए। 15 नवंबर के बाद गेहूं की बुआई करने पर 40 से 45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर प्रति दिन की उत्पादकता गिरती है। डॉ. सुधांशु ने बताया कि इरी पूर्वी उत्तर प्रदेश में सहफसली और मिश्रित खेती को लेकर भी विशेष परियोजना पर काम कर रहा है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के साथ कालानमक धान की खेती पर अनुसंधान किया जा रहा है। साथ ही उन्नत, क्लाइमेट स्मार्ट और बायोफर्टिफाइड धान की किस्मों को भी, जिसमें हाई जिंक प्रमुख है, को वर्टिकल कैफेटेरिया में भी लगाया गया है। सभी परियोजनाओं के प्रारंभिक परिणाम सुखद और उत्साहवर्धक आए हैं। चौक बाजार स्थित फार्म पर धान की खेती का निरीक्षण करने के दौरान डॉ. सुधांशु सिंह के साथ भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, इरी के सीनियर एसोसिएट साइंटिस्ट डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, महायोगी गोरखनाथ केवीके चौक माफी के अध्यक्ष डॉ. आरके सिंह, वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव आदि भी मौजूद रहे।

बिजली भी पैदा करेगा, पर्यावरण भी बचाएगा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दशकों तक उपेक्षा का दंश झेलने वाले बुंदेलखंड में सुनियोजित और सस्टेनेबल डेवलपमेंट लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा जग-जाहिर है। एक तरफ यहां करीब 36 हजार एकड़ भू-क्षेत्र में नया औद्योगिक शहर बसाने के लिए शासन की कवायद जारी है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के सबसे लंबे सोलर पार्क को भी बुंदेलखंड से होकर गुजरने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर विकसित किया जाना है। करीब 1700 हेक्टेयर में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे इस सोलर पार्क को विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज़ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की देखरेख में इसे बी.ओ.ओ. यानी बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट मॉडल पर विकसित किया जाएगा। बता दें कि बीते साल अगस्त में यूपीडा की ओर से इसके प्री-फिजिबिलिटी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया गया था, जिसमें 9 संस्थाओं की ओर से प्रेजेंटेशन दिया गया था। इनमें से मेसर्स ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट ने इसी साल फरवरी में अपनी विस्तृत रिपोर्ट यूपीडा के अधिकारियों के सामने पेश की थी, जिसे हाल ही में मुख्यमंत्री के समक्ष यूपीडा के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस पूरे क्षेत्र को सोलर फार्म के रूप में स्थापित करके इसे सोलर एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित करना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार यूपीडा की ओर से इस सोलर पार्क के लिए 17 सौ हैक्टेयर भूमि उपलब्ध है।

हापुड़ के एसपी व एएसपी हटाए गए

लखनऊ। शासन ने मंगलवार देर रात तीन आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। इसमें हापुड़ के एसपी और वर्ष 2016 बैच के आईपीएस अफसर अभिषेक वर्मा को हटा दिया गया। अभिषेक को प्रतिक्षारत करते हुए पुलिस मुख्यालय से अटैच किया गया है। उनके स्थान पर 2000 बैच के आईपीएस कुंवर ज्ञानंजय सिंह को हापुड़ का नया एसपी बनाया गया है। ज्ञानंजय गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी थे। वहीं 2000 बैच के ही राजेश कुमार को डीसीपी गाजियाबाद बनाया है। हापुड़ के एडिशनल एसपी राजकुमार अग्रवाल को भी हटाया गया। उनकी जगह विनीत भटनागर को तैनाती मिली है। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को पिलखुवा थानांतर्गत स्थित एक मेडिकल कॉलेज में पुलिस से विवाद की घटना हुई थी। उस समय एडिशनल एसपी भी मौजूद थे। इसके बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने इसकी शिकायत लखनऊ सीएम कार्यालय में की गई थी। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद स्थानान्तरण की कार्रवाई की गई।

उपचुनावों के मद्देनजर भाजपा शिक्षकों के मामले में पीछे हटी हैः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को पांचवी आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए केन्द्र सरकार पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी को तीन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने और उत्तर प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का दावा तो करती हैं किन्तु यह नहीं बताती है कि विकसित राष्ट्रों की तुलना में भारत की स्थिति क्या है? केन्द्र बताए प्रति व्यक्ति आय क्या है और केन्द्र से मदद कितनी मिलनी है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव बुधवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय के डॉ. लोहिया सभागार में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के निर्णय जनविरोधी हैं। शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को स्थगित करने और शहर के कुछ आवासीय स्थलों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही टाल देने में भाजपा की चाल है। उपचुनावों के मद्देनजर ही वह पीछे हटी है। ये निर्णय टालकर सभी को धोखा दिया गया है। वस्तुत: भाजपा सरकार घबराई हुई है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था चौपट है। बाढ़ में जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है। समय से राहत नहीं दी गई है। उसने शानदार गोमती रिवरफ्रन्ट खराब कर दिया है। भाजपा नाले को नदी और नदी को नाला बनाने का काम करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बिखर चुकी है। उसकी राजनीतिक साख भी दांव पर है। वे बेदम है। भाजपा में कुर्सी की लड़ाई चल रही है। खुद मुख्यमंत्री जी अपनी सरकार में दलाली की बात स्वीकार करते हैं। भाजपा के पदाधिकारी और विधायक प्रदेश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लूट के आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री सब जानते हुए उस पर रोक क्यों नहीं लगाते हैं।

जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान सपा में शामिल

समाजवादी पार्टी की नीतियों, कार्यक्रम तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए लखनऊ जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य विजय बहादुर यादव ने बुधवार को अपने तमाम साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। विकास खण्ड बख्शी का तालाब (बीकेटी) लखनऊ के कई दर्जन प्रधान भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। अखिलेश यादव ने कहा समाजवादी पार्टी में शामिल होने से संविधान बचाने के लिए पीडीए की लड़ाई में जो मदद मिली उससे मोहनलालगंज क्षेत्र में समाजवादी पार्टी उम्मीदवार को ऐतिहासिक जीत हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन साथियों की मदद से आगे भी समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी। समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख ग्राम प्रधानों में वीरेन्द्र सिंह यादव गोइला प्रधान, शैलेन्द्र सिंह यादव देवी रूखारा प्रधान, अरूण सिंह यादव टिकरी प्रधान, उमेश यादव सुभाननगर प्रधान, राम सिंह मुसा पिपरी प्रधान, नरेन्द्र सिंह आधारखेड़ा प्रधान, श्याम शंकर यादव गुडम्बा पूर्व बीडीसी, वीरेन्द्र सिंह यादव अचरामऊ प्रधान, बृजनंदन यादव सरसवा प्रधान, शिवकुमार गांधी चन्द्राकोडर प्रधान, अनिल कुमार संसारपुर प्रधान, सुरेन्द्र रावत बीबीपुर प्रधान, आशीष पाल मडौली प्रधान, लक्ष्मी नारायण कपासी प्रधान, राम विलास सुवंशीपुर प्रधान, राकेश मझोरिया प्रधान, महेन्द्र सिंह हरदौसपुर प्रधान, देशराज रावत जलालपुर प्रधान, विष्णु चौरसिया किशुनपुर प्रधान, आजाद अंसारी अटेसुवा प्रधान, शाहबत अली पैकरामऊ प्रधान, भीम यादव खोजेकपुरवा प्रधान, गुड्डू लोधी घिचेहरी प्रधान, ओम लोधी नगुवामऊ प्रधान, रंजीत मोहम्मदपुर गढ़ी प्रधान, आदि शामिल है।

कोविड काल में नियुक्त एनएचएम कर्मी नहीं हटेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर बुधवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा श्रम मंत्री अनिल राजभर से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान स्थानांतरण, वेतन विसंगति, नियुक्ति में प्राथमिकता, कोविड काल के भती कर्मियों का समायोजन जैसी मांगों को लेकर हुई बातचीत हुई। यह जानकारी देते हुए महामंत्री योगेश उपाध्याय ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ बैठक में बिन्दुवार चर्चा में कार्मिकों के स्थानांतरण के विषय पर उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली बैठक में उपलब्ध कराई गई पत्रावली के आधार पर मुख्यमंत्री से स्थानांतरण के लिए अनुमोदन ले लिया गया है। इसके तहत अभी म्युचुअल पर स्थानांतरण की सहमति बनी है, जबकि अन्य रिक्त पदों पर स्थानांतरण की व्यवस्था के प्रयास जारी हैं, इसी वजह से थोड़ा विलंब हो रहा है। योगेश उपाध्याय ने हालांकि स्थानांतरण मसले पर कर्मचारियों से 30 जुलाई तक इंतजार करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वेतन विसंगति पर डिप्टी सीएम को अवगत कराया गया कि 2016 से बजट आ रहा है मगर उसका उपयोग नहीं हो पाया है।

योगेश ने बताया कि मध्य प्रदेश की भांति सभी कर्मचारियों के लिए एक नीति निर्धारित करते हुए ग्रेड पे निर्धारित किये जाने पर सहमति बनी है, इसके लिए जल्द ही एक समिति का गठन होगा, इस समिति में संगठन का प्रतिनिधि भी शामिल होगा। समिति वेतन विसंगति पर कार्य करेगी और मुख्यमंत्री के अनुमोदन उपरांत समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उपाध्याय ने बताया कि इसी प्रकार कोविड कर्मचारियों के समायोजन पर बताया गया कि अधिकांश कर्मचारियों की व्यवस्था कर दी गई है, लगभग 2200 कर्मचारी बचे हैं जिन्हें समायोजित करने की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम को लिखा पत्र

भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए ध्यान आकृष्ट कराया

● ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती 2021 के अभ्यर्थियों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मिलकर साझा की पीड़ा, सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

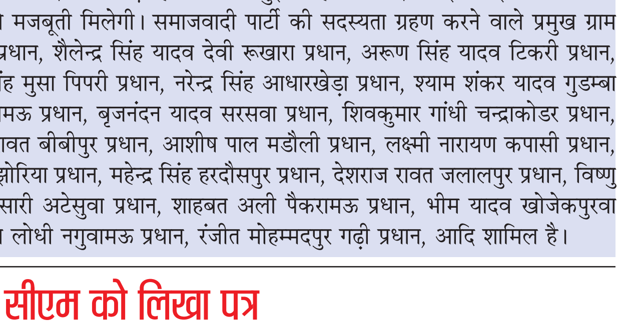

ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती 2021 के अभ्यर्थियों के एक 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय से मिलकर अपनी परेशानियां साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने राय को इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा। उनके समक्ष अपनी बात रखते हुए बताया कि ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती 2021 जिसकी परीक्षा 17 अक्टूबर 2021 को हुई तथा परिणाम 17 नवम्बर 2021 को जारी किया गया। परीक्षा में सम्मिलित कुछ अभ्यर्थियों द्वारा आए हुए परिणाम से असहमत होकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में रिट भी दायर की गई। जिस पर न्यायालय के आदेश पर 6 सितम्बर 2022 को परिणाम पुन: दोबारा घोषित किया गया। अभ्यर्थियों द्वारा दोबारा जारी किये गये परिणाम को लेकर पुनः रिट याचिका दायर की गयी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। अत: अब घोषित परिणाम के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं है मगर शासन स्तर पर इस प्रक्रिया को जानबूझकर टाला जा रहा है। प्रतियोगी छात्र समिति से जुड़े आदेश शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बताया कि इसी प्रकार टीजीटी-पीजीटी 2022 की भर्ती परीक्षा, असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती, प्राइमरी भर्ती, एलटी परीक्षा जो कि अभी भी लंबित है जिसे कराने में सरकार हीला हवाली कर रही है। ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए अजय राय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद 6 सितम्बर 2022 को ऐडेड जूनियर शिक्षक भर्ती के पुन: घोषित किये गये परिणाम के बाद इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का न्यायालय हस्तक्षेप न होने पर इस भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने हेतु उनका ध्यान आकृष्ट कराया। और कहा कि भर्ती प्रक्रिया में सरकार का ढुलमुल रवैया अभ्यर्थियों के प्रति संवेदनहीनता को दर्शाता है।

आने वाले कुछ वर्षों में बाजारों में होगी यूपी के लीची की बहार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● योगी सरकार बागवानी को लगातार दे रही प्रोत्साहन स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

आने वाले कुछ वर्षों में बाजार में सिर्फ बिहार ही नहीं उत्तर प्रदेश के लीची की भी बहार होगी। बिहार के जिन जिलों (मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और चंपारन आदि) में लीची की खेती होती है उनकी कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) कमोबेश यूपी के पूर्वांचल के ही समान हैं। ऐसे में स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में पूर्वांचल की ही भूमिका अग्रणी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी गृह जनपद पूर्वांचल का गोरखपुर ही है। ऐसे में सरकार और इसकी कृषि संस्थाओं का भी लीची की खेती पर खास फोकस है।

लीची के पौधों के रोपण में विशेष सावधानी रखें। जिस गड्ढे में लीची के पौधे का रोपण किया जाए उसमें लीची के पुराने पेड़ के नीचे की मिट्टी अवश्य डालें। इसमें माइक्रोराइजा पाया जाता है जो लीची के नए पौधों की बढ़वार के लिए अति आवश्यक है। इससे लीची के पौधों के मरने की आशंका कम रहती है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार गोरखपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एसपी सिंह के अनुसार पूर्वांचल के कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुसार किसानों को कुछ खास प्रजातियों के रोपण की सलाह दी जाती है। ये सात प्रजातियां हैं रोज सेंटेड, शाही, चाइना, अर्ली वेदाना, लेट बेदाना, गांडकी संपदा और गांडकी लालिमा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत चयनित इस केंद्र का प्रयास है कि किसानों को बेहतर फलत वाले गुणवत्ता के पौध मिलें। इसके लिए हर प्रजाति के कुछ पौधे भी लगाए गए हैं। इनमें से श्रेष्ठतम गुणवत्ता के पेड़ से नर्सरी तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलपमेंट एसोसिएशन नामक संस्था टाटा ट्रस्ट, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर और कृषि विज्ञान केंद्र कुशीनगर की मदद से यह काम पिछले कुछ वर्षों से कर रही है। संस्था के प्रमुख वीएम त्रिपाठी के अनुसार जरूरत के अनुसार वे संबंधित संस्थाओं से प्लांटिंग मैटेरियल, तकनीकी और अन्य सहयोग लेते हैं। अब तक उनकी संस्था की मदद से शाही और चाइना लीची के करीब 40 से 50 एकड़ बाग लगाए जा चुके हैं। किसान इनमें सीजन के अनुसार सहफसल भी लेते हैं। डॉ. एसपी सिंह के अनुसार लीची के नवरोपित बाग में लाइन से लाइन और पौध से पौध के बीच की खाली जगह में किसान सीजन के अनुसार सहफसल भी ले सकते हैं। मसलन शुरुआत के कुछ वर्षों में फूलगोभी, पत्तागोभी, मूली, गाजर, मेंथी, पालक, लतावर्गीय सब्जियां उगाई जा सकती हैं। जब पौधों की छांव अधिक होने लगे तो छायादार जगह में हल्दी, अदरक और सूरन की खेती भी कर सकते हैं। ऐसा करने से बागवानों की आय तो बढ़ेगी ही, सहफसल के लिए लगातार देखरेख से बाग का भी बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। कलांतर में इसका लाभ बेहतर फलत और फलों की गुणवत्ता के रूप में मिलेगा। लीची को फलों की रानी भी कहते हैं। सुर्ख लाल रंग। रस इतना कि छिलका उतारने के साथ ही टपकने लगे। मिठास से भरी लीची को इन्हीं खूबियों के कारण फलों की रानी कहा जाता है। बाजार में आने पर भी लीची का जलवा रानी जैसा ही होता है। मात्र दो तीन हफ्ते के लिए लीची बाजार में आती है और छा जाती है। यह एकमात्र फल है जिसका थोक कारोबार तड़के शुरू होता है और दिन चढ़ने के साथ ही सारा माल खत्म। मसलन लीची को लेकर बाजार कभी समस्या नहीं रहा।

मादक पदार्थ की बड़ी रिकवरी 1000 कुंतल गांजा बरामद

● 15 करोड़ की संपत्ति अवैध मादक पदार्थ के तस्करों से जब्त तथा 10 करोड़ की लक्जरी गाड़ियां की गई जब

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में पुलिस अधीक्षक बांदा और चित्रकूट धाम मंडल के डीआईजी की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांदा को नशा मुक्त बनाने हेतु 15 करोड़ की संपत्ति नशा व्यापारियों की जप्त की और लगभग 10 करोड़ की लग्जरी गाड़ियां जप्त की लगभग 1000 कुंतल गांजा बरामद किया जनपद को नशा मुक्त बनाने तथा नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु शुरू किया गया ऑपरेशन ईगलष्। आपरेशन ईगल के तहत अवैध मादक पदार्थो की बिक्री करने वाले गिरोह की पूरी चेन पर की जायेगी कार्यवाही। पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह भी बताया कि डिग्री कॉलेज में और इंटर कॉलेज में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर शक्ति से रोक लगाई जाएगी भारत सरकार और प्रदेश सरकार मिलकर बांदा को नशा मुक्त बनाने का दृढ़ संकल्प लिया है अवैध मादक पदार्थों का अभियुक्त कितना भी पावरफुल हो उसे छोड़ नहीं जाएगा हालांकि यह भी सच्चाई है बांदा में उड़ीसा हैदराबाद आंध्र प्रदेश मध्य प्रदेश पंजाब हरियाणा से भयंकर तरीके से तस्करी की जाती है इन्हें हर हाल में रोका जाएगा और हम रोक भी रहे हैं।

क्षेत्राधिकारी अपराध, एसओ जी. सर्विलांस एवं लोकल थाना की इंटीग्रेटेड टीम ऑपरेशन ईगल के तहत अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वालो पर करेगी कार्यवाही। अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले तथा उसमें किसी भी तरह से शामिल अभियुक्तों पर गैगेस्टर एवं पिट एनडीपीएस अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए अवैध सम्पत्ति को किया जायेगा कुर्क साथ ही ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत नये कानून के प्रावधानो के अन्तर्गत दिलायी जायेगी कठोर सजा। मुख्यमंत्री उप्र शासन द्वारा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही हेतु जारी किये गये आदेशो एवं निर्देशो के क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन प्रयागराज भानू भास्कर के मार्गदर्शन व पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा श्री अजय कुमार सिंह के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक बांदा श्री अंकुर अग्रवाल के नेतृत्व में जनपद बांदा को नशा मुक्त बनाने तथा अवैध मदक पदार्थो की तस्करी करने वाले गिरोहो पर कठोर कार्यवाही करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान ऑपरेशन ईगल शुरू किया गया है।

ऑपरेशन ईगल के तहत न सिर्फ केवल जनपद में अवैध मादक पदार्थ लाकर बिक्री करने वाले गिरोहो पर बल्कि उनसे जुडी प्रत्येक कड़ी पर कार्यवाही की जायेगी। अवैध मादक पदार्थो की बिक्री करने वाले छोटे.छोटे अभियुक्त से लेकर तस्करी की चेन में ऊपर सप्लाई कर रहे अभियुक्तों के विरूद्ध भी कठोर कार्यवाही की जायेगी चाहे जनपद बांदा या उनके आस.पास के जनपदो में बैठे हो या अन्य किसी दूसरे राज्य में पुलिस अधीक्षक बांदा के निर्देशन में चलाये जा रहे ऑपरेशन ईगल का उद्देश्य नशे के दलदल में फंसते जा रहे जनपद के युवाओ को बाहर निकलाकर जनपद को नशा मुक्त बनाना तथा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोहो जड़ से खत्म करना है।

अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी अपराध, एसओजी, सर्विलांस एवं लोकल थानो को मिलाकर एक समर्पित टीम का गठन किया गया है जो वॉडीवार्न कैमरो तथा अन्य तकनीकि संशाधनो से युक्त रहेगी जो ऐसे अपराधो पर कार्यवाही करेगी। ऑपरेशन के तहत जनपद में अवैध मादक पदार्थो की छोटे पैमाने पर बिक्री करने वाले अभियुक्तों के साथ.साथ उनसे जुडे अभियुक्तों जो अवैध मादक पदार्थो की सप्लाई करते है को कार्यवाही के दायरे में लाया जायेगा।

दो पक्षों में हुई जमकर फायरिंग, गांव में दहशत, पुलिस ने शुरु की जांच पड़ताल

संवाददाता। मौदहा, हमीरपुर

क्षेत्र के ग्राम परछा में मंगल वार की देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। गांव में अलाव देख रहे लोगों के अलावा आसपास मौजूद किसी अनहोनी की आशंका को लेकर अपने घरों में दुबक गए। घटना की जानकारी होते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि इस मामले में एक पक्ष ने कोतवाली में तहरीर सौंप आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र मौदहा का ग्राम परछा झगड़ा व अपराधिक कृत्यों के चलते काफी चर्चित है। मंगलवार की देर रात गांव में जब अलाव का कार्यक्रम संपन्न हो रहा था तभी देर रात गांव की गली में फायरिंग की आवाज सुन अलाव देख रहे ग्रामीण व आसपास मौजूद लोग अपनी सुरक्षा की दृष्टि से अपने घरों में जाकर दुबक गए। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है वही घटना के बाद गांव के मुइनुद्दीन उर्फ जुम्मु ने गांव के ही इरफान व उसके साथियों पर नाजायज असलहों से फायरिंग कर उसे जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है हालांकि गांव में चर्चा है कि यह फायरिंग दोनों पक्षों की ओर से हुई है इस मामले को लेकर कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज का कहना है कि घटना की जांच पड़ताल के बाद आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस से लिखित शिकायत करने जाता युवक

शासन से भूमि संरक्षण विभाग के पांच साल के कार्यों की टीएसी जांच के आदेश

हमीरपुर। शासन स्तर से स्थानीय भूमि संरक्षण विभाग की तीन इकाईयों के पांच साल के कार्यों की टीएसी जांच के आदेश होने से विभागीय अफसरों की नीद उड़ गयी है। चारो तरफ से फंसते देख बचाव के रास्ते खोजे जा रहे है। राठ इकाई के बीएसए इन दिनों बनारस में तैनात है। मामले की शिकायत राज्य सभा सांसद ने सीधे कृषि मंत्री से की थी।

नमी संरक्षण के नाम पर जिले में भूमि संरक्षण विभाग प्रथम,दिवतीय व राठ इकाई ने पांच साल में करोड़ो रुपये खर्च किये है राज्य व केंद्र सरकार के धन का जमकर दुरुपयोग हुआ है। बंधी के ऊपर बंधी बनाना, कुलावे व मेडबंधी बनाने के नाम पर जमकर धांधली की गयी है यही नही किसानों द्वारा जो शिकायते की गयी थी उस पर कोई ध्यान नही दिया गया है। किसानों के खेतों में नमी संरक्षण, खेत तालाब योजना,कृषि समृद्धि योजना, डव्ल्यू डीसी पीएमकेएसवाई, नमसा व अन्य तमाम कार्य भूमि संरक्षण इकाई प्रथम व दिवतीय एवं राठ इकाई द्वारा किया जा रहा है। कई सालों तक राठ इकाई व हमीरपुर इकाई का कार्यभार अशोक यादव संभाले रहे है और जमकर धाधली की गयी यही नही बनारस ट्रांसफर होने के बाद भी श्री यादव कई महीने तक हमीरपुर का कार्यभार नही छोड़ा और वही से काम करते रहे। बाद में शासन के हस्तक्षेप करने के बाद कार्यभार छोड़ा था,उसी समय जमकर धांधली की गयी थी, अशोक यादव के वित्तीय अनियमतिता करने की शिकायत डीडी कृषि भी लिख चुके है यही नही मंडलीय अधिकारी संयुक्त कृषि निदेशक ने भी इनकी लिखित शिकायत की थी मगर उनके ऊपर कोई असर नही पड़ा है। विभागीय नेटवर्क इतना मजबूत है कि एक मर्तवा मामले की जांच डीएम हाल ही मे करा चुके है मगर जांच अधिकारियों से मिलकर भूमि संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने अपने पक्ष में रिपोर्ट लगवा ली थी हालाकि उसी जांच रिपोर्ट को आधार मानकर अधिकारी अपने को पाक साफ बनने का प्रयास कर रहे है मगर शासन स्तर पर टीएसी जांच को रोक पाने में अधिकारी सफल नही हो पा रहे है। शिकायत राज्य सभा सांसद बाबूराम निषाद ने सीधे कृषि मंत्री से की थी,कृषि मंत्री में मामले को गंभीरता से लेते हुये पांच सालों के कार्यों के समस्त कार्यों की जांच टीएसी लखनऊ से कराने के आदेश कर दिये है। हालाकि यहां के विभागीय अधिकारी लखनऊ में टीएसी के अफसरों को रोकने का बहुत प्रयास किया है मगर सफल नही हो पा रहे है। जिससे तीनों इकाईयों के अफसरो के होश उड़ गये है। हालाकि भूमि संरक्षण विभाग के बीएसए बीरचंद पटेल ने तो शासन को लिखकर दे दिया हैकि उनके इकाई की जांच करा ली जाये क्योकि उनका रिटायरमेंट होने वाले है वह जांच में पूरा सहयोग करेगे।

टीएसी के डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि हर हाल मे होगी हमीरपुर में टीएसी जांच

हमीरपुर। टीएससी लखनऊ के डिप्टी डायरेक्टर व यूपी हेड आरके सिंह ने बुधवार को बताया कि हमीरपुर में टीएसी जांच लोकसभा चुनाव के कारण रुक गयी थी मगर हर हाल में अगस्त या सितम्बर में जांच की जायेगी। पांच साल में जो जो कार्य हुये है वह सभी जांच किये जायेगे। इसके लिये अभिलेख मांगे जायेगे क्योकि विभाग दवारा जो तालाब बनाये गये है उनमे अभी पानी भरा होगा इसलिये थोडा जांच मुश्किल होगी मगर फिर भी जांच करायी जायेगी श्री सिहं ने बताया कि करीब पच्चीस फीसदी कार्यों की जांच तो पहले टीएसी कर चुकी है मगर शेष कार्य तो टीएसी टीम देखेगी। जांच में जो भी गड़बडी पायी जायेगी तो संबंधित अधिकारी से रिकवरी करायी जायेगी।

केएसवाई में किसी को नही है जानकारी कहा हो रहा है काम

हमीरपुर। दो साल से सरकार द्वारा संचालित केएसवाई विभागीय अफसरों के लिये बरदान सावित हो रही है, हर साल प्रत्येक इकाई के लिये 75-75 लाख रुपये का बजट बंधी बांधने के लिये मिल जाता है मगर कार्य कहां हो रहे है इसकी जानकारी न तो ग्राम प्रधान को है न ही किसी किसान को है। भूमि संरक्षण अधिकारी अपने स्तर से इस बजट को खर्च कर लेते है,यह योजना पांच साल तक जिले में संचालित की जायेगी।

सपा नेता की दबंगई के विरुद्ध ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

● लाखों रुपए हड़पने का लगाया आरोप, सीएम सहित उच्चाधिकारियों से की शिकायत, नतीजा सिफर

गुरसहायगंज (कन्नौज)। सपा के एक कद्दावर नेता पर ग्रामीणों ने अमानत में खयानत करने एवं लाखों रुपए हड़पने का आरोप लगाते हुये प्रदर्शन कर एक बार फिर कार्यवाही किये जानें की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेज कर कार्यवाही की मांग की लेकिन सुनवाई नही हुई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तेरा जाकेट निवासीगण अवध बिहारी अवस्थी पुत्र जागेश्वर प्रसाद, सुमन देवी पत्नी अवध बिहारी, संजीव दुबे पुत्र रामविलास, रजनीकांत सूर्यकांत ललित कांत पुत्रगण सुरेश दत्त द्विवेदी एवं गौरव आदि ने वरिष्ठ सपा नेता/अखिलेश के बेहद करीबी जयकुमार तिवारी बउवन पर अमानत में खयानत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार में 2015 में जयकुमार तिवारी ने उक्त लोगों से उनकी जमीन की किरायेदारी का एग्रीमेंट कराया था। जिसमें यह तय हुआ था की उक्त जमीन का किराया प्रति वर्ष एक लाख 51 हजार रुपए खेत मालिकों को देंगे। एग्रीमेंट के उपरांत एक वर्ष का किराया खेत मालिकों को दिया गया। खेत मालिकों ने कहा कि जयकुमार तिवारी की मीनाक्षी ट्रेडिंग कंपनी के नाम से फर्म है जिस नाम से वह ठेकेदारी करते हैं। उन्होंने उनके खेतों में हॉट मिक्स प्लांट की मशीनें व धर्मकांटा लगाकर कई वर्ष काम किया। उनपर करीब 35 लाख रुपए किराया बाकी है। जब उक्त गणों द्वारा किराए के पैसे की मांग की गई तो उन्हें सपा नेता द्वारा लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सपा नेता के दुव्यवहार से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इससे पहले ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री सहित पुलिस महानिरीक्षक, जिलाधिकारी कन्नौज, थाना दिवस, तहसील दिवस, स्थानिय कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र लेकर न्याय की गुहार लगा चुके हैं। लेकिन कहीं भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

सपा नेता द्वारा कब्जा की गई जमीन पर रखा प्लांट का समान व प्रदर्शन करते ग्रामीण।

करंट की चपेट में आकर किसान की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मवइया गांव मे पंखा चालू करते समय करंट की चपेट में आकर अधेड़ किसान गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों को जानकारी हुई तो तुरन्त उसको इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मवईया गांव निवासी स्वर्गीय महावीर का 60 वर्षीय पुत्र हरिश्चंद्र आज सुबह अपने खेतों पर काम करने गया था। वहां से वापस घर आने के बाद खाना पीना खाकर आराम करने जा रहा था। तभी पंखा चालू करने के लिए जैसे ही उसने बोर्ड में हाथ लगाया तभी वह बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों को जानकारी हुई तो तुरंत घटना की सूचना सरकारी 108 एंबुलेंस को दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने उसको इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस में रखवा दिया।

क्विक न्यूज

अवर अभियंता ने दी धमकी, 30 हजार दो नहीं तो दर्ज करा देंगे एफआईआर, आडियो वायरल

फर्रुखाबाद। विद्युत विभाग के अवर अभियंता की रिश्वतखोरी की एक कथित आडियो वायरल हो रही है। वह 30 हजार रूपये की रिश्वत न देनें पर एफआईआर की धमकी दे रहा है। डीएम से शिकायत की गयी है। विद्युत उपकेन्द्र अमृतपुर प्रथम, उपखंड राजेपुर के संविदा कर्मी नीरज राजपूत, दीपक राजपूत, अमन राजपूत, प्रवेश राजपूत नें जिलाधिकारी से शिकायत की। अवर अभियंता होरी लाल वर्मा आये दिन उन्हें परेशान किया जाता है। अबैध बसूली करने का दबाब बनाते हैं। अबैध बसूली करनें के लिए कर्मचारियों नें मना किया तो 21 जून को कायमगंज डिविजन के विद्युत उपकेंद्र हुसैनपुर तराई व हजियापुर में तबादला कर दिया। तबादला किये गये कर्मियों ने जाने से आपत्ति की है। अमृतपुर विद्युत उपकेंद्र पर पिछले एक साल से शीशराम नाम का एक फर्जी कर्मी तैंनात है। कर्मियों ने आरोपी अवर अभियंता की कथित आडियो वायरल भी उपलब्ध करायी है। वह 30 हजार रूपये न देनें पर मुकदमा दर्ज करानें की धमकी दे रहा है।

घरेलू कलह से आजिज आकर मजदूर ने फांसी लगाकर दी जान

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली के टोला गांव में एक मजदूर ने घरेलू झगड़े के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। चित्रकूट के भरकूप निवासी श्याम सुंदर ने बताया कि उसके पिता 60 वर्षीय भरत लाल पुत्र भोला व उसकी मा सुनीता कोतवाली के टोला गांव में धान की फसल लगाने के मजदूरी पर 25 दिन पहले आए थे। उसके पिता आए दिन मां के साथ झगड़ा फसाद करते थे। मंगलवार को उसके पिता ने टोला गांव के बाहर नीम के पेड़ से फांसी लगाकर जान दे दी है।

ससुराल आए युवक का खेत से शव बरामद, हत्या का आरोप

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम महावतपुर असहट अपनी ससुराल गए 34 वर्षीय युवक का बुधवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने खेत से शव बरामद किया है। मृतक के चाचा ने ससुरालीजनों पर जबरन जहर खिलाकर मार डालने का आरोप लगाया है। असोथर थाना क्षेत्र के केवटरा मजरे सातों जोगा निवासी विजय कुमार निषाद का पुत्र अमित कुमार मंगलवार की शाम चार बजे अपनी ससुराल गया था। पुलिस ने शव बरामद करते हुए विच्छेदन गृह भेजा है। कल शाम 06.30 बजे उसके भतीजे का फोन आया कि ससुराल वाले उसे जान से मारना चाह रहे हैं, जब हम लोग मौके पर पहुंचे तो ससुराल वालों ने बताया कि वह शौचक्रिया के लिए गया था। काफी देर बीत जाने के बाद भी वह नहीं आया तो खोजबीन शुरू कर दी लेकिन कोई सुराग न लगा। पुलिस ने शव बरामद किया है। भतीजे को ससुरालीजनों ने जहर खिलाकर मार दिया है।

घर से निकले वृद्ध का मिला शव

फतेहपुर। घर से निकले 60 वर्षीय वृद्ध का शव नौबस्ता रोड नहर पक्की झाल के किनारे से मंगलवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद कर विच्छेदन गृह भेजा है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के कठेरवा गांव निवासी स्व. शिव मंगल का पुत्र शिवलाल मंगलवार की सुबह साइकिल लेकर घर से निकल गया था। देर रात वापस न आने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन की लेकिन कोई सुराग न लगा। ग्रामीणों की सूचना पर नौबस्ता रोड नहर पक्की झाल के किनारे से वृद्ध का शव बरामद हुआ है। वही पास में ही उसकी साइकिल मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया है। मृतक के भाई ने घटना को संदिग्ध बताया है।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के अल्लीपुर एनएच-2 में मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से लगभग 62 वर्षीय वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के नंदौली गांव निवासी स्व. शिवशंकर का पुत्र सिद्धनाथ कल्यानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौहार के आलू स्टोर में काम करता था। देर रात वह किसी काम से मलवां आया था। तभी अल्लीपुर के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

गश खाकर तालाब में गिरी महिला, मौत

फतेहपुर। राधानगर थाना क्षेत्र के ग्राम बसावनपुर में बुधवार की दोपहर कूड़ा फेंकने गई 30 वर्षीय महिला को अचानक चक्कर आ गया जिससे वह तालाब में गिर गई और हालत बिगड़ गई। उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। बसावनपुर गांव निवासी दिनेश की पत्नी निशा सिंह बुधवार की दोपहर घर का कूड़ा फेंकने तालाब के समीप गई थी। तभी उसे चक्कर आ गया और वह पानी में गिर गई। परिजन गांव वालों की मदद से उसे बाहर निकाला और सदर अस्पताल लाए, जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

भाविपा की पांचाल शाखा ने जिला जेल में लगाए 100 फलदार वृक्ष

फर्रुखाबाद। भारत विकास परिषद के 62वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पांचाल शाखा द्वारा जिला कारागार में फतेहगढ़ में आदरणीय अपर जिला जज संजय कुमार जी, भीमसेन मुकुंद जिला कारागार अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं अध्यक्ष कन्हैया लाल जैन वित्त सचिव अनुपम पुरवार संयोजक बृजेश सिंह फतेहगढ़ शाखा के संगठन सचिव आदरणीय श्री श्याम प्रकाश श्रीवास्तव ने 100 फलदार वृक्षों को लगाया गया जिसमें आम, अमरुद, जामुन, कटहल,अनार, नींबू अन्य पेड़ लगाए। अपर जिला जज संजय कुमार, जिला कारागार अधीक्षक श्री भीमसेन मुकुंद जी को स्मृति चिन्ह एवं पटका उढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। अध्यक्ष कन्हैया लाल जैन, सचिव देवेन्द्र नारायण श्रीवास्तव,वित्त सचिव अनुपम पुरवार, नारायण प्रसाद अग्रवाल,नमन गर्ग, योगेश वर्मा, आयुष गुप्ता,संयोजक बृजेश सिंह जी सभी व्यवस्थाएं संभाली सफल संचालन सचिव देवेन्द्र नारायण श्रीवास्तव जी ने किया।

खीरी जनपद में बेहतर कार्य करने के लिए राज्यपाल से सम्मानित हुए डॉ रविंद्र शर्मा

लखीमपुर खीरी। जनपद में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा स्वास्थ्य सहित अन्य सामाजिक कार्यों में बेहतर कार्य करने को लेकर सभापति इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी लखीमपुर खीरी डॉ रविंद्र शर्मा लखनऊ में राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन द्वारा सर्वोत्तम कार्य पुरस्कार से एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस दौरान डिप्टी सीएमध् सभापति इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी बृजेश पाठक सहित राज्य महासचिव उत्तर प्रदेश डॉ हेमा बिंदु नायक भी उनके साथ मौजूद रहे।

अध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी लखीमपुर डॉ रविंद्र शर्मा ने राज्यपाल द्वारा मिले सम्मान को लेकर बताया कि वह लखीमपुर खीरी जिले में बतौर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी काम कर चुके हैं 2022 में रिटायरमेंट के बाद से उन्हें इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी लखीमपुर का सभापति बनाया गया थाए जिसके बाद से लगातार वह स्वास्थ्य क्षेत्र में सामाजिक कार्य संगठन के बैनर तले कर रहे थे उन्होंने तमाम स्वास्थ्य कैंप का आयोजन भी करवाया है आम जनमानस तक कैंप के माध्यम से विभिन्न बीमारियों की दवाई वितरित कराई है महिलाओं के लिए छात्रों के लिए युवा और युक्तियां के लिए भी कई कार्यक्रमों का आयोजन करवाया है। रेड क्रॉस द्वारा आपदा जैसे बाढ़, सूखा और आग के समय भी लोगों को बड़ी संख्या में सहायता कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई।

इसी के साथ एसएसबी आरटीओ व अन्य विभागों में स्वास्थ्य को लेकर तमाम जागरूकता कार्यक्रम कराए गए हैं वहीं कई अन्य सरकारी विभागों में भी इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के बैनर तले आपदा प्रबंधन व जागरूकता कार्यक्रम किए गए हैं। करीब 2 साल की कड़ी मेहनत के फल स्वरूप उन्हें एक्सीलेंस अवार्ड ;सर्वोत्तम कार्य पुरस्कारद्ध से नवाजा गया है इसमें उनकी पूरी टीम का सहयोग मिला है। साथियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 72 जिलों में 20 लोगों को चयन कर यह पुरस्कार लखनऊ में आयोजित एक समारोह में 16 जुलाई को दिया गया है। इस सम्मान को दिलाने के लिए उन्होंने इंडियन रेड क्रॉस की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं हैं।

यौमे आशूर पर निकले अलम और ताज़ियों के जुलूस

● नम आंखों से हज़रत इमाम हुसैन की बेमिसाल कुर्बानी को किया याद

संडीला (हरदोई)। शहीद ए इंसानियत पै0 हज़रत मोहम्मद (स0अ0) के नवासे हज़रत इमाम हुसैन और उनके 72 परिजन द्वारा सत्य की रक्षा के लिए मैदान ए कर्बला में दी गयी बेमिसाल कुर्बानी की याद में नगर में अलम, ताज़िए, कारवान, गरीबां के जुलूस के आयोजन किए गए। इस दौरान नोहा ख्वानी, सीना ज़नी और छुरियों से मातम करके लोगों ने हज़रत इमाम हुसैन की बेमिसाल कुर्बानी को याद किया। नगर के मोहल्ला इमाम चौक मलकाना से स्व. चौ. मो. दायम उर्फ कल्लू चौधरी के ऐतिहासिक ताज़िए के जुलूस को दोबारा से निकाला गया। इसके साथ ही नगर के मोहल्ला किसान टोला से भी ताज़ियों का मिला जुला जुलूस निकला जो बड़ा चौराहा होते हुए पुराने सिनेमा घर के पास पहुंचा। जहां कल्लू चौधरी का ताज़िया पहले से पहुंचकर थोड़े विश्राम के लिए रखा जाता है। इसके बाद ताज़ियों का एक सामूहिक जुलूस पुराने रास्ते से दरगाह रोड होकर छोटे चौराहे होता हुआ धीरे.धीरे आगे बढ़ा। देर रात इन तमाम ताज़ियों को कब्रिस्तान कर्बला में दफ़नाया जाएगा।

शिया भाईयों की ओर से फ़ाका शिकनी का अलम निकाला गया। यह अलम मण्डई से होता हुआ नगर के मुख्यमार्ग पर पहुंचा। छोटा चौराहा पर इस अलम के जुलूस में छुरियों और ज़ंजीरों से मातम किया गया। इस दौरान लोगों ने नोहा ख्वानी और सीना ज़नी भी की। इमाम बाड़ा हवेली में मजलिसे शाम ए गरीबां का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने हज़रत इमाम हुसैन की बेमिसाल कुर्बानी के विषय में विस्तार से जानकारी दी। नवीं मोहर्रम की रात अरशी रिज़्वी के निर्देशन में गरीबान ए कर्बला का जुलूस जिसमें शहनाई पर मातमी धुन बजाई जा रही थी। इसके अलावा ताबूत, ज़ुलजनह, सजे हुए ऊंट तथा अलम शामिल थे।

कल्लू चौधरी का ऐतिहासिक ताज़िया

पूर्व सपा जिलाध्यक्ष के जन्मदिन पर दलीय सीमाएं टूटी

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य पूर्व जिलाध्यक्ष वीरसेन यादव के जन्मदिन पर कांग्रेस कमेटी कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष नरेश कटियार ने केक कटवाकर बुके भेंटकर अपने दर्जनों समर्थकों के उन्हे जन्मदिन कि बधाई दी सपा नेता के जन्मदिन पर पूरे दिन बधाई देने वालों का सुबह से ही उनके आवास पर तांता लगा रहा इसके तत्पश्चात सरवनखेड़ा, गजनेर, मूसानगर, पुखरायां आदि जगह सपाइयों व उनके चाहने वालों ने केक कटवाकर फूल माला पहनाकर बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष का जन्मदिन मनाया पुखरायां में जनसंपर्क कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वीरसेन यादव ने कहा कि मै पिछले 30 वर्षो से निरंतर आपकी सेवा में लगा हु पूरे जनपद मे सभी के सुख दुःख में शामिल होने का प्रयास करता हूं पिछले क़रीब डेढ़ दशक से संगठन में बिना किसी पद पर न होने के बावजूद जिस प्रकार आप सभी का सहयोग और साथ रहा उसके लिए जीवन पर्यन्त आप सभी का आभारी रहूंगा आज मेरे जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं देने वाले सभी शुभचिंतकों का हृदय से आभार एवम् धन्यवाद व्यक्त करता हूं कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य रोहित कटियार, प्रहलाद निषाद, राजेंद्र सचान, वसीम कुरेशी, अंशू कटियार, अनिकेत कुमार, पवन शर्मा, सुरेंद्र यादव प्रधान, मिलन यादव प्रधान, महाराज सिंह यादव पूर्व प्रधान, नसरीन अख्तर, शेखू खान, मोहित गुप्ता, राजू यादव, पवन यादव प्रधान, अविनाश सचान, सोनेलाल यादव, रामराज सिंह, धर्मेंद्र त्रिवेदी, चौधरी सरनाम सिंह यादव, हिम्मत यादव, धर्मसिंह यादव पूर्व प्रधान, रोहित विश्वकर्मा, रोहित भोला यादव, ऋषभ यादव, रामस्नेही कटियार, देवशरण निषाद, शिवम् यादव, अजीत यादव, अमित यादव आदि लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

राजा राजेश्वर सिंह ने बाढ़ प्रभावित गाँवों में लंच पैकेट वितरित व चौपाल लगाकर जाना पीड़ितों का हाल

निघासन। भाजपा के जनपद खीरी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश संयोजक राजा राज राजेश्वर सिंह ने निघासन विधानसभा के बाढ़ प्रभावित गाँवों में भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की व चौपाल लगाकर उनका हाल जाना। साथ ही गाँव वालों को लंच पैकेट भी वितरित किये। राजा साहब ने तारानगर, बूधनपुरवा, महादेव, बंगाली कालोनी ए जीतपुरवा, लोनियनपुरवा, टापरपुरवा समेत तमाम बाढ़ प्रभावित गावों मे भ्रमण किया व गाँव वालो को मिले प्रशासनिक सुविधाओं का अवलोकन किया व संबंधित अधिकारियों को फोन द्वारा गावों कि समस्याओं से अवगत कराया। जीतपुरवा व टापरपुरवा जैसे गाँवों में पानी अधिक होने के कारण ट्रेक्टर ट्राली द्वारा भ्रमण किया व लंच पैकेट दिये। बूधनपुरवा गाँव में कटान के कारण रोड पर रह रहे लोगों को भी लंच पैकेट घर घर जाकर वितरित किये।

उल्लेखनीय है कि विगत 15 वर्षों से राजा साहब बाढ़ जैसी क्षेत्र में आयी अन्य प्रकार की प्राकृतिक आपदा में झण्डी से अपनी व्यवस्था से इसी प्रकार जनता के बीच उन्हे लंच पैकेट व अन्य मदद पहुँचाने का कार्य करते आ रहे हैं। राजा साहब के साथ बैलहा के भाजपा मंडल उपाध्यक्ष निघासन संजय गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष अंतरवेद मंडल सौरभ शुक्ला, भाजपा पिछडा मोर्चा से माल चंद लोधी, सिरसी के सेक्टर अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, बूथ अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ए बूथ अध्यक्ष बूधन पुरवा तुशार मंडल, बूथ अध्यक्ष जमुना लोधी, रफत अली, सुरेश गुप्ता, चंद्रजीत मिश्रा समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने लंच पैकेट वितरण किये ।

न्यायालय ने आपराधिक मुकदमों में राजनीतिक प्रभाव पर चिंता जताई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश से बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह के खिलाफ दोहरे हत्याकांड के तीन दशक पुराने मामले को फिर से शुरू करते हुए कहा कि देश की न्यायिक प्रणाली अक्सर खुद को लंबे विलंब और संदिग्ध राजनीतिक प्रभाव के व्यापक मुद्दों से जूझते हुए पाती है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा, हम यह भी स्वीकार करते हैं कि 19 मई 2012 के निचली अदालत के आदेश से यह स्पष्ट है कि आरोपी छोटे सिंह के खिलाफ मुकदमा वापस लेने के लिए राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल किया गया है। 19 मई 2012 के आदेश को आरोपियों और पीड़ितों दोनों ने चुनौती दी थी, लेकिन मामला 12 वर्षों से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में लंबित है, जिससे मुकदमे की कार्यवाही में रुकावट आ गई, जो बेहद परेशान करने वाली बात है।

पीठ ने कहा, हमारे देश की न्यायिक प्रणाली अक्सर कानूनी कार्यवाही में लंबे विलंब और संदिग्ध राजनीतिक प्रभाव के व्यापक मुद्दों से जूझती रहती है। वर्तमान मामला उस खतरनाक प्रवृत्ति को उजागर करता है, जहां मामलों, विशेष रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों में, काफी देरी होती है, जिससे न्याय प्रदान में बाधा उत्पन्न होती है। शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला अनुचित प्रभाव स्थिति को और भी बदतर बना देता है, जिससे निष्पक्षता को लेकर चिंताएं बढ़ जाती हैं। यह मामला चिंताजनक परिस्थितियों को प्रस्तुत करता है, जिसमें दिनदहाड़े दोहरे हत्याकांड के आरोपी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति लगभग तीन दशकों से मुकदमे से बचते रहे हैं। रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, आरोपी छोटे सिंह का राजनीतिक प्रभाव तथा उसके खिलाफ मुकदमा वापस लेने की अनुमति देने में निचली अदालत के लापरवाह रुख पर विचार करते हुए इस अदालत की राय है कि केवल आरोपी व्यक्ति का विधानसभा के लिए चुना जाना आम जनता में उसकी छवि का प्रमाण नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा, उपर्युक्त चर्चा के आलोक में, हम आरोपी छोटे सिंह के खिलाफ मुकदमा वापस लेने के फैसले को खारिज करने के पक्ष में हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि दोहरे हत्याकांड जैसे जघन्य अपराध के मामलों में केवल इस आधार पर अभियोजन वापस नहीं लिया जाता कि पूरी जांच के बाद आरोपपत्र में नामजद आरोपी की सार्वजनिक छवि अच्छी है। 15 जुलाई के आदेश में कहा कि जनहित में इस तरह से मुकदमा वापसी की अनुमति नहीं दी जा सकती और इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता, खासकर प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता वाले मामलों में। पीठ ने मामले से निपटने में उच्च न्यायालय के दृष्टिकोण की भी आलोचना की। सिंह पर नौ अन्य लोगों के साथ मिलकर 30 मई 1994 को राजकुमार और जगदीश शरण पर अंधाधुंध गोलीबारी करने का आरोप है। दोनों की मृत्यु हो गई थी। मुकदमा लंबित रहने के दौरान ही सिंह 2007 में बसपा के टिकट पर उप्र विधानसभा के सदस्य चुने गए थे। वर्ष 2007 में उत्तर प्रदेश में सत्ता में आई बसपा ने 2008 में सिंह और अन्य के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 321 के तहत मुकदमा वापस लेने का निर्णय लिया था।

आंतरिक रूप से कमजोर करने वाले तत्वों की वजह से आतंकवाद को समर्थन मिल रहा है: पनुन कश्मीर

जम्मू। पनुन कश्मीर ने बुधवार को कहा कि आंतरिक रूप से कमजोर करने वाले तत्वों की वजह से जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद को समर्थन मिल रहा है और पुलिस प्रमुख आर.आर स्वैन की यह बात सही है कि पाकिस्तान ने केंद्र शासित प्रदेश में समाज के विभिन्न तबकों में घुसपैठ की है। कश्मीरी पंडितों के अधिकारों की वकालत करने वाले पनुन कश्मीर के प्रमुख अजय च्रुंगू ने कहा, हम डीजीपी के बयानों की सराहना करते हैं, जिनमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देने में आंतरिक राजनीतिक तत्वों की भूमिका की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि आंतरिक अशांति उन बड़ी वजहों में से एक है, जिनसे जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद को समर्थन मिलता रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक स्वैन ने सोमवार को कहा था कि पाकिस्तान ने घाटी में तथाकथित मुख्यधारा या क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की बदौलत समाज के विभिन्न तबकों में घुसपैठ कर ली है।

सैन्यकर्मियों-आम नागरिकों के मारे जाने के खिलाफ प्रदर्शन, आतंकियों के सफाए की मांग उठी

भाषा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक मुठभेड़ में चार सैन्यकर्मियों के शहीद होने के बाद बुधवार को जम्मू के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए और प्रदर्शनकारियों ने सरकार से कड़ी कार्वाई का अनुरोध करते हुए सभी आतंकवादियों के पूरी तरह खात्मा करने के लिए अभियान चलाने की मांग की। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रमुख राकेश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में सैन्यकर्मियों एवं आम नागरिकों के मारे जाने तथा आतंकवाद को पाकिस्तान के कथित समर्थन के खिलाफ रैली निकाली। उन्होंने पुतले फूंके और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। कुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, हम इस कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। सरकार को सैन्यकर्मियों और नागरिकों को निशाना बनाने वाले विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए ऑपरेशन ऑल आउट शुरू करना चाहिए।

सोमवार शाम को शुरू हुई मुठभेड़ पिछले तीन सप्ताह में डोडा जिले के जंगलों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच तीसरी बड़ी मुठभेड़ थी। मुठभेड़ में कैप्टन बृजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बृजेंद्र और सिपाही अजय शहीद हो गए।

सांबा में कांग्रेस और राजौरी जिले में युवा कांग्रेस इकाइयों ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किए और सरकार से निर्णायक आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू करने तथा स्थानीय आबादी के बीच विश्वास बहाल करने का आग्रह किया। उन्होंने घाटी में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए आश्वासन की भी मांग की। डोडा और भद्रवाह में भी व्यापारियों और नागरिक समाज के सदस्यों ने इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए, पाकिस्तान के पुतले फूंके और आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन ऑल आउट का आह्वान किया। उन्होंने जम्मू की पहाड़ियों में दूरदराज के गांवों की सुरक्षा के लिए ग्राम रक्षा समूहों को आधुनिक हथियारों से लैस करने की भी वकालत की। एकम सनातन भारत दल के कार्यकर्ताओं ने डोडा आतंकी हमले के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के खिलाफ कड़ी कार्वाई करने का आग्रह किया।

चांदीपुरा विषाणु से पहली मौत, एनआईवी ने संक्रमण से लड़की की मौत की पुष्टि की

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात में संदिग्ध चांदीपुरा विषाणु के कारण अब तक हुई आठ मौतों में से चार वर्षीय एक लड़की की संक्रमण के कारण मौत होने की पुष्टि राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) ने की है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि यह राज्य में इस तरह की पहली मौत है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि गुजरात में अब तक चांदीपुरा विषाणु संक्रमण के 14 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। इनमें से आठ मरीजों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सभी के नमूने पुष्टि के लिए पुणे स्थित एनआईवी भेजे गए हैं। साबरकांठा के मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी (सीडीएचओ) राज सुतारिया ने कहा, अरावली के मोटा कंथारिया गांव की चार वर्षीय बच्ची, जिसकी साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में मौत हो गई थी, का नमूना चांदीपुरा विषाणु के लिए सकारात्मक पाया गया है। राज्य में चांदीपुरा विषाणु संक्रमण से यह पहली मौत है।

उन्होंने बताया कि साबरकांठा जिले से तीन अन्य लोगों के नमूने एनआईवी को भेजे गए थे, जिनमें संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। इनमें से एक मरीज की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य ठीक हो गए हैं।

मंत्री पटेल ने कहा कि संदिग्ध चांदीपुरा विषाणु संक्रमण के मामले साबरकांठा, अरावली, महिसागर, खेड़ा, मेहसाणा और राजकोट जिलों से सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान के दो और मध्य प्रदेश के एक मरीज का भी राज्य के अस्पतालों में इलाज किया गया है। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर प्रभावित क्षेत्रों के 26 आवासीय क्षेत्रों में 44,000 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई है। चांदीपुरा विषाणु से बुखार होता है, जिसके लक्षण फ्लू जैसे होते हैं, तथा तीव्र इंसेफेलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) होती है। यह रोगजनक रैबडोविरिडे परिवार के वेसिकुलोवायरस जीनस का सदस्य है। यह मच्छरों, बालू मक्खी जैसे कीट पतंगों द्वारा फैलता है। मध्य भारत में 2003-2004 में हुए प्रकोप के कारण आंध्र प्रदेश और गुजरात में 56-75 प्रतिशत तक मृत्यु दर देखी गई थी, जिसमें विशिष्ट मस्तिष्क ज्वर के लक्षण थे।

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकियों की तलाश में सुरक्षा बलों की मदद कर रहे वीडीजी

डोडा (जम्मू-कश्मीर)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के देसा जंगल में .303 राइफल से लैस कई ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) सोमवार रात चार सैनिकों की जान लेने वाले आतंकियों की तलाश में सुरक्षा बलों की मदद कर रहे हैं। वीडीजी ने संकल्प लिया है कि वे आतंकवादियों को क्षेत्र से भागने नहीं देंगे। भारी हथियारों से लैस आतंकियों का मुकाबला करने के लिए उनके पुराने हथियारों को अधिक परिष्कृत स्वचालित राइफल से बदला जाना चाहिए। पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े आतंकियों की तलाश के लिए गाई और बांदा क्षेत्रों में गश्त कर रहे वीडीजी समूह के सदस्य सुदर्शन सिंह ने कहा, हम 14 घंटे से सोए नहीं हैं। वे (सोमवार रात देसा जंगल में गोलीबारी के घटनास्थल से) भाग निकले, लेकिन वे कब तक भागते रहेंगे, वे मारे जाएंगे क्योंकि हम उन्हें भागने नहीं देंगे। दस-पंद्रह सदस्यों वाले इन समूहों को पहले ग्राम रक्षा समितियों (वीडीसी) के रूप में जाना जाता था, जिनका गठन जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी खतरों के मद्देनजर ग्रामीणों को आत्मरक्षा क्षमताएं प्रदान करने के लिए 1995 में किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार रात पौने ग्यारह बजे से बुधवार देर रात दो बजे के बीच देसा वन क्षेत्र में कलां भाटा और पंचन भाटा के पास सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध गतिविधि देखने पर वीडीजी ने भी गोलीबारी की, जबकि गंडोह क्षेत्र से दो गोले बरामद किए गए।

सुदर्शन सिंह ने कहा कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से आतंकियों की आवाजाही के बारे में सूचना मिल रही थी, लेकिन वे उनके स्थान का पता नहीं लगा सके। सोमवार की रात को आतंकियों ने एक तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसमें एक कैप्टन सहित चार सैनिक मारे गए, जो केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू क्षेत्र में तीन सप्ताह में तीसरी बड़ी आतंकी घटना थी। वीडीजी के एक अन्य सदस्य संजय सिंह ने कहा, आतंकी भाग रहे हैं, हम उन्हें इस क्षेत्र से जिंदा नहीं जाने देंगे। वीडीजी स्वचालित हथियारों के साथ या बिना स्वचालित हथियारों के आतंकवादियों से लड़ना जारी रखेंगे।

सुदर्शन सिंह ने कहा कि .303 राइफल स्वचालित हथियार के सामने कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, हम क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति जानते हैं। आतंकी अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन जैसे सबसे परिष्कृत हथियारों से लैस हैं। उनका मुकाबला करने के लिए हमें स्वचालित हथियारों की आवश्यकता है। सुदर्शन सिंह ने कहा, सरकार को हमारे (वीडीजी) लिए उचित नीति बनानी चाहिए। हम चाहते हैं कि पूर्व सैनिक, चाहे वे सेना, पुलिस या अर्द्धसैन्य बलों से हों, हमारे समूहों का नेतृत्व करें। वर्ष 2022 में, वीडीसी के लिए नीति को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा संशोधित किया गया और वीडीजी को शुरू किया गया। वीडीसी का नेतृत्व विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) करते थे। वीडीसी योजना में केवल एसपीओ को भुगतान किया जाता था लेकिन 2022 के बाद, वीडीजी के सभी सदस्यों को सरकार द्वारा वित्तीय मुआवजा दिया जा रहा है।

कांवड़ मार्ग पर खानपान की दुकानों पर मालिकों का नाम प्रदर्शित के फैसले पर विपक्ष का हमला

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाने-पीने की सभी दुकानों पर मालिकों का नाम प्रदर्शित करने का आदेश जारी किया। वहीं कांग्रेस और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने इस फैसले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। स्थानीय पुलिस प्रमुख अभिषेक सिंह ने एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसे कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और असदुद्दीन ओवैसी ने ही एक्स पर साझा किया। सिंह ने खाने-पीने की दुकानों पर उनके मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश के बारे में पूछे जाने पर बताया, जिले में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिले में लगभग 240 किलोमीटर का कांवड़ मार्ग है। मार्ग पर सभी होटल, ढाबे, ठेले वालों से अपने मालिकों या फिर वहां काम करने वालों के नाम प्रदर्शित करने को कहा गया है। उन्होंने बताया, यह इसलिए जरूरी है ताकि किसी भी प्रकार का कोई भ्रम किसी कांवड़िए के अंदर ना रहे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए इसे सरकार प्रायोजित कट्टरता करार दिया। वहीं एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले की तुलना दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद और जर्मनी में यहूदिया के बहिष्कार से की। खेड़ा ने इस आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सिर्फ राजनीतिक दलों को ही नहीं सभी सही सोच वाले लोगों और मीडिया को इस राज्य प्रायोजित कट्टरता के खिलाफ उठ खड़े होना चाहिए। हम भाजपा को देश को अंधकार युग में वापस धकेलने की अनुमति नहीं दे सकते। एआईएमआईएम नेता ओवैसी ने भी एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश पुलिस के आदेश के अनुसार, अब हर खाने वाली दुकान या ठेले के मालिक को अपना नाम बोर्ड पर लगाना होगा ताकि कोई कांवड़िया गलती से मुसलमान की दुकान से कुछ न खरीद ले।

सरकार उत्तर प्रदेश में करीब 800 दिव्यांग जन को सहायक उपकरण वितरित करेगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बदायूं में बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में करीब 800 दिव्यांग जन को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। बुधवार को जारी बयान में कहा गया कि सामाजिक अधिकारिता शिविर का उद्घाटन केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा करेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि यह शिविर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के तहत सहायक यंत्रों ाउपकरणों की खरीदाफिटिंग के लिए दिव्यांगजन को सहायता (एडीआईपी) मुहैया कराने की योजना का हिस्सा है। इस कार्यक्रम में पहले से चिह्नित किए गए 791 दिव्यांग व्यक्तियों को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे तथा इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे। बयान में बताया गया कि इस कार्यक्रम में वितरित किए जाने वाले सहायक उपकरणों में मोटर चालित तिपहिया साइकिल, हस्तचालित तिपहिया साइकिल, मोड़ी जा सकने वाली व्हीलचेयर , वॉकर , चलने में मददगार छड़ियां, ब्रेल किट , रोलेटर , कान के पीछे लगाए जाने वाले (बी.टी.ई.) श्रवण यंत्र, सी.पी. चेयर , सेंसर आधारित इलेक्ट्रॉनिक सुगम्य छड़ियां, स्मार्टफोन, कृत्रिम अंग आदि शामिल होंगे। यह पहल दिव्यांगजन के सशक्तीकरण और उन्हें समान अवसर प्रदान करने के प्रयासों के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इन प्रयासों से उन्हें एक सार्थक, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने में मदद मिल सकेगी। भारतीय कृत्रिम अंग विनिर्माण निगम इस शिविर का आयोजन करेगा। यह निगम दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है।

एचआईवी पॉजिटिव सेवानिवृत्त सैनिक के लिए मुआवजा जमा कर दिया गया है : वायु सेना ने न्यायालय में कहा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि 2002 में जम्मू-कश्मीर के सांबा में एक सैन्य अस्पताल में दूषित रक्त चढ़ाने के कारण एचआईवी संक्रमित हुए जवान (अब सेवानिवृत्त) को 18 लाख रुपए दिए गए हैं और मुआवजे की शेष राशि शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में जमा करा दी गई है। उच्चतम न्यायालय ने सेवानिवृत्त सैनिक की याचिका पर वायुसेना को उन्हें लगभग 1.5 करोड़ रुपए मुआवजे के तौर पर देने का निर्देश पिछले वर्ष 26 सितंबर को दिया था। इस सैनिक को 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर हुए आतंकवादी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन पराक्रम के दौरान बीमार होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्हें एक यूनिट रक्त चढ़ाना पड़ा था।

शीर्ष अदालत ने इस साल अप्रैल में इस मामले में सितंबर 2023 के अपने फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध करने संबंधी एक याचिका खारिज कर दी थी। पूर्व सैनिक ने उच्चतम न्यायालय के 2023 के फैसले में जारी निर्देशों की अवमानना का आरोप लगाने वाली एक याचिका दाखिल की जिस पर मंगलवार को पीठ में सुनवाई हुई।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी ने कहा कि उन्होंने मामले में अनुपालन हलफनामा दायर किया है। पीठ में न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि अदालत की रजिस्ट्री में जमा कराई गई राशि पूर्व सैनिक को जारी की जाए। इस मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रहे एक वकील ने सैनिक की नियमित चिकित्सा जांच के बारे में बताया और कहा कि पीठ इसके लिए उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में रेफर करने पर विचार कर सकती है। पीठ ने कहा कि चूंकि वह व्यक्ति अजमेर में रहता है इसलिए उसे असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए जयपुर में अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है।

न्यायमित्र से पीठ ने इस मुद्दे पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के साथ चर्चा करने को कहा ताकि इसे सुलझाया जा सके और मामले को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। उच्चतम न्यायालय ने पांच मार्च को निर्देश दिया था कि 18 लाख रुपए व्यक्ति को दिए जाएं तथा शेष राशि दो सप्ताह के भीतर अदालत की रजिस्ट्री में जमा कराई जाए। पीठ ने यह भी आदेश दिया था कि याचिकाकर्ता को दिव्यांगता पेंशन देने के लिए उसकी दिव्यांगता को 100 फीसदी समझा जाए।

असम में मुस्लिम आबादी अब चालिस प्रतिशत जनसांख्यिकी परिवर्तन बड़ा मुद्दाः हिमंत

भाषा। रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि उनके राज्य में मुस्लिम आबादी बढ़कर अब 40 प्रतिशत हो गई है और पूर्वोत्तर राज्य में जनसांख्यिकी परिवर्तन एक बड़ा मुद्दा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी ने यहां पार्टी की एक बैठक के इतर यह टिप्पणी की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं असम से संबंध रखता हूं और जनसांख्यिकी परिवर्तन मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। मेरे राज्य में मुस्लिम आबादी अब 40 प्रतिशत है, जो 1951 में 12 प्रतिशत थी। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जीवन-मरण का सवाल है। इससे पहले, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि झारखंड के आदिवासी इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में घुसपैठियों के खिलाफ एक मजबूत कार्ययोजना को शामिल करेगी। शर्मा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तीखा हमला करते हुए उन पर झारखंड को मिनी बांग्लादेश में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, घुसपैठिए झारखंड आते हैं और आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प लेते हैं। मैं झारखंड में एक ऐसे कानून की मांग करता हूं जिसमें यह प्रावधान हो कि आदिवासी लड़कियां घुसपैठियों से शादी नहीं कर सकतीं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के कार्यकाल में कोई विकास नहीं हुआ। उन्होंने कहा, पिछले पांच साल में राज्य में कोई विश्वविद्यालय या इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं खोला गया। विकास कार्य ठप हो गए। युवाओं को न तो नौकरी दी गई और न ही बेरोजगारी भत्ता। शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने झारखंड की 14 में से नौ सीट जीतीं और 51 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की।

पेज 1 का शेष

यूपी उप चुनाव को...

इन दस सीटों में भाजपा गठबंधन के पास पांच और पांच पर सपा के विधायक थे। मुख्यमंत्री ने हर मंत्री को जमीन पर उतरने और पार्टी का पक्ष मजबूत करने की हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा मिलें। उनका मनोबल बढ़ाएं। समस्याओं के बारे में जानकारी लें और संतुष्ट करें। जिससे उन्हें लगे कि पार्टी में उनका सम्मान है। सरकार और संगठन उनके साथ है साथ ही मंत्री कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए लंबा इंतजार भी न कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवाद कर लोगों को बताएं कि पूर्व की सरकारों में कानून-व्यवस्था का क्या हाल था। किसने संविधान का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया। गांवों में रात्रि विश्राम के साथ नुक्कड़ सभाएं करें और विपक्ष की पोल खोलें। सोशल मीडिया पर ज्यादा सक्रिय रहें। विपक्ष के हर झूठ का तत्काल जवाब दें। मंत्रियों के प्रत्येक ग्रुप में प्रभारी मंत्री, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और राज्यमंत्री शामिल हैं।

दिल्ली का...

लंबी कतारें देखना आम बात है। हालांकि, यह खाने के शौकीनों को उनके पसंदीदा व्यंजन दाल मखनी, नान और दही कबाब मिलता था। 28 वर्षीय एकांउटेंट समीक्षा ठाकुरने बताया कि वह बचपन से लेकर अब तक 100 से अधिक बार इस जगह पर आ चुकी हैं। कालकाजी के निवासी ने कहा, गुलाटी रेस्टोरेंट हमेशा से ही हमारे पारिवारिक समारोहों और उत्सवों का अभिन्न अंग रहा है। बेहतरीन स्वाद के साथ-साथ, रेस्तरां ने अपनी मेहमाननवाज़ी में भी कोई कमी नहीं छोड़ी है। बचपन से ही उनकी खास दाल मखनी और नान मेरी पसंदीदा रही है। समय के साथ जगह और सजावट में आए बदलाव को देखते हुए, रेस्तरां में आग लगना वाकई निराशाजनक है। एक अन्य ने कहा कि यह खबर सदमे की तरह है और अधिकारियों को आग मानकों के पालन में किसी भी लापरवाही के लिए रेस्तरां की जांच करने की आवश्यकता है। 23 वर्षीय पत्रकार अर्नव खन्नाने कहा, गुलाटी के यहां आग लगने की खबर सुनकर बहुत बड़ा झटका लगा है। परिवार के साथ वहां जाना एक वार्षिक अनुष्ठान की तरह था, खासकर सर्दियों के दौरान। उन्हें उम्मीद है कि यह फिर से चालू हो जाएगा क्योंकि वहां का भोजन और माहौल बेजोड़ था। अधिकारियों को आग अनुपालन मानदंडों का भी पालन करना चाहिए क्योंकि रेस्तरां में आग लगने की ये घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसके अतिरिक्त, बुधवार तड़के बाहरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक प्लास्टिक बैग निर्माण इकाई में आग लग गई।

अजीत...

नेता 20 जुलाई को शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल होंगे। चार एनसीपी (अजीत पवार) नेताओं के इस्तीफे को इस तथ्य के आलोक में देखा जाना चाहिए कि पुणे का जुड़वां उपग्रह शहर पिंपरी-चिंचवाड़ पिछले तीन दशकों से अजीत पवार का गढ़ रहा है। एनसीपी (एपी) छोड़ने का गवाहणे का फैसला इस तथ्य से उपजा है कि पार्टी अध्यक्ष अजीत पवार ने उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में भोसरी निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने से साफ इनकार कर दिया था, इस आधार पर कि भोसरी से भाजपा के महेश लांडगे दो बार जीते हैं। एनसीपी (एपी) के जानकार सूत्रों ने बताया कि गवाहणे ने हाल ही में अजीत पवार से मुलाकात की थी, जिन्होंने उनसे पूछा पार्टी को भोसरी सीट पर क्यों चुनाव लड़ना चाहिए क्योंकि यह भाजपा का है, जहां से उसके उम्मीदवार दो बार जीते हैं। गवाहणे और लांडगे कई वर्षों से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। वे पार्टी में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। गवाहणे के एनसीपी (एसपी) में शामिल होने का कारण यह है कि शरद पवार ने कथित तौर पर उन्हें आश्वासन दिया है कि वे उन्हें भोसरी से पार्टी उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारेंगे।

विदेशी...

गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया था। सेना ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वह जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त और समन्वित अभियानों की एक श्रृंखला चला रही है, ताकि सीमा पार से घुसपैठ करने वाले विदेशी आतंकवादियों को खत्म किया जा सके जो जम्मू क्षेत्र के उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों के ऊपरी इलाकों में और उसके बाद कश्मीर की ओर बढ़ रहे थे। सेना ने कहा, उत्तरी कमान की सभी टुकड़ियां जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के संकट को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसके लिए अथक अभियान जारी रहेंगे।

हरियाणा में...

बैच को उम्र में पांच वर्षों की छूट दी जाएगी। इसके बाद के बैच के लिए यह छूट तीन वर्षों के लिए होगी। इतना ही नहीं, सरकार ने ग्रुप सी और ग्रुप-डी यानी तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के पदों में भी अग्निवीरों के लिए आरक्षण लागू करने का निर्णय लिया है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। यह पीएम नरेंद्र मोदी की लोकहित की योजना है और इसके माध्यम से स्किल और एक्टिव युवा तैयार होंगे। 14 जून, 2022 को लागू की गई इस योजना के तहत भारतीय सेनाओं में चार वर्षों के लिए अग्निवीर भर्ती किए जा रहे हैं। चार वर्षों की सेवा के बाद कुल अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत स्थायी होंगे और बाकी रिटायर हो जाएंगे। केंद्र सरकार ने पिछले दिनों ही फैसला किया है कि चार वर्षों के बाद रिटायर होने वाले अग्निवीरों को अर्द्ध-सैनिक बलों की भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। इसी तर्ज पर हरियाणा सरकार पुलिस में कांस्टेबल, वन विभाग में फोरेस्ट गार्ड, माइनिंग गार्ड, जेल विभाग में जेल वार्डन तथा स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) की सीधी भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया है। मालूम हो कि एसपीओ के तहत सेना व अर्द्ध-सैनिक बलों के सेवानिवृत्त जवानों को नियुक्त किया जाता है। सीएम ने कहा कि अग्निवीरों को ग्रुप-सी के सिविल पदों के लिए सीधी भर्ती में पांच प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। वहीं ग्रुप-डी के पदों में एक प्रतिशत आरक्षण की सुविधा होगी। ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के पदों में निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्षों की छूट मिलेगी। इस मौके पर मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पब्लिक रिलेशन के महानिदेशक मनदीप सिंह बराड़ व सीएम के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे भी मौजूद रहे।

अग्निवीरों....

लौटने के बाद निजी क्षेत्र में आसानी से नौकरी मिल सके, इसके लिए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आर्म्स लाइसेंस मिलेंगे। इसी तरह से विभिन्न विभागों तथा बोर्ड-निगमों में तैनाती चाहने वाले अग्निवीरों को मैरिट स्कोर में प्राथमिकता दी जाएगी। अगर कोई अग्निवीर अपना खुद का उद्योग लगाना चाहता है तो सरकार उसे पांच लाख रुपये तक का ब्याज रहित ऋण मुहैया कराएगी।

केजरीवाल...

व्यक्ति रिहाई के लिए अधिकृत है। उसे रिहा किया जाना चाहिए लेकिन उसकी रिहाई न हो यह सुनिश्चित करने के लिए उसे गिरफ्तार किया गया है। सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल आतंकवादी नहीं बल्कि दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी कानून के तहत नहीं हुई है और मुख्यमंत्री होने के नाते वह जमानत के हकदार हैं। सीबीआई की ओर पेश हुए अधिवक्ता डीपी सिंह ने केजरीवाल द्वारा दाखिल दो याचिकाओं का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने एक अर्जी में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है जबकि दूसरी अर्जी में जमानत देने का अनुरोध किया है।

विधि मंत्रालय...

जब तक कि उन्हें नवीनीकृत न किया जाए। भारत में राजकोषीय और कर कानूनों में सनसेट क्लॉज का अक्सर इस्तेमाल किया जाता रहा है, जैसे कि कर अवकाश और मुद्रा नियंत्रण विनियम। संविधान में संसद और विधान सभा सीटों के लिए आरक्षण के लिए 10 साल की सनसेट अवधि का प्रावधान है (अनुच्छेद 334)। ऐसे प्रावधान विधि निर्माताओं द्वारा यह स्वीकारोक्ति हैं कि कानून अनंत काल के लिए नहीं बनाया जाता है और यह मान्यता है कि समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं - चाहे वह एक साल हो या पांच साल। इस सीख को कानून के अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित करने की आवश्यकता है, यह स्वीकार करते हुए कि सामाजिक परिस्थितियां और संस्थागत व्यवहार (जैसे आर्थिक परिस्थितियां) भी समय के साथ बदलती हैं, जिसके परिणामस्वरूप कानूनों पर फिर से विचार करने की आवश्यकता होती है। जैसे-जैसे कानून अधिक से अधिक विशिष्ट होते जा रहे हैं, इस बात की अधिक आवश्यकता है कि एक तंत्र हो जो यह जांच सके कि स्थिति को संभालने में कानून ने कैसा प्रदर्शन किया है।

सरकार ने एवियन फ्लू खतरे पर की उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली। पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में विशेषज्ञों ने एवियन इन्फ्लूएंजा से निपटने के लिए गहन निगरानी और बेहतर समन्वय की वकालत की। कृषि भवन में आयोजित विचार-मंथन सत्र में विभिन्न सरकारी निकायों और अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञ बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे के संदर्भ में रणनीति तैयार करने के लिए एक साथ आए। बैठक में, विशेष रूप से हाल के प्रकोपों के मद्देनजर, एवियन इन्फ्लूएंजा की चुनौती से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसमें इस बीमारी द्वारा प्रजातियों की बाधाओं को पार करने की क्षमता को सामने रखा गया। एक सरकारी बयान में कहा गया, हाल ही में अमेरिका में डेयरी मवेशियों में एचपीएआई (अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा) का प्रकोप, जिसका अन्य स्तनधारियों में भी फैलाव हुआ है, एचपीएआई की महामारी क्षमता को रेखांकित करता है। विशेषज्ञ समिति ने बहुआयामी दृष्टिकोण की सिफारिश की, जिसमें गहन पर्यावरणीय निगरानी, अद्यतन प्रोटोकॉल और मानव-पशु-वन्यजीव इंटरफेस पर बेहतर समन्वय शामिल है। बैठक में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और आर्थिक विकास को गति देने में भारत के पॉल्ट्री क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया, साथ ही एचपीएआई के बार-बार होने वाले प्रकोपों से उत्पन्न खतरे पर भी ध्यान दिया गया। विशेषज्ञों ने संभावित प्रकोपों का शीघ्र पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम एक मजबूत निगरानी प्रणाली की आवश्यकता की जरूरत बताई।

सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं : शुभेंदु अधिकारी

कहा, हम उनका साथ देंगे जो हमारे साथ हैं

भाषा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने हालिया लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए अल्पसंख्यक समुदाय से कम समर्थन मिलने को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं है और इसके बजाय उन्होंने हम उनके साथ जो हमारे साथ का प्रस्ताव दिया। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तारित सत्र को बुधवार को संबोधित करते हुए अधिकारी ने यह भी कहा कि पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा की जरूरत नहीं है। हालांकि, बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से हटाकर पेश किया गया और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का पूरा समर्थन करते हैं।

अधिकारी ने भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तारित सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैंने राष्ट्रवादी मुस्लिमों की भी बात की है। हम सभी सबका साथ, सबका विकास की बात किया करते हैं, लेकिन आगे से अब मैं यह नहीं कहूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि इसके बजाय यह हम उनके साथ जो हमारे साथ होना चाहिए...अल्पसंख्यक मोर्चा की कोई जरूरत नहीं है।

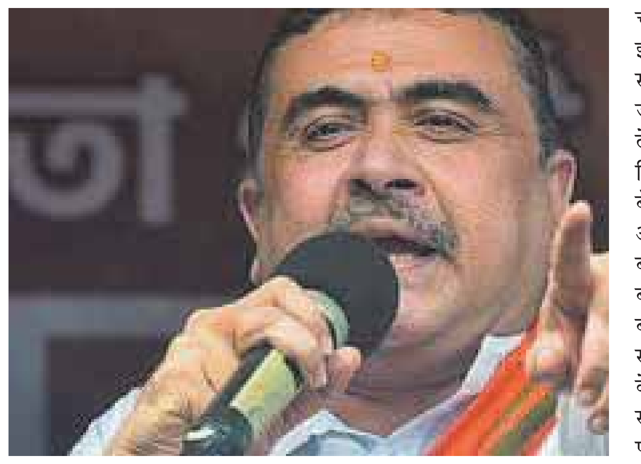

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में करीब 30 फीसदी अल्पसंख्यक मतदाता हैं, जिन्होंने तृणमूल कांग्रेस को हालिया लोकसभा चुनाव में दक्षिणी पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में शानदार जीत हासिल करने में मदद की। वहीं, उत्तर बंगाल में वाम-कांग्रेस गठबंधन और तृणमूल के बीच मतों के विभाजन ने भाजपा को क्षेत्र में कई सीट हासिल करने में मदद की। साल 2014 में भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था और 2019 में एक कदम आगे बढ़ते हुए इसे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास कर दिया था। अधिकारी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के दौरान कई इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के जिहादी गुंडों ने हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया। अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल में, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है। तृणमूल के जिहादी गुंडे ऐसा नहीं होने देंगे। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव राज्य में अशांत क्षेत्र अधिनियम लागू कर ही संभव है। हम राष्ट्रपति शासन लागू कर पिछले दरवाजे से राज्य में सत्ता हथियाना नहीं चाहते। उन्होंने कहा, लोगों के जनादेश से चुनाव जीतने पर ही हम सत्ता में आएंगे। लेकिन उसके लिए, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना होगा। बाद में, अपनी टिप्पणियों से विवाद उत्पन्न हो जाने पर अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक आधार पर लोगों के बीच विभाजन करने में यकीन नहीं करते। उन्होंने कहा, मेरे बयान को संदर्भ से हटाकर पेश किया जा रहा है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जो लोग राष्ट्रवादी हैं, वे इस देश और पश्चिम बंगाल के लिए खड़े हैं, हमें उनके साथ होना चाहिए। जो लोग हमारे साथ नहीं खड़े हैं, जो देश और पश्चिम बंगाल के हित के खिलाफ काम करते हैं, हमें उन्हें बेनकाब करने की जरूरत है। अधिकारी ने कहा, साथ ही, ममता बनर्जी की तरह हमें लोगों को बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक में नहीं बांटना चाहिए तथा उन्हें भारतीय के रूप में देखना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास मंत्र का पूरी तरह से समर्थन करता हूं।

अधिकारी ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियां किसी समुदाय के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा, मेरी टिप्पणी किसी समुदाय के खिलाफ नहीं थी। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कुछ चीजें महसूस की गईं, उनमें से एक यह है कि तृणमूल के आतंक के राज के कारण समान अवसर नहीं मिल पाने के बावजूद भाजपा उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल के रूप में उभरी है। दूसरा, यह कि पश्चिम बंगाल में मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देते। उन्होंने कहा, तीसरा, यह कि माकपा ने हिंदू मतों को विभाजित करने में तृणमूल की मदद की। इसलिए, पश्चिम बंगाल के हिंदुओं को यह पता होना चाहिए कि अगर वे एकजुट नहीं हुए तो भविष्य में पश्चिम बंगाल में वे कहीं के नहीं रह जाएंगे।

कासगंज पहुंचे स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ हरि नारायण साकार

हाथरस भगदड़ कांड

भाषा। लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के बाद मची भगदड़ की घटना के बाद सुर्खियों में आए स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा बुधवार को कासगंज के पटियाली स्थित अपने आश्रम पहुंचे। भोले बाबा के वकील ए.पी. सिंह ने कासगंज में संवाददाताओं से कहा, वह (भोले बाबा) अपने आश्रम पहुंच गए हैं और यहीं रहेंगे। वह यहां आश्रम से ही आए हैं। वह कभी किसी के घर, होटल या किसी दूसरे देश में नहीं गए। उन्होंने कहा कि कासगंज बाबा की जन्मस्थली है और वह आखिरी बार 2023 में एक दिन के लिए यहां आए थे और इससे पहले वे 2013 में यहां आए थे। हाथरस के सिकंदराराऊ इलाके में दो जुलाई को स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) और न्यायिक आयोग का गठन किया है। भगदड़ के मामले में दर्ज मुकदमे में बाबा का नाम आरोपी के तौर पर शामिल नहीं था।एसआईटी ने गत जुलाई को राज्य सरकार को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में भगदड़ के पीछे किसी बड़ी साजिश से इनकार नहीं किया। एसआईटी रिपोर्ट में स्थानीय प्रशासन की ओर से चूक की ओर भी इशारा किया गया। रिपोर्ट में भगदड़ के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया गया और दावा किया गया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने इस आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया।

सीबीएसई विचार कर रहा है कि साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं कब और कैसे आयोजित की जाएं

नई दिल्ली। सीबीएसई नए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के तहत साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने को लेकर दुविधा में है और इस बाबत तीन विकल्पों पर चर्चा कर रहा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सेमेस्टर प्रणाली पर भी विचार कर रहा है जिसमें द्विवार्षिक परीक्षाएं शामिल हैं। वर्तमान में, कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी-मार्च में आयोजित की जाती हैं। अधिकारियों ने बताया कि विचार-मंथन जारी है और अब तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं किया गया है कि वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की योजना कब और किस प्रारूप में लागू की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया, तीन संभावित विकल्पों पर चर्चा की गई है, जिनमें से एक सेमेस्टर प्रणाली में परीक्षा आयोजित करना है। इसमें पहली बोर्ड परीक्षा जनवरी-फरवरी में और दूसरी मार्च-अप्रैल में आयोजित करना है या फिर कंपार्टमेंट या सुधार परीक्षाओं के साथ जून में बोर्ड परीक्षाओं का दूसरा चरण आयोजित किया जाए। उन्होंने बताया, जिस तरह से हमारा शैक्षणिक कैलेंडर बनाया गया है, साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं का कार्यक्रम और सीबीएसई स्कूल देश भर में और विदेश तक में होने के चलते भौगोलिक चुनौतियां हैं जिससे सेमेस्टर प्रणाली कम व्यवहार्य लगती है। बोर्ड ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से कहा है कि मौजूदा व्यवस्था में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने के लिए 150 से अधिक कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, इस प्रक्रिया में कम से कम 310 दिन लगते हैं, जिसमें विद्यार्थियों की सूची भरना, केंद्र अधिसूचना, रोल नंबर जारी करना, प्रैक्टिकल आयोजित करना, लिखित परीक्षा, परिणाम घोषित करना, सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन शामिल है। दो परीक्षाओं का आयोजन करने के लिए कम से कम 55 दिन की जरूरत है। अब सीबीएसई के सामने चुनौती यह है कि दूसरे चरण के लिए यह व्यापक कवायद कब और कैसे दोहराई जाए। अधिकारी ने कहा, फरवरी से पहले परीक्षाएं आयोजित करने में अपनी तरह की चुनौतियां हैं, क्योंकि कुछ राज्यों में सर्दियां बेहद कठिन होती हैं। वर्तमान में बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी के आसपास शुरू होती हैं, इसलिए पर्याप्त अंतराल रखने के लिए तिथियों पर भी उसी के अनुसार काम करना होगा। उन्होंने कहा, दूसरा विकल्प कंपार्मेंट या सुधार परीक्षा के साथ जून में परीक्षा का दूसरा चरण आयोजित करना हो सकता है। हालांकि, इनमें से कोई भी विकल्प अंतिम नहीं है। हम अब भी विचार-विमर्श कर रहे हैं और व्यापक परामर्श जारी है। यह संभव है कि प्रक्रिया के दौरान और भी विकल्प सामने आएं। मंत्रालय की योजना 2024-25 शैक्षणिक सत्र से वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षाएं शुरू करने की थी। हालांकि, इसे एक साल के लिए टाल दिया गया है। इसरो के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में केंद्र सरकार की ओर से नियुक्त राष्ट्रीय संचालन समिति द्वारा तैयार की गई नई एनसीएफ में कक्षा 11 वीं और 12वीं के छात्रों के लिए एक सेमेस्टर प्रणाली का प्रस्ताव रखा गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पिछले अक्टूबर में पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में बताया था कि छात्रों के लिए साल में दो बार बोर्ड परीक्षा देना अनिवार्य नहीं होगा।

झारखंड में झामुमो की सत्ता में वापसी हुई तो मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे: शिवराज

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को दावा किया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन सरकार सत्ता में वापस आती है तो झारखंड के मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे।हटिया में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड और इसकी परंपराओं को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा, अगर झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन फिर से सत्ता में आता है तो राज्य के मूल निवासी अल्पसंख्यक हो जाएंगे। बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है। चौहान ने आरोप लगाया कि घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करके आदिवासियों की जमीन लूट रहे हैं। हेमंत सोरेन सरकार पर हमला करते हुए चौहान ने आरोप लगाया कि सरकार ने राज्य के लोगों को भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। उन्होंने कहा, सरकार ने युवाओं को नौकरी और बेरोजगार युवकों को भत्ता देने का वादा किया था। लेकिन, इसने न तो किसी को नौकरी दी और न ही बेरोजगारी भत्ता दिया। इसने युवाओं को धोखा दिया है। चौहान ने कहा, इसी तरह, महिलाओं को खाना पकाने की लागत के रूप में 2,000 रुपए प्रति माह और बिना किसी गारंटी के 50,000 रुपए तक का ऋण देने का वादा किया गया था। लेकिन, राज्य की किसी भी महिला को इसका लाभ नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय झामुमो नीत सरकार खनिज और रेत की लूट में लिप्त रही। चौहान ने दावा किया, लूट इतनी बड़ी थी कि कई पहाड़ियां गायब हो गईं। झारखंड चुनाव के प्रभारी चौहान ने कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े चार साल में राज्य में 7,812 हत्याएं, 7,115 बलात्कार, 8,552 दंगे, 2,721 लूट और 485 डकैती की घटनाएं दर्ज की गईं। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि सिर्फ भाजपा ही झारखंड को बचा सकती है और इसे समृद्ध बना सकती है ताकि लोगों को रोजी-रोटी के लिए अन्य राज्यों में पलायन न करना पड़े।

इंदिरा, राजीव की हत्या पर अमित मालवीय की टिप्पणी का भाजपा ने किया बचाव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या पर अपने सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय की टिप्पणी का बुधवार को बचाव करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को सच्चाई से भागना नहीं चाहिए। एक दिन पहले मालवीय की टिप्पणी के लिए कांग्रेस ने उन्हें बर्खास्त करने और भाजपा से माफी मांगने की मांग की थी। मालवीय ने कहा था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या उनके राजनीतिक फैसलों के लिए की गई थी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने पीटीआई-भाषा से कहा, सत्य हमेशा सत्य ही रहता है। उन्हें सच्चाई से भागना नहीं चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि कांग्रेस और उसके नेताओं ने क्या किया। गौतम ने आरोप लगाया, उन्होंने आपातकाल लगाया, लोकतंत्र और संविधान की हत्या की। प्रधानमंत्री बनने के लिए, जवाहरलाल नेहरू ने भारत के विभाजन का का नेतृत्व किया। लाखों लोग मारे गए।

भाजपा नेता ने कहा कि लोगों को देश का इतिहास जानना चाहिए क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा ही इसे दबाने का प्रयास किया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की पृष्ठभूमि में सोमवार शाम एक टीवी बहस के दौरान मालवीय ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, इससे पहले कि कांग्रेस यह दावा करे कि उनके अपने नेताओं की हत्या हुई है तो मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उनके (नेताओं) द्वारा लिए गए राजनीतिक निर्णयों के कारण उनकी हत्या की गई...प्रधानमंत्री रहते हुए भी कई बार इंदिरा गांधी के काफिले पर पथराव हुआ। मालवीय ने कहा, इंदिरा और राजीव दोनों के साथ बहुत दुखद घटनाएं हुई हैं, हम उसकी निंदा करते हैं लेकिन गांधी परिवार की संतान आज वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी पर हमले और मौत की कामना कर रही हैं...। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं के संदर्भ में असंवेनदशील टिप्पणियां करने के लिए मालवीय को बर्खास्त किया जाए तथा भाजपा देश से माफी मांगे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने नड्डा को लिखे पत्र में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को मालवीय की टिप्पणियों को खारिज करना चाहिए।रमेश ने नड्डा को लिखे पत्र में कहा, मैं भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा की गई हालिया टिप्पणियों के संबंध में गहरी चिंता और निराशा के साथ लिख रहा हूं।

केदारनाथ मंदिर से सोने की चोरी के आरोपों पर शंकराचार्य के समर्थक और मंदिर समिति प्रबंधन अब आमने-सामने

भाषा। रुद्रयाग

केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह से सोने की कथित चोरी संबंधी आरोपों पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति प्रबंधन और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थक आमने-सामने आ गए हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने गर्भगृह से सोने की चोरी के आरोपों को बेबुनियाद और तथ्यहीन बताते हुए आरोप लगाने वालों से विवाद खड़ा करने की बजाय सक्षम स्तर पर मामले की जांच की मांग कराने का अनुरोध किया।अजय ने इन आरोपों को षड्यंत्र बताते हुए स्पष्ट किया कि दानदाता द्वारा केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णजड़ित करने की इच्छा प्रकट की गई थी और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए मंदिर समिति की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव का परीक्षण कर उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी गई।

उन्होंने कहा कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम-1939 में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ही दानदाता से दान स्वीकारा गया और इसके लिए विधिवत प्रदेश शासन से अनुमति ली गई।मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञों की देखरेख में गर्भगृह को स्वर्ण मंडित कराने का कार्य किया गया।अजय ने यह भी स्पष्ट किया कि गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित करने का कार्य दानदाता ने स्वयं किया और उन्होंने ही अपने स्तर से स्वर्णकार से तांबे की प्लेटें तैयार करवाईं और फिर उन पर सोने की परतें चढ़ाई गईं।उन्होंने कहा कि दानदाता ने अपने स्वर्णकार के माध्यम से ही इन प्लेटों को मंदिर में स्थापित भी कराया।मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सोना खरीदने से लेकर दीवारों पर जड़ने तक का सम्पूर्ण कार्य दानी द्वारा कराया गया तथा मंदिर समिति की इसमें कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। न्होंने कहा कि कार्य होने के बाद दानदाता ने सभी आधिकारिक बिल एवं वाउचर मंदिर समिति को दे दिए थे, जिसके बाद नियमानुसार इसे स्टॉक बुक में दर्ज किया गया।दानस्वरूप किए गए इस कार्य हेतु दानी व्यक्ति अथवा किसी फर्म द्वारा मंदिर समिति के समक्ष किसी प्रकार की शर्त नहीं रखी गई और न ही उन्होंने मंदिर समिति से आयकर अधिनियम की धारा-80 जी का प्रमाण पत्र मांगा। अजय ने कहा कि उक्त दानदाता ने 2005 में श्री बदरीनाथ मंदिर के गर्भगृह को भी स्वर्ण जड़ित किया था लेकिन अब एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत विद्वेषपूर्ण आरोप लगाए जा रहे हैं।

दूसरी ओर, ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में हुई सोने की चोरी की जांच कराए जाने की मांग के समर्थन में केदारनाथ के तीर्थ पुरोहित भी आ गए हैं।

केदारनाथ के तीर्थ पुरोहितों ने वीडियो संदेश जारी कर केदारनाथ सोना प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने संदेश में कहा कि वे (तीर्थ पुरोहित) शुरुआती दौर से ही केदारनाथ धाम में चांदी और सोने की परत लगाए जाने का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि विरोध के बावजूद मंदिर समिति प्रशासन की ओर से पहले चांदी और उसके बाद सोने की परत लगाई गई। केदार सभा के पूर्व अध्यक्ष किशन बगवाड़ी ने आरोप लगाया कि गर्भगृह से सोने की 528 प्लेटों के साथ ही चांदी की 230 प्लेटें भी गायब हैं। उन्होंने मंदिर समिति से सवाल किया कि आखिर 230 किलो सोना कहां गया। इसके अलावा, उन्होंने पूर्व में लगी चांदी के बारे में भी मंदिर समिति से जवाब मांगा है। बगवाड़ी ने कहा कि तीर्थ पुरोहित शुरू से ही उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश से इस पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं लेकिन राज्य सरकार उसे अनसुना करती रही है।उत्तराखंड चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के उपाध्यक्ष संतोष त्रिवेदी ने कहा कि गर्भगृह में लगाए गए सोने की गुणवत्ता को लेकर भी उन्हें संदेह है और उनका सवाल यह है कि मंदिर में लगा सोना तांबे में कैसे बदल गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में गढ़वाल आयुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति बनाने की बात कही थी लेकिन उसकी रिपोर्ट के बारे में अब तक पता नहीं चल पाया है।

तमिलनाडु में तेज रफ्तार वैन ने श्रद्धालुओं को कुचला

तंजावुर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के तंजावुर जिले में बुधवार की सुबह तंजावुर-तिरुचिरापल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार वाहन ने चार महिलाओं समेत पांच श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में एक अन्य महिला घायल हो गई। पुलिस ने इसकी जानकरी दी। पुलिस ने बताया कि पुडुकोट्टई जिले के रहने वाले सभी श्रद्धालु सड़क मार्ग से पदयात्रा करते हुए समयपुरम मरिअम्मां मंदिर जा रहे थे कि यहां से 30 किलोमीटर दूर वलंबकुडी गांव के पास तिरुचि जा रही वैन ने उन्हें कुचल दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में चार महिलाओं समेत पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में घायल एक महिला को उपचार के लिए तंजावुर राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शोक प्रकट करते हुए पीड़ित परिवारों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। एक बयान में उन्होंने उपचाराधीन महिला को भी एक लाख रुपए देने की घोषणा की।

समुद्री अनुसंधान पोत बनाएगा जीआरएसई

कोलकाता। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने एक महासागर अनुसंधान पोत के निर्माण के लिए राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। ीआरएसई ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि 42 महीनों में पोत के निर्माण के लिए जीआरएसई और एनसीपीओआर अधिकारियों के बीच लगभग 840 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। कोलकाता मुख्यालय वाली युद्धपोत निर्माता कंपनी ने कहा कि उसके पास सर्वेक्षण जहाजों के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता है और वह लगभग चार दशकों से भारतीय नौसेना के लिए इनका निर्माण कर रही है। जीआरएसई अधिकारी ने एक बयान में कहा कि इस अनुबंध पर मंगलवार को गोवा में शिपयार्ड और एनसीपीओआर के अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए।

लोस चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के लिए राकांपा से गठबंधन जिम्मेदार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक साप्ताहिक अखबार ने पार्टी के फैसले को कसूरवार ठहराया

भाषा। मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े एक साप्ताहिक अखबार ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खराब प्रदर्शन के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से गठबंधन के उसके फैसले को कसूरवार ठहराया है। अखबार में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि भाजपा के अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट से हाथ मिलाने के बाद जनभावनाएं पूरी तरह से पार्टी के खिलाफ हो गईं। लेख के मुताबिक, उसने भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों से बात की और इन सभी ने कहा कि वे राकांपा से हाथ मिलाने के पार्टी के फैसले से सहमत नहीं थे।

अखबार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच व्याप्त असंतोष को कम करके आंका गया। उसने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में बेहतर समन्वय और शासन एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं को दिए गए महत्व ने राज्य की लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने में भाजपा की मदद की। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों की संख्या पिछले चुनाव में 23 के मुकाबले घटकर नौ हो गई। वहीं, महायुति के उसके गठबंधन सहयोगियों-एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना को सात, जबकि अजित पवार नीत राकांपा को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा। दूसरी ओर, विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 30 पर कब्जा जमाया। एमवीए में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राकांपा (शरद चंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल हैं। आरएसएस से जुड़े साप्ताहिक

अखबार विवेक ने मुंबई, कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों पर की गई अनौपचारिक रायशुमारी के आधार पर यह लेख प्रकाशित किया। लेख में कहा गया है, भाजपा या संगठन (संघ परिवार) से जुड़े लगभग हर व्यक्ति ने कहा कि वह राकांपा (अजित पवार के नेतृत्व वाले) के साथ गठबंधन करने के भाजपा के फैसले से सहमत नहीं है। हमने 200 से अधिक उद्योगपतियों, व्यापारियों, चिकित्सकों, प्रोफेसर और शिक्षकों की राय जानी। इन सभी ने माना कि भाजपा-राकांपा गठबंधन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में व्याप्त असंतोष को कम करके आंका गया। लेख के अनुसार, एक-दूसरे से छोटी-मोटी शिकायतों के बावजूद हिंदुत्व के साझा सूत्र के चलते शिवसेना के साथ भाजपा के गठबंधन को हमेशा स्वाभाविक माना जाता है। लेख में कहा गया है कि लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ एमवीए के तत्कालीन मंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत स्वीकार कर ली थी। यह बगावत उद्धव सरकार के गिरने का कारण बनी थी। इसमें कहा गया है कि भाजपा ने बाद में शिंदे के समर्थन की घोषणा की और वह सरकार बनाने में सफल रहे। लगभग एक साल बाद, तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष अजित पवार पार्टी के कई विधायकों के साथ शिंदे सरकार में बतौर उपमुख्यमंत्री शामिल हो गए। लेख में कहा गया है, हालांकि, राकांपा से हाथ मिलाने के बाद जनभावनाएं पूरी तरह से भाजपा के खिलाफ हो गईं। राकांपा की वजह से गणित गड़बड़ाने के बाद पार्टी की भावी रणनीति को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लेख के मुताबिक, भाजपा की एक ऐसे दल के रूप में छवि बन गई, जो नेताओं को मांझने की पुरानी संगठनात्मक प्रक्रिया को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए दूसरी पार्टी के नेताओं को खुद में शामिल करती है।

लेख में कहा गया है कि इस प्रक्रिया से पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर अटल बिहारी वाजपेई और राज्य स्तर पर गोपीनाथ मुंडे, प्रमोद महाजन, नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे दिग्गज नेता मिले। इसमें कहा गया है कि ए सभी नेता विनम्र पार्टी कार्यकर्ता थे, जो आगे चलकर बड़े नेता बने और वे इस बात को हमेशा से जानते थे। लेख में अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से हिंदुत्व का प्रचार करने वाले यूट्यूबर भाऊ तोरसेकर को भाजपा की राज्य पदाधिकारी श्वेता शालिनी की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिस का अप्रत्यक्ष रूप से जिक्र किया गया। तोरसेकर ने अपने एक हालिया पोस्ट में शालिनी के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी की थी, जिसके बाद शालिनी ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा था। हालांकि, बाद में उन्होंने इसे वापस ले लिया। लेख में कहा गया है, विपक्ष ने यह धारणा कायम करने में सफलता पाई कि पार्टी के मूल कार्यकर्ता हमेशा निचले पायदान पर रहेंगे, जबकि दलबदलुओं को बड़े पद मिलेंगे। सोशल मीडिया पर हिंदुत्व का प्रचार करने वालों के खिलाफ कुछ लोगों की कार्वाई ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष बढ़ा दिया। कार्यकर्ता यह भी सोचने लगे कि पार्टी में उनकी राय की कोई कीमत है या नहीं। अखबार ने राम मंदिर की सीमित स्वीकार्यता और आपातकाल के दौरान आरएसएस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बलिदान को भी रेखांकित किया। उसने कहा, आपातकाल के दौरान और राम मंदिर आंदोलन के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के बलिदान के बारे में कोई संदेह नहीं है। पर जब मतदान की बात आती है, तो 45 वर्ष से कम उम्र के शिक्षित लोगों पर इसका कितना प्रभाव पड़ता है? भले ही वह व्यक्ति हिंदुत्व समर्थक हो, उसे तीन-चार दशक पहले हुई घटनाओं से कोई जुड़ाव महसूस नहीं होगा।

ब्रिटेन की नई सरकार ने जीवन-यापन की लागत के संकट को कम करने का वादा किया

लंदन। ब्रिटेन की नई लेबर पार्टी सरकार ने बुधवार को कहा कि वह धन सृजन पर ध्यान केंद्रित करके देश को जीवनयापन की लागत के संकट से उबरने में मदद करेगी। इसके साथ ही सरकार ने राष्ट्रीय नवीनीकरण के लिए अपनी योजनाओं को पेश किया। महाराजा चार्ल्स तृतीय ने बुधवार को संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की नई सरकार के विधाई एजेंडे का विवरण पेश किया। अभिभाषण में ब्रिटेन के सार्वजनिक वित्त को स्थिर करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की सरकार की योजना का जिक्र किया गया। महाराजा ने सैकड़ों सांसदों को संबोधित करते हुए कहा, मेरी सरकार व्यवसाय और कामकाजी लोगों -दोनों के साथ एक नई साझेदारी की तलाश करेगी और सभी समुदायों के लिए धन सृजन को प्राथमिकता देकर देश को

जीवन-यापन की लागत की चुनौतियों से आगे बढ़ने में मदद करेगी। चुनाव प्रचार के दौरान स्टॉर्मर ने ब्रिटेन में साहसिक बदलाव लाने का वादा किया था।

लेबर सरकार द्वारा लिखे भाषण में कहा गया है कि पार्टी और आवास तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निर्माण करेगी, श्रमिकों के अधिकारों को मजबूत करेगी और नई औद्योगिक रणनीति बनाएगी। महाराजा चार्ल्स तृतीय ने यह भाषण पढ़ा। अभिभाषण की लिखित प्रस्तावना में, प्रधानमंत्री ने धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया और कहा कि बदलाव के लिए आसान उत्तरों और लोकलुभावनवाद वादों के बजाय दृढ़ निश्चई, धैर्यपूर्ण काम और गंभीर समाधानै की आवश्यकता होगी। लेबर पार्टी ने चार जुलाई को आम चुनाव में भारी जीत हासिल की। स्टॉर्मर ने देश के पुराने बुनियादी ढांचे और खराब सार्वजनिक सेवाओं को दुरुस्त करने का वादा किया है। उनका कहना है कि वे व्यक्तिगत कर की दर नहीं बढ़ाएंगे। अभिभाषण में 40 विधेयकों को शामिल किया गया जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार के समय पिछले अभिभाषण में केवल 21 विधेयक थे। इन 40 विधेयकों में घर बनाने से लेकर रेलवे का राष्ट्रीयकरण और बिजली आपूर्ति क्षेत्र में बदलाव लाना शामिल हैं। सरकार ने कहा कि वह ब्रिटेन के निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय धन कोष की स्थापना करेगी और नए घरों और बुनियादी ढांचे के निर्माण को बाधित करने वाले नियोजन नियमों को फिर से तैयार करेगी।

ओमान की मस्जिद में हुई गोलीबारी में मारे गए छह लोगों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई, मस्कट। ओमान की राजधानी मस्कट में एक शिया मस्जिद के समीप इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह की गोलीबारी में मारे गए छह लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। इमाम अली मस्जिद के समीप सोमवार रात को हुई गोलीबारी में एक पुलिस कर्मी और चार पाकिस्तानी नागरिकों की भी जान चली गई जबकि 28 अन्य लोग घायल हो गए। मस्कट में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मस्कट शहर में 15 जुलाई को गोलीबारी की घटना के बाद ओमान सल्तनत के विदेश मंत्रालय ने सूचित किया कि एक भारतीय नागरिक ने जान गंवाई है तथा एक अन्य घायल है। दूतावास पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता है तथा उन्हें हरसंभव मदद देने के लिए तैयार है। सोमवार की रात को अल-वादी अल-कबीर इलाके में हुई इस घटना के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन हमलावरों को भी मार गिराया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉरीशस के शीर्ष राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की

पोर्ट लुई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को मॉरीशस के विपक्षी नेता अरविन बूलेल सहित वहां के शीर्ष राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की और उनसे द्वीपीय राष्ट्र के साथ भारत की विशेष और स्थाई साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। विदेश मंत्री के रूप में अपने वर्तमान कार्यकाल में यह उनका पहला दौरा था। विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा था, यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती और गहराई को रेखांकित करता है। यह मॉरीशस के साथ भारत की विशेष और स्थाई साझेदारी के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करने का भी अवसर है।

जयशंकर ने बूलेल के साथ मॉरीशस-भारत संबंधों और हिंद महासागर क्षेत्र की समृद्धि और कल्याण के लिए इसके महत्व पर चर्चा की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, हमारे संबंधों को लगातार मजबूत करने के लिए उनके समर्थन का स्वागत है। बूलेल का जन्म पोर्ट लुई में एक आर्य समाजी भारतीय मूल के मॉरीशस के परिवार में हुआ था, वे लेबर पार्टी के पूर्व नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री सैटकैम बूलेल के पुत्र हैं। उन्होंने पार्टी मौरिसियन सोशल डेमोक्रेट के नेता जेवियर ल्यूक डुवाल से भी मुलाकात की।

जयशंकर ने एक्स पर कहा, भारत-मॉरीशस साझेदारी को मजबूत करने पर विचारों का अच्छा आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों पॉल बेरेन्जर और नवीन रामगुलाम से भी मुलाकात की। जयशंकर ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री पॉल बेरेन्जर से मिलकर अच्छा लगा। समकालीन वैश्विक मुद्दों पर जीवंत बातचीत हुई। भारत-मॉरीशस संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं।

बेरेन्जर 2003 से 2005 तक मॉरीशस के प्रधानमंत्री रहे। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, आज सुबह पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम से मिलकर खुशी हुई। हमारी दीर्घकालिक द्विपक्षीय साझेदारी और इसके आगे विकास की व्यापक इच्छा पर चर्चा की। भारत-मॉरीशस संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं। रामगुलाम के पूर्वज बिहार से मॉरीशस चले आए थे। वह दिसंबर 1995 से सितंबर 2000 तक पहली बार प्रधानमंत्री रहे। पांच जुलाई 2005 को वे दूसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री बने और 2014 तक इस पद पर रहे।

उत्तर कोरिया की बारूदी सुरंगो के दक्षिण कोरिया में बाढ़ में बहकर आने की आशंका

सियोल। उत्तर कोरिया ने हाल में दक्षिण कोरिया की कड़ी सुरक्षा वाली सीमा पर हजारों अतिरिक्त घातक विस्फोटक तैनात कर दिए हैं, जिस पर दक्षिण कोरिया की सेना ने बुधवार को चेतावनी दी कि बाढ़ के कारण पड़ोसी देशी की बारूदी सुरंगे उसके यहां बहकर आ सकती हैं। उत्तर कोरिया द्वारा सीमा पर अप्रैल से निर्माण कार्य चल रहे हैं, जिनमें बारूदी सुरंगें बिछाना, टैंक रोधी अवरोधों को लगाना और सड़कों को सुदृढ़ करना शामिल है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों का मानना है कि उत्तर कोरिया का लक्ष्य अपनी अग्रिम पंक्ति की सुरक्षा स्थिति को मजबूत करना तथा अपने सैनिकों एवं नागरिकों को दक्षिण कोरिया में जाने से रोकना है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने स्थानीय पत्रकारों को बताया कि गर्मियों में बारिश के कारण आने वाली बाढ़ सीमा पार की बारूदी सुरंगों को बहा कर ला सकती है।

प्रीति पटेल विपक्ष के नेता के रूप में सुनक की जगह लेने के लिए कर सकती हैं दावा

लंदन। ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्ष के नेता के रूप में ऋषि सुनक का स्थान लेने के लिए कंजर्वेटिव पार्टी में अपना दावा पेश कर सकती हैं। ब्रिटिश मीडिया की खबरों के अनुसार, भारतीय मूल की ब्रिटिश सांसद पटेल (52) इस महीने की शुरुआत में हुए आम चुनाव में अपनी पार्टी की करारी हार के बावजूद एसेक्स की वाइथम सीट पर शानदार जीत दर्ज करने में सफल हो गईं। सुनक ने पांच जुलाई को लेबर पार्टी की जीत के बाद अपने इस्तीफे की घोषणा की थी और वह बुधवार को संसद के राजकीय उद्घाटन समारोह में अंतरिम विपक्षी नेता के रूप में शामिल होंगे।

डेली टेलीग्राफ ने वरिष्ठ सांसद के एक करीबी सूत्र के हवाले से अपनी खबर में कहा, प्रीति ने दूसरों को सहयोग देने की पूरी कोशिश की है, उनका मानना है कि उनके सहकर्मियों को भी आम चुनाव के नतीजों को पचाने के लिए समय चाहिए और वह नहीं चाहतीं कि संभावित उम्मीदवार मीडिया में अपनी बात रखें।

सूत्र ने कहा कि उन्होंने (पटेल ने) एक टीम भी बना ली है, क्योंकि पिछले सप्ताह पार्टी के कई सहयोगियों ने उनसे चुनाव लड़ने का आग्रह किया था। पटेल ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, वाइथम निर्वाचन क्षेत्र के महान लोगों द्वारा उन्हें एक बार फिर संसद के लिए चुना जाना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, मैं एसेक्स के हमारे खूबसूरत क्षेत्र के लोगों के लिए एक मजबूत और मुखर समर्थक बनी रहूंगी और अपने मूल्यों के लिए खड़ी रहूंगी।

यदि वह विपक्ष के नेता पद की दौड़ में शामिल होती हैं, तो उन्हें भारतीय मूल की उनकी सहकर्मी सुएला ब्रेवरमैन और रॉबर्ट जेनरिक समेत कई अन्य पूर्व कैबिनेट मंत्रियों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप के बारे में सच बोलना नहीं बंद करूंगा: बाइडन

लास वेगास। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि ऐसा करने का यह मतलब नहीं है कि हम सच बोलना बंद कर दें। लास वेगास में एनएएसीपी सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि देश में राजनीतिक हिंसा से निपटने का मतलब हर तरह के खूनखराबे पर लगाम लगाना, पुलिस की क्रूरता का बेहतर मुकाबला करना और ट्रंप पर बीते सप्ताहांत हुए हमले में इस्तेमाल एआर-स्टाइल राइफल जैसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाना होना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, देश में एक महत्वपूर्ण चर्चा का समय आ गया है। हमारा राजनीतिक परिदृश्य बहुत गरमा गया है। और चार साल के नारों के बीच उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि हमें अपनी राजनीतिक बयानबाजी में कड़वाहट कम करनी चाहिए, क्योंकि यह हिंसा से संबंधित है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए।

सम्मेलन में राष्ट्रपति अश्वेत मतदाताओं के लिए अपने प्रशासन के समर्थन को प्रदर्शित करते नजर आए, जो डेमोक्रेटिक पार्टी का बड़ा वोट बैंक होने के साथ ही उनके दृढ़ समर्थक भी माने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति के पद पर ट्रंप के कार्यकाल को अश्वेत अमेरिकियों के लिए नर्क करार दिया। बाइडन ने कोरोना वायरस महामारी के कुप्रबंधन, लॉकडाउन के दौरान बढ़ी बेरोजगारी और अश्वेत इतिहास को मिटाने के कथित प्रयासों को लेकर भी पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा।

बाइडन ने ट्रंप के ब्लैक जॉब्स का संदर्भ देने का उपहास किया और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का जिक्र करते हुए कहा, मुझे यह वाक्यांश पसंद है। मुझे पता है कि ब्लैक जॉब से उनका मतलब क्या है। उनका मतलब अमेरिका की उपराष्ट्रपति से है। वह राष्ट्रपति बनने के भी योग्य हैं। बाइडन ने देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी जिक्र किया। उन्होंने केतनजी ब्राउन जैक्सन का भी नाम लिया, जो अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली अश्वेत एवं महिला न्यायाधीश हैं।

बाइडन पिछले महीने ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति पद की उनकी उम्मीदवारी पर उठते सवालों के बीच एनएएसीपी सम्मेलन में पहुंचे। राष्ट्रपति के खराब प्रदर्शन ने उम्र, सेहत और ट्रंप को हराने की उनकी क्षमता को लेकर पार्टी नेताओं और मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, बाइडन ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की मांग खारिज कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए सबसे योग्य व्यक्ति हैं और ट्रंप को एक बार फिर हरा सकते हैं। वहीं, रिपब्लिकन नेता मिलवाउकी में जारी पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ट्रंप के साथ पहले से कहीं अधिक एकजुटता प्रदर्शित करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं।

रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय-अमेरिकी नेता निक्की हेली ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया

मिलवाउकी। रिपब्लिकन पार्टी की भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है जिससे प्राइमरी चुनाव के दौरान उनकी कटु प्रतिद्वंद्विता के बाद अब एकता का संदेश मिलता है। हेली (52) ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए ट्रंप (78) को चुनौती दी थी तथा महीनों तक उनके खिलाफ प्रचार किया था लेकिन बाद में इस दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने पिछले सप्ताह अपने 97 डेलीगेट को पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रंप के लिए वोट करने का निर्देश दिया था और पार्टी में एकता का आह्वान किया था।

हेली ने यहां मिलवाउकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में दिए अपने संबोधन में कहा, मैं एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहूंगी। डोनाल्ड ट्रंप को मेरा पुरजोर समर्थन प्राप्त है। इस सम्मेलन में पर्याप्त संख्या में डेलीगेट (मतदाताओं के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति) के वोट हासिल करने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं। वह बृहस्पतिवार को नामांकन स्वीकार करने हुए अपना संबोधन देंगे। हेली ने हजारों डेलीगेट और पार्टी नेताओं से कहा कि ट्रंप देश के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार हैं और रिपब्लिकन नेता निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन को हराने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने अपने भाषण में पूर्व राष्ट्रपति की विदेश नीति का बचाव किया और उनसे कुछ मुद्दों पर असहमति रखने वाले मतदाताओं से सीधे बात की। उन्होंने कहा, कुछ अमेरिकी हैं जो डोनाल्ड ट्रंप से 100 फीसदी सहमत नहीं है। उन्हें मेरा संदेश स्पष्ट है : ट्रंप के लिए वोट करते समय आपको उनसे 100 फीसदी सहमत होने की जरूरत नहीं है।

हेली ने कहा, हमारा देश एक अहम मोड़ पर है। हमें किसी को चुनना होगा। एक साल से अधिक वक्त से मैंने कहा है कि जो बाइडन के लिए वोट करने का मतलब कमला हैरिस के लिए वोट करना है। हमारे देश की खातिर हमें डोनाल्ड ट्रंप को चुनना होगा। हेली के भाषण के वक्त ट्रंप सम्मेलन केंद्र में मौजूद थे। जब हेली ने भाषण शुरू किया तो ट्रंप और सीनेटर जे डी वेंस ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाईं।

भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा, जब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रीमिया पर आक्रमण किया। जब जो बाइडन राष्ट्रपति हैं तो पुतिन ने पूरे यूक्रेन पर ही हमला कर दिया। लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे तो पुतिन ने कुछ नहीं किया। कोई आक्रमण नहीं, कोई युद्ध नहीं। पुतिन ने यूक्रेन पर हमला नहीं किया क्योंकि वह जानते थे कि डोनाल्ड ट्रंप सख्त हैं। एक मजबूत राष्ट्रपति युद्ध शुरू नहीं करता है। एक मजबूत राष्ट्रपति युद्ध रोकता है। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी से नेता बने विवेक रामास्वामी ने भी सम्मेलन से पहले देशवासियों से ट्रंप के लिए वोट करने को कहा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ऐसे राष्ट्रपति होंगे जो असल में देश को एकजुट करेंगे और वह भी महज बातों से नहीं, बल्कि कुछ कर दिखाने के बाद।

आंतरिक सुरक्षा विभाग ट्रंप की रैली में सुरक्षा संभालने के तरीके की जांच कर रहा

वाशिंगटन। अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा विभाग के महानिरीक्षक ने कहा है कि विभाग पेन्सिल्वेनिया में आयोजित रैली में हुए हमले के दौरान यूएस सीक्रेट सर्विस द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुरक्षा इंतजाम की जिम्मेदारी संभालने के तरीकों की जांच कर रहा है। बुधवार को अपनी वेबसाइट पर एक संक्षिप्त नोटिस में कहा कि जांच का उद्देश्य पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की 13 जुलाई की रैली के दौरान उन्हें सुरक्षा मुहैया करने संबंधी सीक्रेट सर्विस की प्रक्रिया का मूल्यांकन करना है। जांच कब शुरू की गई, इसकी कोई तारीख नहीं बताई गई। रैली में हुई गोलीबारी की घटना के बाद ए सवाल उठ रहे हैं कि बंदूकधारी उस छत पर पहुंचने में कैसे कामयाब हुआ जहां से पूर्व राष्ट्रपति उसके सीधे निशाने पर आए। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रैली में सुरक्षा इंतजाम की स्वतंत्र समीक्षा का पहले ही निर्देश दिया है। सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम चीटल ने कहा कि एजेंसी बाइडन द्वारा दिए गए समीक्षा के आदेश को समझती है और यह इसमें तथा गोलीबारी की घटना पर गौर कर रही संसदीय समितियों का पूरी तरह से सहयोग करेगी।

रूस, यूक्रेन ने की 95-95 युद्धबंदियों की अदला-बदली

कीव। यूक्रेन और रूस ने 95-95 युद्धबंदियों की अदला-बदली की है। दोनों देशों के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे पूर्व, तीन सप्ताह पहले भी युद्धबंदियों की इस तरह की अदला-बदली की गई थी। यह बंदी बनाए गए सैनिकों को वापस भेजने के लिए कभी-कभार होने वाले समझौतों का हिस्सा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस अदला-बदली की सूचना दी। फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले की शुरुआत के बाद से 54 बार युद्धबंदियों की अदला-बदली हो चुकी है। ना तो रूस और ना ही यूक्रेन ने युद्धबंदियों की संख्या का खुलासा किया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने फिर से समझौतों की मध्यस्थता की है। यूएई ने कहा कि उसका रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध कायम है।

जेलेंस्की ने पोस्ट में लिखा, चाहे यह कितना भी मुश्किल क्यों न हो, हम उन सभी की तलाश कर रहे हैं जो कैद में हैं। हमें सभी को वापस लाना होगा। रिहा किए गए यूक्रेन के नागरिकों में कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने दो साल से ज्यादा समय तक कैद में बिताया। यूक्रेन के युद्धबंदियों के समन्वय मुख्यालय ने बताया कि उन्हें कीव क्षेत्र में रूस के शुरुआती आक्रमण और पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र में लड़ाई के दौरान मारियुपोल में पकड़ा गया था। मुख्यालय ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3,400 से ज्यादा लोग रूस की कैद से वापस लौटे हैं। इनमें सैन्य और असैन्य दोनों तरह के लोग शामिल हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रिहा किए गए रूसी सैनिकों को चिकित्सा उपचार और पुनर्वास के लिए मॉस्को ले जाया जाएगा। जनवरी में रूस और यूक्रेन ने सैकड़ों युद्धबंदियों की अदला-बदली की थी, जो कि एक बार में रिहा किए गए बंदियों की सर्वाधिक संख्या है।

रामास्वामी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए ट्रंप को वोट देने का आग्रह किया

भाषा। मिलवाउकी (अमेरिका)

भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी एवं रिपब्लिकन पार्टी के नेता विवेक रामास्वामी ने अमेरिकियों से राष्ट्रीय गौरव को फिर से हासिल करने और अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वोट देने का आग्रह किया है। रामास्वामी (38) रिपब्लिकन प्राइमरी के शुरुआती चरण में ही राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ से बाहर हो गए थे। रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएनसी) को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रंप ऐसे राष्ट्रपति साबित होंगे जो खोखले शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से अमेरिका को एकजुट करेंगे।

रामास्वामी ने कहा, यदि आप सीमा सील करना चाहते हैं, तो ट्रंप को वोट दें। अगर आप कानून और व्यवस्था की स्थिति बहाल करना चाहते हैं, तो ट्रंप को वोट दें। यदि आप हमारी

अर्थव्यवस्था को फिर से गति देना चाहते हैं, तो ट्रंप को वोट दें। यदि आप राष्ट्रीय गौरव को फिर से हासिल करना चाहते हैं, तो ट्रंप को वोट दें। यदि आप अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं, तो ट्रंप को वोट दें। उनके भाषण की कई लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाते हुए सराहना की।

रामास्वामी ने कहा, हम वह देश हैं जहां हम एक-दूसरे से काफी हद तक असहमत हो सकते हैं और फिर भी अंत में हम एक साथ बैठकर भोजन कर सकते हैं। यही वह अमेरिका है जिसे मैं जानता हूं। यही वह अमेरिका है जिसकी हमें कमी खलती है। उन्होंने कहा, यदि आप मेरी हर बात से असहमत हैं तो आपके लिए हमारा संदेश यह है - हम फिर भी आपके अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी ऐसे ही हैं।

टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रामास्वामी के भाषण की प्रशंसा की। अपने लगभग सात मिनट के जबरदस्त भाषण में रामास्वामी ने कहा कि वह एक ऐसा संदेश देना चाहते है जिसे मीडिया नहीं चाहता कि वे रिपब्लिकन पार्टी से सुनें। उन्होंने कहा, अश्वेत अमेरिकियों के लिए: मीडिया ने दशकों से आपको यह समझाने की कोशिश की है कि रिपब्लिकन आपके समुदायों की परवाह नहीं करते हैं। हम आपके लिए वही चाहते हैं जो हम हर अमेरिकी के लिए चाहते हैं। हम सभी के लिए सुरक्षित पड़ोस, साफ सड़कें, अच्छी नौकरियां, आपके बच्चों के लिए बेहतर जीवन और एक समान न्याय प्रणाली चाहते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन हम सिर्फ दूसरे पक्ष की आलोचना करके यह चुनाव नहीं जीतने जा रहे हैं।

ढाका विवि अनिश्चितकाल के लिए बंद

विद्यार्थियों से छात्रावास खाली करने को कहा गया

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के प्रावधान में सुधार की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों में कम से कम छह लोगों के मारे जाने के बाद ढाका विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने संस्थान को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की बुधवार को घोषणा की। अधिकारियों ने छात्रों को शाम छह बजे तक छात्रावास खाली करने के निर्देश दिए हैं। समाचार पत्र ढाका ट्रब्यून ने प्रति-कुलपति (अकादमिक) प्रोफेसर सीतेश सी बाचर के हवाले से बताया कि यह निर्णय कुलपति एएसएम मकसूद कमाल के कार्यालय में एक आपात बैठक में लिया गया।

बाचर ने द डेली स्टार से कहा , छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमने विश्वविद्यालय को अनिश्चित काल के लिए बंद करने और हॉल खाली कराने का फैसला किया है। समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र इस फैसले का विरोध कर रहे हैं और वे कुलपति के आवास पर एकत्र हो गए। सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प में मंगलवार को तीन विद्यार्थियों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। इसके बाद स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

उच्च न्यायालय ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण समाप्त करने वाले 2018 के सरकारी परिपत्र को पांच जून को अवैध घोषित कर दिया था, इसके बाद 10 जुलाई को उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले पर यथास्थिति कायम रखने का आदेश जारी किया था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों से अगली सूचना तक कक्षाएं स्थगित करने और छात्रावास खाली कराने को कहा था। इस पर बुधवार को ढाका विश्वविद्यालय की सर्वोच्च नीति निर्धारण संस्था, सिंडिकेट की एक बैठक तत्काल बुलाई गई।

यूजीसी का यह निर्देश प्रदर्शनों के दौरान हुई कई झड़पों के बाद आया है। ए झड़पें सोमवार को शुरू हुईं, जब सत्तारूढ़ अवामी लीग के छात्र मोर्चे के कार्यकर्ता प्रदर्शनकारियों के सामने आ गए। प्रदर्शनकारी इस बात पर जोर दे रहे थे कि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन को काफी हद तक रोक रही है। प्रदर्शनकारियों ने चार महत्वपूर्ण शहरों-मध्य ढाका, उत्तर पश्चिम राजशाही, दक्षिण पश्चिम खुलना और चट्टोग्राम में राजमार्ग और रेल मार्ग अवरूद्ध कर दिए। मौजूदा आरक्षण प्रणाली के तहत 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायकों की संतानों और पौत्र-पौत्रियों के लिए 30 फीसदी नौकरियां, प्रशासनिक जिलों के लिए 10 प्रतिशत, महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत, जातीय अल्पसंख्यक समूहों के लिए पांच प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत नौकरियां आरक्षित हैं।

ईरान ने ट्रंप की हत्या की साजिश में संलिप्तता के आरोपों से इनकार किया

तेहरान। ईरान ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश संबंधी आरोपों को खारिज किया लेकिन साथ ही एक प्रतिष्ठित जनरल की 2020 में की गई हत्या के लिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ कानूनी कार्वाई करने का संकल्प जताया। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नसीर कनानी के हवाले से कहा कि ईरान ट्रंप पर हाल में हुए सशस्त्र हमले में किसी भी प्रकार की संलिप्तता या ऐसी किसी कार्वाई की ईरान की मंशा के बारे में दावों को सिरे से खारिज करता है। कनानी ने हालांकि कहा, इस्लामिक गणराज्य शहीद जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के अपराध में ट्रंप की सीधी भूमिका के लिए उनके खिलाफ कानूनी कार्वाई करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सुलेमानी, ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर कुद्स फोर्स के कमांडर थे और जनवरी 2020 में बगदाद में अमेरिका के ड्रोन हमले में मारे गए थे। अमेरिका के दो अधिकारियों ने मंगलवार को कहा था कि शनिवार को पेनसिल्वेनिया में हुई रैली से कुछ दिनों पहले ईरान से ट्रंप की जान को खतरे के कारण उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराई गई थी लेकिन इसका रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सैयद इरावनी ने मंगलवार को तेहरान के खिलाफ आरोपों को निराधार तथा राजनीति से प्रेरित बताया था।

थाइलैंड के होटल में मृत पाए गए छह लोगों के रक्त में साइनाइड के अंश मिले

बैंकॉक। बैंकॉक के एक होटल में संदिग्ध हालात में मृत मिले छह लोगों के शवों का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों ने उनके रक्त में साइनाइड के अंश मिलने की बुधवार को पुष्टि की। साइनाइड बेहद जहरीला रसायन है जिसके सेवन के बाद बच पाना लगभग नामुमकिन है। चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय के मेडिकल स्कूल में फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. कोर्नकियाट वोंगपाइसरनसिन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिटी स्कैन में शवों पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं जिससे यह अनुमान पुष्ट होता है कि उन्हें जहर दिया गया। बैंकॉक के व्यस्त इलाके में स्थित ग्रैंड हयात इरावन होटल में मंगलवार को छह शव पाए गए थे। पुलिस ने बताया कि होटल के रिकॉर्ड की जांच से पता चला कि कमरे में छह लोगों के अलावा कोई अन्य बाहरी व्यक्ति नहीं था।

सोमवार दोपहर को जब उनके कमरे में भोजन पहुंचाया गया था तब आखिरी बार उन्हें जीवित देखा गया था। होटल के कर्मचारी ने देखा था कि महिला ने खाना लिया और बाकी सभी लोग कुछ ही देर बाद एक-एक करके कमरे में आए। थाईलैंड पुलिस के फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल त्राइरोंग पिवपन ने बताया कि कमरे से कब्जे में लिए गए खाली कप से पुलिस को साइनाइड के अंश मिले हैं। पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट बुधवार दोपहर को आने की उम्मीद है।

बैंकॉक के पुलिस प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल थिति सांगसवांग ने बताया कि मृतकों की पहचान दो वियतनामी-अमेरिकी के तौर पर और चार की वियतनाम के नागरिक के रूप में की गई है। उन्होंने कहा कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं हैं। बैंकॉक के उप पुलिस प्रमुख नोप्पसिन पुन्सावत ने बताया कि मृतकों की उम्र 37 से 56 वर्ष थी। उन्होंने कहा, यह मामला व्यक्तिगत प्रतीत होता है और इससे पर्यटकों की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पीड़ितों के रिश्तेदारों से हासिल जानकारी का हवाला देते हुए पुन्सावत ने बताया, एक दंपति ने अन्य दो दंपति के साथ मिलकर धन निवेश किया था, जिससे अनुमान है कि यह मामला धन निवेश से जुड़ा हो सकता है।

यह निवेश जापान में एक अस्पताल बनाने के लिए किया गया था और संभवत: वे लोग इसी मामले को लेकर मिले थे। बैंकॉक के पुलिस प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल थिति सांगसवांग ने मंगलवार को बताया कि चार शव बैठक कक्ष और दो शव शयनकक्ष में बरामद किए गए। ऐसा प्रतीत होता है कि उनमें से दो ने दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन इससे पहले ही वे गिर पड़े। नोप्पसिन ने बुधवार को बताया कि जब वे लोग थाईलैंड आए थे तो उनके साथ एक सातवां व्यक्ति भी था जो कि उन छह लोगों में से एक का रिश्तेदार है और उसी के नाम पर होटल में बुकिंग की गई थी लेकिन वह 10 जुलाई को ही थाईलैंड से चला गया। पुलिस का मानना है कि सातवें व्यक्ति का इन मौतों से कोई संबंध नहीं है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने कहा कि इस घटना को लेकर वियतनाम और अमेरिका के दूतावासों से संपर्क किया गया है तथा जांच के लिए अमेरिका का फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) भी यहां पहुंच रहा है।

ओलंपिक के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों की सूची जारी, आभा खटुआ हुईं बाहर

भाषा। नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी मंजूरी दी है जिसमें खेल अधिकारी भी शामिल हैं। सहयोगी स्टाफ के 72 सदस्यों को सरकार के खर्चे पर मंजूरी मिली है। ओलंपिक के लिए जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था उनमें से केवल गोला फेंक की एथलीट आभा खटुआ का नाम सूची में नहीं है। विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था। अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि चोट लगने, डोपिंग उल्लंघन या किसी अन्य तकनीकी समस्या के कारण उनका नाम हटाया गया है।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले अन्य खिलाड़ियों को उम्मीद के अनुरूप मंजूरी मिल गई। लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूर्व निशानेबाज गगन नारंग को दल प्रमुख बनाया गया है। नारंग भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में उपाध्यक्ष भी हैं।खेल मंत्रालय की ओर से आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा को लिखे गए पत्र में कहा गया है, ओलंपिक खेल 2024 की आयोजन समिति के मानदंडों के अनुसार सहयोगी स्टाफ के 67 सदस्य ही खेल गांव में रुक सकते हैं जिनमें आईओए के 11 अधिकारी भी शामिल हैं।

आभा खटुआ

अधिकारियों में पांच सदस्य चिकित्सा दल के हैं। पत्र में कहा गया है, खिलाड़ियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की लागत पर 72 अतिरिक्त कोच और अन्य सहायक कर्मचारियों को मंजूरी दी गई है और उनके ठहरने की व्यवस्था होटल-खेल गांव के बाहर के स्थानों में की गई है। आभा खटुआ का नाम शामिल नहीं होने के बावजूद खिलाड़ियों की सूची में सर्वाधिक 29 (11 महिला और 18 पुरुष) खिलाड़ी एथलेटिक्स के हैं। उनके बाद निशानेबाजी (21) और हॉकी (19) का नंबर आता है।टेबल टेनिस में भारत के आठ जबकि बैडमिंटन में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के पीवी सिंधु सहित सात खिलाड़ी भाग लेंगे। कुश्ती (6), तीरंदाजी (6) और मुक्केबाजी (6) में छह-छह खिलाड़ी ओलंपिक में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद गोल्फ (4), टेनिस (3), तैराकी (2), सेलिंग (2) का नंबर आता है। घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारोत्तोलन में एक-एक खिलाड़ी भाग लेंगे। निशानेबाजी दल में 11 महिला और 10 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला दोनों वर्ग में चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू दल में शामिल एकमात्र भारोत्तोलक हैं। वह महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करेंगी। तोक्यो ओलंपिक में भारत के 119 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिन्होंने सात पदक जीते थे। इनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक भी शामिल है। चोपड़ा पेरिस में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे। दल में शामिल में 21 अधिकारियों में 11 खेल गांव में रुकेंगे जबकि बाकी अधिकारी खेल गांव के बाहर होटल में ठहरेंगे। इनका खर्च सरकार वहन करेगी। निशानेबाजी में सहयोगी स्टाफ के सर्वाधिक 18 सदस्य शामिल हैं जिनमें से एक हाई परफॉर्मेंस निदेशक और छह कोच खेल गांव में ठहरेंगे। बाकी 11 सदस्य होटल में रुकेंगे जिनमें चार कोच, चार फिजियो, दो मनोवैज्ञानिक और एक अनुकूलन विशेषज्ञ शामिल हैं। एथलेटिक्स में सहयोगी स्टाफ के 17 सदस्य शामिल हैं। उसके बाद कुश्ती (12), मुक्केबाजी (11), हॉकी (10), टेबल टेनिस (9), बैडमिंटन (9), गोल्फ (7), घुड़सवारी (5), तीरंदाजी (4), नौकायन (4), भारोत्तोलन (4) टेनिस (3), तैराकी (2) और जूडो (1) का नंबर आता है। मंत्रालय के पत्र में कहा गया है कि पेरिस में भारतीय दूतावास में एयर अताशे पद पर कार्यरत एयर कमोडोर प्रशांत आर्य ओलंपिक अताशे होंगे, जिनके पास मान्यता पत्र होगा तथा वह दूतावास की सहायता और हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए खेल गांव और प्रतियोगिता स्थलों का दौरा करेंगे।

भारतीय दल को सर्वश्रेष्ठ सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं, फिर भी हो रही है आलोचना : उषा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक मे भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघो ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने इस शानदार तालमेल पर गौर नही करने के लिए आलोचकों को लताड़ भी लगाई। खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल है। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व मे गठित 13 सदस्ईय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है।उषा ने बुधवार को जारी बयान मे कहा, आईओए मे हम एक ऐसे युग मे प्रवेश कर चुके है, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियो के केंद्र मे है। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3:। अनुपात के बजाय हमने इसे।:। अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासो के बावजूद कुछ रिपोर्टों मे काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है।उषा ने

कहा, खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारो के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले छह पहलवानो मे से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्ईय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही है, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है।

ओलंपिक में पदक जीतने का सिलसिला जारी रख पाएंगे भारतीय पहलवान!

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने बीजिंग ओलंपिक 2008 से लेकर प्रत्एक ओलंपिक में पदक जीता है और पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे पहलवानों के लिए इस सिलसिले को जारी रखना बड़ी चुनौती होगी। लगातार चार ओलंपिक में सफलता के बाद कुश्ती भारत का प्रमुख खेल बन गया। इस बीच उसने सीनियर ही नहीं जूनियर स्तर पर भी अच्छी सफलताएं हासिल की। वह सुशील कुमार थे जिन्होंने 2008 में कांस्य पदक जीत कर भारत में कुश्ती का परिदृश्य बदला। इसके चार साल बाद लंदन ओलंपिक में उन्होंने रजत पदक हासिल किया जबकि योगेश्वर दत्त ने कांस्य पदक जीता। साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक खेल 2016 में कांस्य पदक जीत कर यह सिलसिला जारी रखा जबकि तोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता।

लेकिन जब यह खेल नित नई उंचाई हासिल कर रहा था तब देश के शीर्ष पहलवानों के भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण इसकी प्रगति को करारा झटका लगा। इसके कारण राष्ट्रीय शिविर और घरेलू प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो पाया। इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और तब कोई नहीं जानता था कि आगे क्या होगा। राष्ट्रीय महासंघ के चुनाव हुए लेकिन नई संस्था को निलंबित कर दिया गया। इस खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था के निलंबन हटाए जाने के बाद ही स्थिति सामान्य हो पाई। भारत का केवल एक पुरुष खिलाड़ी और पांच महिला खिलाड़ी ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर पाए। इन खिलाड़ियों के मजबूत और कमजोर पक्षों का यहां विश्लेषण किया जा रहा है। अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 50 किग्रा): अपने खेल में निरंतर सुधार करने वाले अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में रवि दहिया की जगह ली। उनका दमखम और धैर्य बनाए रखना मजबूर पक्ष है। अगर मुकाबला 6 मिनट तक चलता है तो उन्हें हराना आसान नहीं होगा। उनके खेल में हालांकि रणनीति का अभाव नजर आता है। उनके पास प्लान बी नहीं होता है। पेरिस में उन्हें रेई हिगुची और उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लाव से कड़ी चुनौती मिल सकती है।विनेश फोगाट (महिला 50 किग्रा): इसमें कोई संदेह नहीं है कि विनेश फोगाट भारत की सबसे बेहतरीन महिला पहलवानों में से एक हैं। मजबूत रक्षण और उतना ही प्रभावशाली आक्रमण उनकी ताकत है। लेकिन पिछले एक साल में उन्हें चोटी की खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का कम मौका मिला है। इसके अलावा वह कम वजन वर्ग में भाग ले रही है। उन्हें वजन कम करने की जटिल प्रक्रिया से गुजरना होगा। अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा): हिसार की यह तेजतर्रार खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली पहलवान थी। जब विरोध प्रदर्शन अपने चरम पर था, तब उन्होंने विनेश को ट्रायल के लिए चुनौती भी दी थी। अंतिम का मजबूत पक्ष उनका लचीलापन है जिससे वह विरोधी की पकड़ से जल्दी बाहर निकल जाती है। उन्होंने हालांकि एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया और पीठ की चोट के कारण उन्हें इस साल एशियाई चैम्पियनशिप से बाहर होना पड़ा। पिछले कुछ समय में कम प्रतियोगिताओं में भाग लेने का उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। अंशु मलिक (महिला 57 किग्रा): जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सीनियर स्तर में जगह बनाने वाली अंशु पदक के दावेदारों में शामिल है।

ओलंपिक की तैयारी में लगे नडाल की हुई आसान जीत

बस्ताद (स्वीडन)। ओलंपिक की तैयारी में लगे राफेल नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के एकल के पहले दौर में स्वीडन के दिग्गज खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के 21 वर्षीय बेटे लियो बोर्ग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। नडाल ने मैच के बाद अपने 21 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, हमारे खेल के इतिहास के सबसे दिग्गज खिलाड़ी में से एक के बेटे के खिलाफ खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि उसने अच्छा प्रदर्शन किया। उसके सामने अभी लंबा करियर है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं। नडाल ने यहां 2005 में 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था। उसके बाद वह इस टूर्नामेंट में पहली बार भाग ले रहे हैं। ओलंपिक के दौरान टेनिस के मैच रोला गैरां में क्ले कोर्ट पर खेले जाएंगे और उसकी तैयारी के सिलसिले में ही नडाल इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। फ्रेंच ओपन के पहले दौर में बाहर होने के बाद नडाल ने पहली बार एकल मैच खेला। उनका अगला मुकाबला ब्रिटेन के कैमरन नोरी से होगा।

इंटर मियामी के लिए कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान चोटिल होने वाले लियोनेल मेस्सी अपनी मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी की तरफ से कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि मेस्सी के दाहिने टखने में चोट लगी है और उनकी फिटनेस का निरंतर आकलन किया जाएगा। इंटर मियामी बुधवार रात टोरंटो एफसी और शनिवार रात शिकागो की मेजबानी करेगा। मेस्सी अर्जेंटीना और कोलंबिया के बीच रविवार को खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें कोपा अमेरिका फाइनल के इस मैच में 64 मिनट बाद मैदान छोड़ना पड़ा था। अर्जेंटीना ने यह मैच।-0 से जीता था। अर्जेंटीना के इस स्टार खिलाड़ी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर बताया कि उनकी प्रगति अच्छी है और उम्मीद जताई कि कि वह जल्द वापसी करेंगे।

नागल और ड्रेजेविक की जोड़ी नॉर्डिया ओपन से बाहर

बस्ताद (स्वीडन)।ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और पोलैंड के उनके जोड़ीदार करोल ड्रेजेविक को यहां नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। नागल और ड्रेजेविक की जोड़ी मंगलवार को 59 मिनट तक चले मुकाबले में एलेक्जेंडर मुलर और लुका वान असचे की फ्रांसीसी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हार गई।भारत के 26 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि एकल वर्ग में अपनी चुनौती बरकरार रखी है।

साल के अंत में जय शाह बनेंगे चेयरमैन या 2025 तक पद पर बने रहेंगे बार्कले!

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कोलंबो में शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के दौरान सभी की निगाहें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह पर होंगी जहां इस बात पर गंभीर चर्चा हो सकती है कि वह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले से वैश्विक संस्था के अध्यक्ष का पद कब संभालेंगे। शुक्रवार को बोर्ड की बैठक के साथ शुरू होने वाले आईसीसी सम्मेलन में वैश्विक संस्था द्वारा अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान पर चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि एजीएम (वार्षिक आम बैठक) के नौ सूत्रीय एजेंडे (जिसकी एक प्रति पीटीआई के पास है) में टूर्नामेंट का वित्तीय विवरण शामिल नहीं है, लेकिन बोर्ड द्वारा कार्यक्रम के बाद की रिपोर्ट के रूप में इस पर चर्चा की जाएगी जो एक मानक संचालन प्रक्रिया है।

आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्ति भी एजेंडे में है। एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदू- चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का पाकिस्तान नहीं जाना - आईसीसी बोर्ड के आधिकारिक एजेंडे का हिस्सा नहीं है जब तक कि इसे कोई अन्य काम वर्ग

के तहत अध्यक्ष की अनुमति से नहीं लाया जाता। हालांकि चीजों की जानकारी रखने वाले आईसीसी के एक सूत्र ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से इसमें है कि शाह वैश्विक संस्था की बागडोर कब संभालेंगे। आईसीसी सूत्र ने कहा, यह कैसे के बारे में नहीं है, बल्कि कब के बारे में है क्योंकि बीसीसीआई सचिव के रूप में उनके पास अब भी एक साल बचा है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) 2025 में शुरू होगा। हालांकि अगर उन्हें 2025 में पदभार संभालना है तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर 2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा, एक विचारधारा यह है कि क्या होगा यदि आईसीसी की अध्यक्षता का कार्यकाल दो-दो साल के तीन कार्यकाल से बदलकर तीन-तीन साल के दो कार्यकाल हो जाए, तो कुल कार्यकाल छह साल ही रहेगा। माना जा रहा है कि अगर बार्कले का मौजूदा कार्यकाल तीन साल का होता है तो शाह बीसीसीआई सचिव के रूप में छह साल पूरे कर सकते हैं और फिर 2025 में तीन साल के लिए आईसीसी चेयरमैन बन सकते है।

छह देशों को मिलेगा डेवलपमेंट पुरस्कार

नई दिल्ली।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2023 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा जिसमे छह उभरते हुए देश मेक्सिको, ओमान, नीदरलैंड, यूएई, नेपाल और स्कॉटलैंड शामिल है। पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन के अलावा महत्वपूर्ण पहल के लिए 21 उभरते हुए देशों में से छह को पुरस्कारों के लिए चुना गया और इनका चयन एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार इस साल विजेताओं का चयन अप्रैल में घोषित क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं की सूची से किया गया जिसे आईसीसी के पूर्ण सदस्य अधिकारियो, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों और आईसीसी वैश्विक भागीदारों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा चुना गया जिसमे प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया की वरिष्ठ खेल पत्रकार मोना पार्थसारथी भी शामिल हैं। आईसीसी डेवलपमेंट (विकास) पुरस्कार 2002 में शुरू किए गए थे जो एसोसिएट सदस्य देशो मे खेल को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए किए गए काम के लिए दिए जाते है।

सूर्यकुमार टी20 रैंकिंग में नंबर दो पर डटे

यशस्वी जायसवाल को छठवीं पोजीशन

भाषा। दुबई

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायवाल छठे स्थान पर पहुंच गए। रुतुराज गायकवाड़ टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के नुकसान से आठवें पायदान पर हैं।जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत की 4-। की जीत के बाद रैंकिंग को अपडेट किया गया है।श्रृंखला में 141 रन बनाने वाले जायसवाल को चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं।सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में जिंबाब्वे दौरे पर भारतीय टीम की अगुआई करने वाले शुभमन गिल पांच पारियों में 170 रन बनाकर श्रृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे। वह 36 स्थान की लंबी छलांग के साथ 37वें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई भारतीय शीर्ष 10 में नहीं है। जिंबाब्वे के खिलाफ श्रृंखला से अक्षर पटेल को ब्रेक दिया गया था और वह चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को रैंकिंग में फायदा हुआ है। तीन मैच में आठ विकेट चटकाने वाले मुकेश 36 स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पांच मैच में आठ विकेट हासिल करने वाले सुंदर 21 स्थान की छलांग के साथ 73वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के आदिल राशिद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नोर्किया और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा का नंबर उनके बाद आता है।टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चार स्थान के नुकसान से छठे स्थान पर खिसक गए जबकि अक्षर एक स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। सुंदर और शिवम दुबे आठ और 35 स्थान के फायदे से क्रमश: 41वें और 43वें स्थान पर हैं।श्रीलंका के हसरंगा ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर चल रहे हैं।

नागल पेरूगिया चैलेंजर के फाइनल में हारे: पेरूगिया (इटली), भारत के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल रविवार को यहां पेरूगिया चैलेंजर के एकतरफा फाइनल में इटली के लुसियानो डार्डेरी से हार गए। नागल को इटली के प्रतिद्वंद्वी से एक घंटे से भी कम समय में।-6 2-6 से हार मिली। इस तरह यह 26 वर्षीय भारतीय इस साल अपना तीसरा खिताब जीतने से चूक गया। नागल ने स्पेन के बर्नबे जापाटा मिरालेस पर 7-6 (7-2) ।-6 6-2 की संघर्षपूर्ण जीत से फाइनल में प्रवेश किया था।

उषा ने अंतिम के कोचों में सूची में जगह न देने के लिए डब्ल्यूएफआई तदर्थ पैनल को फटकार लगाई

नई दिल्ली। (भाषा) भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का प्रबंधन करने वाले तदर्थ पैनल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि समिति ने पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों को भेजी गई लंबी सूची में पहलवान अंतिम पंघाल के कोचों के नाम नहीं दिए। आईओए की प्रतिक्रिया खेलों के लिए अंतिम के पसंदीदा कोचों को वीजा मंजूरी मिलने में देरी के मद्देनजर आई है। हिसार में प्रशिक्षण लेने वाली 19 साल की पंघाल पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय पहलवान थीं।

कपिल की ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को सलाह, स्वच्छंद होकर खेलें

भाषा। नई दिल्ली

भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने बुधवार को ओलंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ में स्वच्छंद होकर खेलने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतेगा। पेरिस में भारत का प्रतिनिधित्व 117 सदस्ईय दल करेगा और देश को तोक्यो में जीते सात पदकों की संख्या को बेहतर करने की उम्मीद है। ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियन्स लीग (टीजीसीएल) के दूसरे सत्र की

घोषणा के मौके पर कपिल ने कहा, मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, सभी को (भारतीय खिलाड़ियों) मेरी सलाह होगी कि वे जाएं और खुद को जाहिर करें, स्वच्छंद होकर खेलें। हम क्यों उम्मीद नहीं करेंगे कि हम दोहरे अंक में पदक जीतेंगे। कपिल ने हालांकि भारतीय क्रिकेट और नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर पर टिप्पणी करने से परहेज किया।

उन्होंने कहा, अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।
गोल्फ के शौकीन कपिल ने उम्मीद जताई कि देश में यह खेल आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा, जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह इस उंचाई पर पहुंचेगा। मुझे उम्मीद है कि एक दिन गोल्फ भी क्रिकेट की उंचाइयों पर पहुंच जाएगा। टीजीसीएल के दूसरे सत्र का आयोजन बेंगलुरू के प्रेस्टीज गोल्फशर क्लब में दो से सात सितंबर तक किया जाएगा। टूर्नामेंट में इस बार श्रीलंका की एक टीम सहित कुल आठ टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी जिनमें नाम वेव राइडर्स, मुंबई वारियर्स, चंडीगढ़ टाइटंस, चेन्नई हसलर्स, दक्षिण रेंजर्स, लहरी लायंस, गोल्फिज्म और कोलंबो लायंस हैं। टूर्नामेंट के पहले सत्र में चार टीमों ने हिस्सा लिया था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।